हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 1992

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 13 मार्च, 1992

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(5)1
जनता पार्टी के सदस्यों के निलम्बन सबंधी मामला	(5)28
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
जनता पार्टी के निलंबित सदस्यों को विधान सभा भवन में	(5)38

आने से रोकने आदि संबंधी	
वाक–आउट	(5)39
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	(5)39
हरियाणा बिजली बोर्ड के दो कर्मचारियों की मृत्यु संबंधी घोषणा	(5)39
सचिव द्वारा राष्ट्रपति द्वारा अनुमति दिये गये बिल संबंधी सदन की मेज पर रखे गये कागज पत्र	(5)40
कार्य की मदों में परिवर्तन	(5)40
वर्ष 1991–92 के सप्लीमैंट्री ऐस्टीमेट्स पर चर्चा तथा मतदान	(5)40
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)50
बैठक का समय बढ़ाना	(5)86
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)86
बैठक का समय बढ़ाना	(5)95
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पूनरारम्भ)	(5)96
राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान	(5)105

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 18 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9–30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह)ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Samples of fertilizer

***243. Shri Kitab Singh :** Will the Minister forAgriculture be pleased to state—

(a) the number of samples of fertilizer, ifAny, obtained for laboratory test during the period from 1-10-1991 to 20-2-1992 in the State togetherwith the results thereof separately;

(b) whether the samples out of thoseAs referred to in part (a)Above were found sub-standard; if so, the names of the firms who supplied the sub-standard fertilizerAnd theAction, ifAny, takenAgainst the said firms;And

(c) whether there isAny proposal under consideration of the Government to mark confidential code number on the samples while sending them to the Laboratory ?

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh) :

(a) 1505 fertilizer samples were drawn for laboratory

tests in the State from 1-10-1991 to 20-2-1992. Out of these 72 were found non-standard.

(b) Out of the total 1505 fertilizer samples, 1447 samples were drawn by the Department on its own while remaining 58 samples were drawn on request. Out of 1447 samples, 14 were found non-standard, whereasAll the 58 samples drawn on request wereAlso found non-standard.A list of the firms whose samples were found sub-standard, is placed on the Table of the House,AsAnnexure-I.

(c) The procedure under the Fertilizer Control OrderAlready envisages confidential coding of the samples.

ANNEXURE—I

List of the firms whose samples were found non-standardAnd theAction taken

Sr.	Name of the firm	Fertilizer	Manufacturer	Non-standard		Action taken
				Request	Other	
1	2	3	4	5	6	7
1.	Kribhco, Sonepat	Urea	Kribhco	2		The fertilizers stocks, samples of whichAre drawn on request..And found non-standard ,Are not sold to the farmers, butAre disposed off as per Clause 23 of Fertilizer Control

						Order, 1985 i.e. such fertilizer is sold to the manufacturers of mixtures of fertilizers of Research, Farms of Govt. or Universities or such bodies after fixing the price on the basis of the nutrient value foundAs per analysis report. The price of such fertilizer is reduced proportionately.
2.	Kribhco, Rewari	Urea	Kribhco	4		
3.	IFFCO Centre, Rohtak	Urea	IFFCO	2		
4.	IFFCO, Centre, Sirsa	Urea	IFFCO	1		

5.	The Bhamboor Coop. Credit Society, Bhamboor (Sirsa)	Urea	Unknown	3		
6.	The Tohana Marketing cum-Processing Society Tohana	Urea	Un-known	1		
7.	The Nahrana Coop. Credit& Service Society, Nehrana	Do	Do	2		
8.	The Coop. Credit&Service Society Pangwara (Sit sa)		Do	1		
9.	The Tohana Coop. Marketing-cum-	SSP	Do	1		

	Processing Society Tohana					
10.	The Bhamboor Coop. Credit Service Society, Bhamboor (Sirsa)	Mixture	Do	5		
11.	The Nehrana Coop. Credit Service Society, Nehrana (Sirsa)	Mixture	Unknown	3		
12.	The Coop. Credit&Service Society, Pangwara (W. Sirsa)	Do	Do	2		
13.	The Uklana Mandi Coop. Marketing Society Ltd., Uklana (Hisar)	Do	Do	1		

14.	The Tohana Coop. Marketing Society, Tohana	Do	IFFCO	1		
15.	The Nehrana Coop. Credit Society, Nehrana(Sirsa)	Murate of Potash	Unknown	1		
16.	The Bhamboor Coop Society Bhamboor (Sirsa)	Do	Do	1		
17.	The Uklana Mandi Coop. Marketing Society, Uklana	Do	Do	1		
18.	The Tohana Coop Marketing cum-Processing Society, Tohana	CAN	Do	1		
19.	The Coop. Credit&Service Society, Pangwara	Do	Do	2		

	(Sirsa)					
20.	The Bhamboor Coop. Society Bhamboor (Sirsa)	Do	Do	2		
21.	M/s Shiv Beej Bhandar, Sonepat	DAP	IPL	1		
22.	Kribhco Service Centre, Kurukshetra	Do	Kribhco	2		
23.	Kribhco, Kaithal	Do	Do	3		
24.	Kribhco, Hisar	Do	Do	3		
25.	Kribhco, Hodel	Do	Do	2		
26.	Kribhco, Palwal	DAP	Kribhco	1		
27.	Kribhco, Faridabad	Do	Do	1		
28.	The Tohana Coop. Marketing Society,	Do	Unknown	1		

	Tohana					
29.	The Bhamboor Coop. Society	Do	Do	3		
30.	The Nehrana Coop. CreditAnd Service Society, Ltd., Nehrana	Do	Do	1		
31.	The Nehrana Coop. Credit Service Society, Nehrana (Sirsa)	Zinc Sulphate	Do	I		
32.	The Bhamboor Coop. Society Bhamboor, Sirsa	Do	Do	2		
			Total	58		
33.	M/s Satish Kumar S/o Shri Kanwar	DAP	PPL	—	1	FIR lodged with Police Station on 28-11-91.

	Singh, Khetiawas					
34.	Shambhu DyalAshok Kumar Kaithal	Do	Do	—	1	DDA directed to lodge FIRAgainst the dealer.
35.	Saraswati Fertilizer, Kurukshetra	DAP	PPL	—	1	The material was imported by Govt. of India PPLActedAsA Pool handling
36.	Chawla Trader, Kurukshetra	Do	Do	—	1	agency. Therefore, M/s PPL was directed to take back the balance stocks of Pool DAP from the dealersAnd wasAllowed to sell the balance stocks includinglying in the warehouses to the Fertilizer mixing units etc.
37.	State Ware House, Pehowa	Do	Do	—	1	
38.	State Ware House, Kurukshetra	Do	Do	—	5	

39.	Amarnath Roshan Lal, Kurukshetra	Do	Do	—	1	
40.	M/s Suraj Beej Bhandar, Meham	Zinc Sulphate	Jai ShreeAgro Ind. Samepur, Delhi	—	1	Sale stopped. Registration Certificate cancelled
41.	M/s Hanuman Khad Bhandar, Guhla	Do	Jindal Industries, Samana		2	FIR lodged with Police Station, Guhla on 9-11-91
					14	

श्री किताब सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने जवाब में बताया है कि प्रार्थना के आधार पर लिए गए 58 नमूने निम्न स्तर के पाये गए। लेकिन इन्होंने जो सूची दी है वह 41 फर्मों की दी है। मैं जानना चाहता हूं कि 17 नमूनों के बारे में इस जवाब में जो जिकर नहीं किया गया, वह क्यों नहीं किया गया? ये नमूने पी० एल०, जिंक आदि खादों के भरे गए हैं। दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि ऐसा कितना खाद खरीदा गया था, उसमें से कितना किसानों को बेचा गया, कितना वापस किया गया और कितना इस समय स्टौक में पैण्डिग पड़ा है?

श्री हरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जो अनैक्श्चर दिया गया है, उसको शायद आनरेबल मैम्बर अच्छी तरह से देख नहीं पाये। यह ठीक है कि जो सैम्पल सब–स्टैण्डर्ड हैं उनका नम्बर ज्यादा है लेकिन फर्मे 41 ही हैं क्योंकि किसी फर्म के 2–2 और 3–3 सैम्पल भी भरे गए हैं। इन नम्बरों के बारे में इनको पढ्ने में गलती लगी है लेकिन ये नम्बर ठीक हैं क्योंकि फर्मे तो 41 ही हैं और सैम्पल 58 ही हैं। दूसरी बात इन्होंने कही कि जो सब–स्टैण्डर्ड खाद है वह फार्मर्ज को बेचते हैं। इस बारे में मैं मेम्बर साहब को बताना चाहता हूं कि जब किसी खाद का सैम्पल फेल हो जाता है तो उसे किसानों को न देने के लिए हम उनको हिदायतें कर देते हैं और उनके स्टौक को सील कर देते हैं,। ऐसा जो सील्ड खाद होता है यानी जो सब स्टैण्डर्ड होता है उसको जो सेमी गवर्नमैंट या पब्लिक अन्डरटेकिंग

फर्मे हैं, उनको दे दिया जाता है। हमारी तरफ से कोई सब स्टैण्डर्ड बाद फार्मर्ज को तकसीम नहीं किया जाता।

श्री किताब सिंह स्पीकर साहब, जो सवाल मैंने पूछा है उसका पूरा जवाब मंत्री महोदय की तरफ से नहीं आया। मैंने यह सवाल भी पूछा था कि ऐसा सब स्टैण्डर्ड खाद कितना आया, कितना बेचा गया और कितना वापस किया गया और कितना स्टाक में पैण्डिग पड़ा है?

श्री हरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही ऐक्सप्लेन कर दिया है कि हम फार्मर्ज को सब स्टैण्डर्ड खाद नहीं देते। उनके इन्ट्रैस्ट का पूरा ध्यान रखा जाता है। मैं फिर कहता हूं कि एक बैग भी सब–स्टैण्डर्ड खाद किसानों को नहीं दिया जाता। दूसरा सवाल इन्होंने यह किया है कि कितना खाद आया, कितना वापस किया गया, और कितना बेचा गया इसके लिए आप अलग से नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जायेगा। हम पूरा प्रबंध रखते हैं कि सब–स्टैण्डर्ड खाद किसानों को सेल न हो।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि जब किसी प्राईवेट दुकानदार के सैम्पल फेल पाये जाते हैं तो उनके खिलाफ केस दर्ज कर दिए जाते हैं। इसलिए मैं मैली महोदय से जानना चाहता है कि जिन फर्मो के सैम्पल फेल पाये गए क्या उनके खिलाफ केस दर्ज कराये गए या नही?

श्री हरपाल सिह : स्पीकर सर, मैं आप के माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा जो खाद सब–स्टैण्डर्ड है या डिफैक्टिव है वह 2–3 किस्म का होता है। एक तो बह जिस खाद में न्यूट्रिएट की परसैटेज कम हो, नाईट्रोजन कम हो सकती है और फासफोरस भी कम हो सकती है। जिस खाद में 5 परसैटं तक की कमी हो, वह कोई सीरियस बात नहीं है। एक वह खाद होती है जिस को सफूरियस कर देते हैं यानि सारी ही एडल्ट्रेशन कर देते हैं। खाद न्यूट्रिएट की जगह दूसरी बाद डाल दी या डिफरैंट कर दी। यह जो दूसरी किस्म की बात है यह सीरियस है। पहली किस्म के लिए तो हम दुकानदार को नोटिस देते हैं, उसकी डीलरशिप कैंसिल कर देते हैं और उनको खाद आगे बेचने के लिए अलाऊ नहीं करते लेकिन दूसरे किस्म के केसिज वे हैं जिनमें हम एफ ० आई ० आर ० वगैरा लौज करते हैं। ऐसे तीन केसिज हैं जिनमें एफ ० आई ० आर ० लोज की गई।

श्री रामपाल सिंह कंवर स्पीकर साहब, ऐसा है कि खाद के सैम्पल भरे गये और जो सैम्पल सब स्टैण्डर्ड पाए गए उनके बेचने पर रोक लगा दी। इसके अलावा इन्होंने अपने जवाब में बताया है कि जैसे–जैसे परसैटेज के हिसाब से खाद खराब पाया गया उसके हिसाब से उसकी कीमतें घटा कर के कुछ यूनिवर्सिटीज को और कुछ फार्मो को बेच दिया गया। मैं मन्डी महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जिस वक्त यह खाद फैक्टरी से सप्लाई आने के बाद दुकानदार को या सोसाईटी को दिया जाता

है क्या उस वक्त उसके नमूने भरे जाते हैं अथवा सप्लाई हो जाने के बाद नमूने भरे जाते हैं? अगर ऐसा है तो जो किसान को खाद सबस्टैण्डर्ड होते हुए भी सप्लाई में चला गया है उसकी भरपाई कहां से और कैसे होगी? क्या सरकार इस सिस्टम को बदलेगी कि जिस वक्त यह सप्लाई होती है उसी वक्त उसके सैम्पल भर कर यह देखा जाए कि खाद कहीं सब–स्टैण्डर्ड तो नहीं है। अगर वह खाद ठीक पाया जाए तभी उसको बेचने की इजाजत दी जाए।

श्री हरपाल सिह स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह इन्तजाम तो सैटर गवर्नमैंट का ही है कि जो मैन्युफैक्चरिंग करते हैं या जो प्रिपेयर करते हैं उनकी जांच करें और देखें कि क्या जो खाद वे तैयार करते हैं वह स्पैसिफिकेशन्ज के मुताबिक है या नहीं। दूसरी बात यह है कि एक तो हम डीलर्ज से सैम्पल लेते हैं। यह डिपार्टमैंट एट रैडम लेता है जब कि सोइंग का सीजन होता बै और फर्टिलाईजर की डिमांड ज्यादा होती है। दूसरे कुछ ऐसी ऐजैंसीज भी हैं जैसे मिनी बैकंस हैं और सैमी गवर्नमैंट ऐजेंसीज हैं जो खाद को डिस्ट्रीब्यूट करती हैं., उनके अपने सेल्ज प्वायंट्स हैं। उनकी रिक्वैस्ट पर भी हम सैम्पल्ज भरते हैं क्योंकि कई दफा जिसके पास पुराना खाद पड़ा हो, उसका वह सैम्पल खुद टैस्ट करवा लेते हैं यह देखने के लिए कि उसमें कितनी परसैटेज न्यूट्रिएट की रह गई, कितनी क्वालिटी उसमें रह गई है। अगर वह परसैटेज ठीक न हो तो उसकी रिवैल्यू करके सेल करने का फैसला किया जाता

है। इसमे दो किस्म की बात है। एक तो चौकिंग ओन रिक्वैस्ट है और दूसरे जो बैकंस या को–ओप्रेटिव सोसाईटीज हैं जिनका खाद पुराना हो गया है या खराब हो गया है और जिसको किसान ने लेने से इन्कार कर दिया हो, वह खाद बेचने से रोक दिया जाता है। इसके अलावा जैसे कि मैंने अभी बताया कि सैट्रल गवर्नमैंट इन्सपैक्टर्ज का एक सैल बना हुआ है। ये इंस्पैक्टर्ज इन्सपैक्शन करते हैं और देखते हैं कि जो मैटीरियल मैन्युफैक्चर हो रहा है, उसकी क्वालिटी ठीक है या नहीं।

श्री रामपाल सिंह कवर स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। मैंने यह पूछा था कि जब इस खाद की प्राईवेट डीलर को सप्लाई आती है या को–आप्रेटिव सोसाईटीज की डिलिवरी आती है, क्या उस वक्त इसको सैम्पल भरकर देखा जाएगा कि कहीं यह खाद सब–स्टैण्डर्ड तो नहीं है और फिर उसको सेल की इजाजत दी जाएगी? मैंने पर्टिकुलरली यह सवाल पूछा था। सैंटर गवर्नमैंट तो करेगी ही लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या स्टेट गवर्नमैंट ऐसा कोई प्रबन्ध करेगी?

श्री हरपाल सिंह स्पीकर साहब, जहां भी हमें शिकायत मिलती है या डाउट होता है कि इस खाद की क्वालिटी ठीक नहीं है वहां हम चौक करते हैं।

श्री राम भजन अग्रवाल स्पीकर साहब, जो सैम्पलज लैबोरेटरीज में जाते हैं उनके पीछे फार्मर्ज और व्यापारी घूमते

रहते हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर सैम्पल पास करवाने की लैबोरेटरीज बनवाएंगे? ऐसा पता लगा है कि पिछली गवर्नमैंट ने ऐसा किया भी था। डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर सैम्पल पास करवाने की लैबोरेटरीज होनी चाहिएं ताकि किसी फार्मर को या किसी व्यापारी को वहां पर सैम्पल पास करवाने की सुविधा हो सके। दूसरे जो सैम्पलज लिए जाते हैं उनका एक सैम्पल फार्मर या व्यापारी को देना चाहिए ताकि वह अपने लैवल पर सैम्पल को टैस्ट करवाने के लिए फी रहे। इसमें हमें अन्देशा रहता है कि लैबोरेटरीज के अन्दर पैसे ले–दे कर सैम्पल्ज पास या फेल किये जाते हैं। लोगों की ऐसी भावना को दूर करने के लिए मेरा पहला सुझाव यह है कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर लैबोरेटरी होनी चाहिए ताकि उनमें हरेक आदमी अपने सैम्पल टैस्ट करवा सके, माल रखने से पहले अपने खर्च पर सैम्पल पास करवा कर रखें ताकि उसको दिक्कत न हो। क्या सरकार इस पर विचार करेगी?

श्री हरपाल सिंह स्पीकर साहब, जहां तक हर डिस्ट्रिक्ट में लैबोरेटरी बनाने का सवाल है, जितनी जरूरत स्टेट में होती है वह तो स्टेट ही फैसला करती है। अभी हमारी स्टेट में दो लैबोरेटरीज हैं। एक तो हिसार में और दूसरी करनाल में है। वे तो ठीक–ठाक काम कर रही हैं, उनकी 3 हजार सैम्पल टैस्ट करने की कैपेसिटी है। 3 हजार तक नम्बर तो नहीं पहुंचता है परन्तु दो, अढ़ाई हजार तक सैम्पल लिए जाते हैं। लेकिन अगर हमने

महसूस किया कि लैबोरेटरी की जरूरत है तो हम कंसीडर कर सकते हैं। दूसरी बात इन्होंने यह कही कि सैम्पल चौक करने के लिए ऐक्ट बनाना चाहिए वह ऐक्ट बना हुआ है वह सैन्ट्रल फर्टिलाइजर कंट्रोल ऐक्ट है। उसके प्रोविजन के हिसाब से स्टेट गवर्नमैंट ऐक्शन लेती है। उस ऐक्ट के अनुसार हम ऐक्शन लेते हैं आप इसे पढ़ सकते हैं और देख सकते हैं। अगर आपकी नौलेज में ऐसा कोई केस है तो हम ऐक्शन लेने के लिए तैयार हैं।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मत्री जी से एक बात पूछना चाहूंगा। मंत्री जी ने कहा कि ऐजेन्सीज वाले खुंद भीं सैम्पल टैस्ट करवाते हैं। कई बार देखने में आया कि किसान अपने खेत में जब खाद के कट्टे लेकर आता है और वहां जाकर खोलता है तो उसके अन्दर से कंडम बाद निकलता है। बाहर से पैकिंग तो नई होती है परन्तु अन्दर बाद घटिया होती है। मती महोदय, क्या ऐसा कोई प्रोविजन है कि किसान जिससे बाद लेता है, उसी वक्त उस दुकानदार का सैम्पल चैक किया जा सके?

श्री हरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी जो डांगी साहब ने कहा है उसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर डांगी साहब के नोटिस में कोई पर्टिकुलर केस है तो वे हमें बताएं, हम उसके खिलाफ ऐक्शन लेंगे और यदि कहीं कोई डीलर दोषी होगा तो उसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लेगे। अध्यक्ष महोदय, ऐसे 3 केस हमने रजिस्टर भी किए हैं।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब मंत्री जी ने बताया कि 3 केस रजिस्टर कि गए हैं। अध्यक्ष महोदय, आफिसर्ज और डिपार्टमैंट के लोग जान–बुझ कर दुकानदारों को और उपभोक्ताओं को परेशान करते हैं। क्या उनके खिलाफ भी कोई केस दर्ज किया जाता है? (विध्न)मेरा प्रश्न यह है कि जो जान बूझ कर ऐसा करते हैं क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की है, क्या किसी को सजा दी है और क्या मत्री जी के नोटिस में ऐसे केस आए हैं?

श्री हरपाल सिंह स्पीकर साहब, ऐसा कोई केस मेरे नोटिस में नहीं आया है। सर, हमने जितने सैम्पल पिछले साल भरे थे उनमें से 58 सब–स्टैण्डर्ड के थे। उनमें से सिर्फ 3 के अगेस्ट केस दर्ज किए हैं। परन्तु लहरी सिंह जी की दुकानदारों के साथ पता नहीं क्या हमदर्दी है। इनका कहना है कि उनको हैरास किया जाता है। इसमें ऐसा कुछ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी दुकानदार का सैम्पल सफूरीयस होता है तो हम उसके खिलाफ ऐक्शन लेते हं।

श्रीमती चन्द्रावती अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया कि इन्होंने तीन के खिलाफ केस रजिस्टर किया है। क्या उनको खाद ने बेचने की हिदायत की जाती है जब तक कि वे केस से नरी न हो जाएं?

श्री हरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, यह तो पहला स्टैप होता है। जय उस पर केस होता है तो उसका खाद बेचने का

लाइसैसं कैंसिल कर दिया जाता है और बाद में केस रजिस्टर्ड होता है।

चौधरी अजमत खां स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से एक बात जानना चाहता हूं। जो अन–नौन खाद के मैनुफैक्चर्ज हैं इनकी संख्या इन्होंने 20 बताई है। वे कौन–कौन से हैं और क्या गवर्नमैंट ने उनको खाद बेचने के लिए बतौर डीलर्ज परमीशन दी है? यह जो 18 नमूने फेल हुये हैं इनमें अधिक तादाद डी० ए० पी० खाद की है। इनमें सबसे ज्यादा घपला हुआ है और सबसे ज्यादा इसके अन्दर बेईमानी की गई है। इससे प्रमाणित होता है कि यह खाद ज्यादा कीमती है और डसमें मिलावट करके इसे बेचा गया है। इससे किसान को ही नहीं बल्कि देश को भी भारी नुक्सान हुआ है।

श्री हरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, अजमत खां जी ने जो डी० ए० पी ० खाद के बारे में कहा है, इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि हमारे पास दो खाद हैं जिनकी क्वालिटी आम तौर पर ठीक रहती है। इनमें एक खाद यूरिया है और दूसरा खाद डी० ए ०पी० है। ये दोनों ही पब्लिक सैक्टर में बनती हैं। डी० ए० पी० के बारे में जरूर कहीं कहीं से शिकायत आयी है। यह इसलिए शिकायत हो सकती है क्योंकि डी० ए० पी० खाद हमें इम्पोर्ट करना पड़ता है और उसके बाद इस खाद की बैगिंग की जाती है। हो सकता है उस समय इसमें कुछ गलत बैगिंग हो जाती हो। वैसे आम तौर पर डी० ए० पी० के बारे में शिकायत बहुत कम ही आती

हैं। इस खाद क्रो पी० पी० एल० की एक कम्पनी जो गवर्नमैंट की है, आगे सप्लाई करती है। पहले जो सैम्पल फेल हुए, वे पूल की खाद के इकट्ठे सैम्पल फेल हुए थे।

Starred Question Nos. 175And 168

Mr. Speaker : These questionsAre deletedAs the members Sarvshri Satbir Singh KadianAnd Krishan Lal, stand suspended from the service of the House.

Jhojhu KalanAnd Mahndi Hariya Minors

***205. @ShriAttar Singh Mandhiwala :** Will the Minister for IrrigationAnd Power be pleased to state—

(a) whether there isAny proposal under consideration of the Government to constructA Jhojhu KalanAnd Mahndi Hariya Minors in District Bhiwani;And

(b) if so, the time by which theAforesaid MinorsAre likely to be completed ?

IrrigationAnd Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) ThereAre no such minors.

(b) Question does notArise.

श्रीमती चन्द्रावती अध्यक्ष महोदय, क्या जिला भिवानी में झोझूकलां तथा मांढी–हरिया नाम का कोई माइनर है ही नहीं?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, बहिन

चन्द्रावती जी जिन माइनरों की बात कर रही हैं वहां इस नाम से कोई माईनर नहीं है। जहां पर ये माईनर हैं अगर ये चाहे तो मैं इन्हें बता देता हूं। अध्यक्ष महोदय, झोझू कलां का क्षेत्र दलाली माईनर से सिंचित किया जाता है। सितम्बर, 1986 के दौरान जब यह सरकार थी, बलाली माईनर का बजट ऐस्टीमेट 45.30 सैंक्शन किया गया था। यह माईनर सतनाली फीडर के आर० डी० 225–30–आर से निकलती है और इसकी लम्बाई 8 800 कि० मी० है। इस माईनर पर काम चल रहा है और अब तक इस पर 20.71 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। 1992–93 में फंडज मिलने पर इस माईनर को पूरा कर दिया जायेगा। इसके अलावा मांडी गांव का क्षेत्र मांडी डिच माईनर पर पड़ता है और इसकी लम्बाई 14500 फुट है। यह रहरोदी डिस्ट्रीब्यूटरी के आर० डी० 70 एल से निकलती है। इस स्कीम का बजट ऐस्टीमेट 1987–88 में 27.33 लाख रुपये हरियाणा सरकार द्वारा सैक्शन किया गया था। 1987–88 में इस माईनर का कुछ भाग बन गया था जिस पर 4.61 लाख रुपये खर्च किये गये थे। लेकिन जब इनकी सरकार आयी, जो अपने को किसानों की सरकार कहती थी, तो इन्होंने इस माईनर पर काम बन्द कर दिया। लेकिन इस माईनर पर हम फिर काम करने की योजना बना रहे हैं।

Woollen MillAt Loharu

***209. Shrimati Chandrawati :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state the present stage of construction of Woollen Spinning Mill Loharu togetherwith the

time by which it is likely to be constructed ?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया)लोहारू में ऊन मिल का निर्माण कार्य इसलिए शुरू नहीं किया गया क्योंकि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एन० सी ० डी० सी०)ने यह कहते हुये कि ''ऊन एक कृषि उत्पादन नहीं है और यह एन० सी ० डी० सी० के कार्यक्षेत्र में नहीं आता'' वित्तीय सहायता देने से इन्कार कर दिया है। तथापि हैफेड के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ने भारत सरकार को एन० सी० डी० सी० अधिनियम में संशोधन करने के लिये लिखा हुआ है जिससे कि ऊन पर आधारित उद्योगों को भी वित्तीय सहायता दी जा सके। इस बारे में एन० सी० डी० सी० ने बतलाया है कि एन० सी० डी० सी० ऐक्ट में संशोधन का मामला भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय में लम्बित है।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, वहां पर काम तो शुरू हो चुका था लेकिन आजकल सस्पैंडिड है। मैं चाहती हूं कि मुख्य मन्त्री जी इस पर प्रकाश डालें कि वहां पर कुछ लोगों को काम दिया भी गया है या नहीं। पहले तो काम चलता था लेकिन बीच में काम बन्द पड़ा है। मैं तो यह कहना चाहती हूं कि इस काम की शुरुआत ही अच्छी तरह से नहीं हुई है हालांकि वहां पर बिल्डिग भी है और काम भी शुरु हुआ था लेकिन वह काम पूरा नहीं हुआ। वहां पर पहले कुछ वर्कर्ज भी लगे हुए थे। मैं यह चाहती हूं कि वह काम जल्दी ही पूरा हो। में मन्त्री महोदय से यह

जानना चाहती हूं कि वह कब तक काम पूरी तरह से शुरु 'हो जायेगा? वहां पर ऊन आनी भी शुरु हुई है या नहीं। अगर शुरु नहीं हुई है तो अब तक क्यों नहीं हुई है? यहां डिले क्यों हो रही है?

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया स्पीकर साहब, 9–7–1990 को मुख्य मन्त्री श्री बनारसी दास गुप्ता थे। उन्होंने इस मिल का शिलान्यास किया था। उन्होंने इसका शिलान्यास ही किया था कि उसके बाद चौधरी हुक्म सिंह जी मुख्यमन्त्री आ गये। इस दौरान 4–5 मुख्यमन्त्री बदले हैं लेकिन इस मिल का काम नहीं हो पाया। अब हमारा यह प्रयास है कि इसको जल्दी से जल्दी चालू किया जाये।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, मैं आदरणीय मन्त्री जी से यह कहना चाहती हूं कि मुख्य मन्त्री तो कितने ही आते हैं कितने ही चले जाते हैं लेकिन लोगों का काम होना चाहिये। मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह आश्वासन लेना चाहती हूं कि इस मिल का काम जल्दी ही शुरु कर दिया जायेगा क्योंकि वह बीच में ही रुका पड़ा हुआ है। गवर्नमैंट का पैसा वहां पर लगा हुआ है। वहां पर चीजें पड़ी खराब हो रही हैं। काम बीच में ही रुका पड़ा है। मैं तो यह सुझाव देना चाहती हूं कि उस पर काम जल्दी ही शुरु किया जाये। इसका आश्वासन मुख्य मन्दी महोदय द्वारा आन दी फलोर आफ दी हाउस आना चाहिये।

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया मैं माननीय सदस्या, बहिन चन्द्रावती जी, को यह बताना चाहती हूं कि 14–11–1991 को हमने इसके लिये एक पत्र लिखा और उसके पश्चात 4–12–1991 को एन०सी०डी० सी० द्वारा पत्र प्राप्त हुआ। उसके अलावा हमने दूरभाष पर भी बात की है। हमारा यह प्रयत्न है कि इस प्रोजैक्ट को हम चालू करें। हम अपने आप ही इसको चालू करने में सक्षम नही है। इसलिये ज्यों ही एन० सी० डी० सी० से इस बारे में हमें आशय पत्र मिल जायेगा, हम इसे जल्दी ही चालू कर देंगे। मैं यह विश्वास आनरेबल मैम्बर को दिलाना चाहती हूं।

श्रीमती चन्द्रावती इसमें परमिशन लेने की तो जरूरत मैं समझती ही नहीं जब एक बार काम शुरू हो चुका है तो उसमें परमिशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। अब तो यह सरकार की मर्जी है कि वह उस काम को आगे बढ़ाये। वहां के लोगों के पास खेती के अलावा रोजगार का कोई साधन नहीं है। वहां के लोग पुलिस में कम है, फौज में कम हैं और सर्विसिज में भी कम हैं। लोगों को काम दिलाने के लिये हमारे राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में भी कहा है कि लोगों को काम दिया जायेगा। मेरा कहना यह है कि मुख्य मन्त्री जी खुद इस बारे में आश्वासन दें कि इस काम को जल्दी ही पूरा किया जायेगा।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)स्पीकर साहब, यह एन ० सी ० डी ० सी ० का प्रोजैक्ट है। जैसे बहिन शकुन्तला जी ने जवाब दिया है कि उन्होंने तो यह कहकर इसके लिये पैसे की

सहायता देने से इन्कार कर दिया है कि यह कृषि के क्षेत्र में नहीं आता है। मैं खुद यह महसूस करता हूं कि भिवानी जिले की ऊन सबसे बढ़िया ऊनों में से है और सबसे अच्छी है। वहां पर ऊन की बहुत पुरानी मिल थी जो बीच में बन्द हो गयी थी। इस बीच कई मुख्य मन्त्री आये और कई चले गये। लेकिन इस बात की चेष्टा किसी ने भी नहीं की कि इसे चालू किया जाये। हम यह चेष्टा करेंगे कि भारत सरकार के कायदे कानून में संशोधन कराकर इस मिल को चालू करें। अगर किसी तरह से वहां से सहायता नही मिलती तो हम हैफेड की तरफ से इसको चालू करने की कोशिश करेंगे। इस बात का हमारा भरसक प्रयत्न होगा कि मिल चालू हो जाये।

Starred Question Nos, 218And 231

Mr. Speaker : These questionsAre deletedAs the members, Sarvshri Balwant Singh MainaAnd Zile—Singh, stand suspended from the service of the House.

Pollution from water, vehiclesAnd industries

***234. Shri Rajinder Singh Bisla :** Will the Minister for Environment be pleased to state—

(a) whether the Govt. isAware of the fact that theAdjoining colonies of FaridabadAre badlyAffected onAccount of polluted waterAnd pollution caused by vehiclesAnd industries;And

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken

to save theAforesaid colonies from the pollution,As referred to in part (a)Above ?

Forests Minister (Rao Inderjit Singh) :

(a) Yes, sir.

(b) A number of steps which have been taken to check pollution in theAreaAre detailedAtAnnexure-I, which is placed on the Table of the House.

ANNEXURE—I

Steps being taken to check pollution in Faridabad

1. Upto 31-1-92, 153 industrial units in Faridabad have installedAffluent Treatment Plants to Control Water Pollution.Also 52 industrial units in Faridabad have installedAir pollution Control measures to controlAir pollution.

2. Show cause notices have been issued to existing polluting industries. Prosecution of 133 erring units in Faridabad district have been registered in the competent courts.

3. The Faridabad Thermal Power House has installedAn Electrostatic Precipitator on its second unit to control emissions which will be made operational shortly . The E.S.P. on the first unit is operational.

4. The Faridabad ComplexAdministration has undertaken to complete the sewerage treatment plant by the end of 1993A.D.

5. The department of EnvironmentAsA nodelAgency has held meetings with the officers of the Haryana Transport department to stress upon them the need to initiate measures for controlling vehicular pollution. It has been decided that the Transport department will be purchasing equipment like carbon monoxideAnalyserAnd smoke density meter in order to check the vehicular pollution. InAddition, other steps will be taken to ensure that vehicles go throughA periodical checking so that their emissionsAre within the prescribed limit.

6. AsA nodelAgency, meetings haveAlso been held with the officers of the Local Self Government so that Municipal Committees take up the responsibility of keeping in cheek Municipal pollution which is primarily caused by municipal waste water.

7. The environment department is bringing outA folder regarding environmentAnd pollution to createAwarenessAmongst the people so that public pressure could beApplied on those guilty of causing pollution.

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, अनैक्सचर 'ए' के पैरा वन में इन्होंने कहा है कि 31–1–92 तक फरीदाबाद की 153 औद्योगिक इकाईयों ने जल प्रदुषण रोकने के लिये जल शोधन सन्यन्त्र लगा लिये हैं। इसके अतिरिक्त 52 औद्योगिक ईकाइयों ने वायु प्रदुषण रोकथाम यन्त्र लगाये हैं। मैं आपके द्वारा इनसे यह जानना चाहता हूं कि ये जितने इन ईकाइयों ने पोल्यूशन रोकने के लिये ट्रीटमैंट प्लांटस लगाये हैं, आया ये

कागजों में हैं या कि वर्किंग कंडीशन में हें? दूसरी बात इन्होंने पैरा दो में यह कही है कि लगभग 133 यूनिटस के खिलाफ प्रोसीक्य्शन के मुकदमें अदालतों में दर्ज कर दिये गये हैं। तो मैं इस बारे में इनसे यह जानना चाहता हूं कि आज तक इस सम्बन्ध में फरीदाबाद के अन्दर कितने केसिज सरकार द्वारा चलाये गये हैं और कितने केसिज में उनको सजा हुई है? इससे आगे इन्होंने अनैक्सचर 'ए' के प्वायंट तीन में यह कहा है कि–

"The Faridabad Thermal Power House has installedAn Electrostatic Precipitator on its second unit to control emissions which will be made operational shortly...."

इस बारे में, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह जो इन्होंने शार्टली कहा है, क्या इसके लिये कोई समय निर्धारित करेंगे?

राव इन्द्र जीत सिंह स्पीकर साहब, वाटर ऐक्ट और एयर ऐक्ट के तहत जो यूनिट्स लगाये गये डु, वे सारे यूनिटस कामयाब हैं। उनका ब्यौरा हमने दिया भी है। जहां तक इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रौसिपिटेटर का सम्बन्ध है, वह लगा लिया है, उसका पहला यूनिट चालू हो चुका है और उसके दूसरे यूनिट को हम अभी तक इसलिये चालू नहीं कर पाए क्योंकि थर्मल प्लांट को 15 दिन तक बन्द रखना पड़ेगा और चूकि किसानों को बिजली की आवश्यकता थी इसलिये हमने थर्मल प्लांट को बन्द करना उचित नहीं समझा। बहरहाल यह यूनिट इन्सटाल कर दिया गया है इस

बारे में एच० एस० ई० बी० के चेयरमैन और सचिव महोदय ने हमें आश्वासन दिया है कि मार्च के अन्त तक जब किसानों को बिजली की आवश्यकता कम हो जायेगी तो इस थर्मल प्लांट को 15 दिन के लिए बन्द कर दिया जायेगा और दूसरा इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रोसिपिटेटर 15 दिन के भीतर चालू कर दिया जायेगा।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के अन्दर आज 6–7 लाख लोगों की आबादी है और यह मेरा प्रश्न उनके जीवन के साथ जुड़ा हुआ है और मन्त्री जी ने जो यहां पर फिगर्ज दी हैं उनको दोबारा रिपीट ही किया है और ज्यादा कुछ नहीं कहा। क्या मन्त्री मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि इन्होंने कभी स्वयं जाकर इन यूनिट्स को देखा है कि नहीं? आया ये प्लांटस वाकई में वर्किंग कंडीशन में हैं कि नही? कभी इस बात का मन्त्री महोदय ने निरीक्षण किया हे? या कोई 2–4 व 10 केसिज ऐसे बता दें जिस में किसी इंडस्ट्रियलिस्ट को सजा हुई हो? अगर किसी को सजा हुई है तो उनका नम्बर कितना है, मैं यह जानना चाहता हूं। इससे अगली बात यह है कि आज फरीदाबाद के अन्दर इतना पोल्यूशन है जिसके कारण वहां प्रौपर्टी की कीमतें गिरने लग गई हैं और लोग अपने प्लांटस जमीन व मकान बेचने लग गये हैं। इसलिये मन्त्री महोदय बताएं कि कितने यूनिट्स को इन्होंने वहां जाकर के निरीक्षण किया है? केवल मात्र सदन के पटल पर इस तरह का लिखित उत्तर देने से काम नहीं चलेगा।

इससे आगे इन्होंने अपने उत्तर में यह भी बताया है किं

:–

"The Environment department is bringing outA folder regarding environmentAnd pollution to createAwarenessAmongst the people so that public pressure could beApplied on those guilty of causing pollution."

अध्यक्ष महोदय, हमारा फरीदाबाद जिला बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया है। वहां लाखों की संख्या में मजदूर रहते हैं और प्रायः वे अनपढ़ होते हैं। तो एक मजदूर में पोल्यूशन के बारे क्या अवेयरनैस केवल मात्र फोल्डर से हो सकती है? इनका विभाग इतना बड़ा महत्वपूर्ण विभाग है। इतनी मीटिंग्ज की गई हैं। कितना डिमांस्ट्रेशन किया गया है। यह बड़ा ही अहम प्रश्न है इसलिये स्पीकर साहब हम चाहते हैं कि इस पर आधे घंटे की चर्चा की जाए। इसके साथ साथ मैं मन्त्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि वहां का जो टी० वी० वार्ड है वहां के जो मरीज हैं उनमें से 90 प्रतिशत मरीज इस पोल्यूशन की वजह से बीमार हैं। इस बारे में सरकार क्या कर रही है? इन सभी प्रश्नों का मैं इनसे उत्तर चाहता हूं।

10.00 बजे

राव इन्द्र जीत सिंह स्पीकर महोदय, सारी की सारी जगहें तो चौक नहीं की जा सकतीं लेकिन एक दो यूनिट्स मैंने चौक किए हैं और उनके सारा काम ठीक है। जहां इन्होंने यह बात कही कि हमारे डिपार्टमैंट ने कितने आदमियों को प्रौसीक्यूट

करके सजा दिलाई, उसके बारे में हें बताना चाहता हूं कि हम खुद किसी को सजा नहीं दे सकते। हम तो प्रोसीक्यूशन लोज कर सकते हैं। आगे कोर्ट पर निर्भर करता है कि कितने दिनों में फैसला होता है। आम तौर पर देखने में आया है कि प्रोसीक्यूशन लोज करने के बाद डिले हो जाती है उसके लिए हम कोई रास्ता निकाल रहे हैं ताकि जल्दी फैसला हो सके। इस बारे में स्पैशल एनवायरमैंन्टल कोर्टस बनाने की बात सरकार के विचाराधीन है जिसके तहत जो डिले होती है उसके ऊपर हम काबू पा सकेगे और फैसला जल्दी से जल्दी हो सकेगा।

श्री हरी सिंह नलवा स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या गर्वमैंट कोई विशेष कदम उठाएगी क्योंकि पोल्यूशन का मामला इतना आसान नहीं है जोकि अकेले, कानून द्वारा हटाया जाए? जब कोई यूनिट लगता है अगर उसके साथ पोल्यूशन हटाने वाली मशीन लगाई जाए तो वह 10–20 लाख रुपये में लगती है और उसके मुकाबिले में कारखाना लगाने की कीमत पांच लाख रुपए होती है। अगर हम ऐक्ट के मुताबिक ऐसी यूनिट को यह मशीन लगाने पर मजबूर करेंगे तो उसको अपनी यूनिट बन्द करनी पड़ेगी क्योंकि वह इनती कौस्टली मशीन नहीं लगा सकता। इस प्रकार से यूनिट बन्द होने से बेरोजगारी फैलेगी। तो मैं पर्टिकुलरली मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि भारत सरकार को इस मामले में एप्रोच किया जाए और वहां से इसके लिये फंडज लिये जाएं। सभी चाहते हैं कि पोल्यूशन पैदा

नहीं करना चाहिए लेकिन उनकी मजबूरी है। अगर सरकार इसमें कोई सहायता दे तो सभी लोग ऐसी मशीनें लगाने के लिये तैयार हैं। तो क्या कोई ऐसी स्कीम बनाएंगे?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, यह प्रदूषण का मसला बहुत गम्भीर मसला है क्योंकि इन्सान की जिन्दगी का सवाल इससे जुडा हुआ है। अगर देश में वायु मंडल ठीक नहीं होगा तो किसी की हैल्थ ठीक नहीं रह सकती। जब मैं भारत सरकार में मन्त्री था तो यह महकमा मेरे पास था। भारत सरकार ने उस वक्त सीमेंट फैक्टरी और थर्मल पावर स्टेशन जोकि बहुत धुंआ फैंकते हैं, के बारे में विचार किया था? इस धुंए का इन्सान को पता नहीं लगता, यह सांस के साथ शरीर के अन्दर जाता है और लंगज को नुकसान करता है। इस बात पर हमने मीटिंग करके विचार किया था कि अगर हम उनको कह देंगे कि ऐसी फैक्टरीज बन्द करो तो मजदूर बेकार हो जाएंगे। इसलिये हमने ऐसे लोगों को दो साल का समय दिया कि इस अवधि के अन्दर आप अपने ट्रीटमैंट प्लांट लगा लें। देश में इस वक्त सीमेंट और थर्मल स्टेशन जैसी 80 प्रतिशत फैक्टरीज हैं। इसी तरह से हम चाहते हैं कि प्रदेश में भी वायु मंडल ठीक रहना चाहिए। उसके लिए हमने फैसला किया है कि जो आदमी फैक्टरी लगाता है उसके साथ यह कंडीशन है कि जब वह फैक्टरी लगाता है तो उसका गन्दा पानी या धुंआ बाहर नहीं जाना चाहिए। वह उसको बाकायदा ट्रीट करके बाहर जाने दे ताकि किसी की सेहत पर

नुकसान न पड़े। इसके लिए हरियाणा सरकार पूरी जागरुक है और हमारी भरसक कोशिश होगी कि देश और प्रदेश में वायु मंडल ठीक रहे।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश में जो बड़ी बड़ी फैक्टरीज लगी हुई हैं क्या मुख्य मन्त्री जी उनको प्रदूषण बन्द करने के लिये फौरन डायरैक्शन देंगे और साथ ही जो छोटी छोटी फैक्टरीज लगी हुई हैं उनको 2–2 या 3–3 महीने के अन्दर प्रदूषण बन्द करने के लिये टाईम दे कर पोल्यूशन ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिये डायरैक्शन देंगे?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जो बहुत बड़ी बड़ी फ्लैटरीज हैं, उनको सरकार ने बाकायदा चौक किया है और उन्होंने पोल्यूशन ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए टाईम मांगा हुआ है। जैसे फरीदाबाद में 826 बहुत बड़ी–बड़ी फैक्टरीज हैं जिनमें से 554 फैक्टरीज मालिकों ने बाकायदा सहमति जाहिर की है कि वे अपनी फैक्टरीज का पोल्यूशन ठीक कर लेंगे। सारे हरियाणा प्रदेश में कुल 2009 फैक्टरीज हैं जिनमें से 1695 फैक्टरीज के मालिकों ने यह सहमति जाहिर की है कि वे अपनी अपनी फैक्टरीज का पोल्यूशन ठीक कर लेंगे। इस बारे में हमने पूरी कार्यवाही की है और आयंदा जो फैक्टरीज लगेंगी वे बाकायदा पोल्यूशन रहित होंगी।

Amount given to Haryana State Social WelfareAdvisory Board

***238. Sathi Lehri Singh :** Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state—

(a) the totalAmount given to the Haryana State Social WelfareAdvisory Board by the State GovernmentAnd the Central Government, separately during the period fromApril, 1987 to 31st December, 1991 togetherwith the details of expenditure of the saidAmount;And

(b) theAmount out of that referred to in para (a)Above incurred on the scheme exclusively for the benefit of the persons belonging to scheduled castes; together-with the number of beneficiaries thereof ?

Minister of State for Social Welfare (Shri Hukam Singh) :

(a) Rs. 1,45,68,750And Rs. 1,84,928.93 Paise were givenAs grant-in-aid to the State Social WelfareAdvisory Board by the State GovernmentAnd Central Social Welfare Board, respectively. The details of expenditure, yearwise,Are given inAnnexure 'A'.

(b) No scheme is being implemented exclusively for Scheduled Castes by the Board.

ANNEXURE 'A'

Year-wise details of expenditure

Period	ExpenditureAgainst State Government	Expenditure against Central Social Welfare

	Grants	Board Grants
1987-88	2415324.49	1634632.08
1988-89	3765789 . 34	2456846 . 73
1989-90	2964760.01	4407942 . 91
1990-91	3361224 . 87	6562752.10
1-4-1991 to 31-12-1991	1717058 . 50	3721086.00
Total	14224157.21	18783259. 82

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि सारे हरियाणा प्रदेश में यह पैसा किस–किस ऐजैसिज के थ्रू खर्च किया गया और ये ऐजैसी कहां कहां पर सिचुएटिड हैं?

श्री हुकम सिंह स्पीकर साहब, यह पैसा सोशल वैल्फैयर बोर्ड के दायरे में आता है स्टेट गवर्नमैंट तो उस बोर्ड को केवल ग्रांट देती और सारा पैसा बोर्ड खर्च करता है मैं सभी माननीय सदस्यों से यह रिक्वैस्ट करुंगा कि वे भी कभी–कभी इस बात को चौक कर लिया करें कि आया पैसा ठीक खर्च हो रहा है या नहीं हो रहा और जहां–जहां भी इनको कोई कमी नजर आए ये हमारे नोटिस में लाएं।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। स्पीकर साहब, पिछली सरकार ने चार साल के समय

में हरियाणा के दूसरे जिलों को छोड़ कर केवल एक ही जिले में यह पैसा खर्च कर दिया। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि यह पैसा कहां पर खर्च किया गया और किस ऐजेसी के थ्रू खर्च किया गया?

श्री हुक्म सिंह स्पीकर साहब, इसके लिए माननीय सदस्य सैपरेट नोटिस दें दें, इनको सारी डिटेल बता दी जाएगी।

साथी लहरी सिह स्पीकर साहब, मैंने अपने सवाल में यही पूछा था लेकिन मेरे सवाल को चेंज कर दिया गया।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, एक राजकीय समाज कल्याण बोर्ड बना हुआ है लेकिन हमें मुश्किल यह है कि उसका चेयरमैन भारत सरकार नियुक्त करती है। इसलिये उस पर हमारा पूरा कंट्रोल नहीं है। हरियाणा प्रदेश के 9 जिलों में उस बोर्ड के अंडर 45 सैन्टर हैं जिनमें से एक भी सैन्टर काम नहीं कर रहा है। जो सच बात है उसके लिये हां करने में हमें कोई एतराज नहीं है। माननीय सदस्य ने पिछली सरकार की बात कही। मैं भी कहता हूं कि पिछली सरकार ने अपने चार साल के समय में सारा भट्ठा बैठा दिया और इस बोर्ड ने कोई काम नहीं किया। हमारे विधायकों की जो पब्लिक अकाउंटस कमेटी बनी हुई है उसने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि समाज कल्याण बोर्ड का भट्ठा बैठा हुआ है और उसमें गड़बड़ ही गड़बड़ है। उस बोर्ड को सोच समझ कर ग्रांट देनी चाहिए थी। जो पैसा उस बोर्ड को

दिया गया, न उसका कहीं पर रिकार्ड है और न ही उसकी कोई चौकिंग हुई है। उस बोर्ड की हर तीसरे महीने मीटिंग होनी चाहिए लेकिन साल में एक मीटिंग कर रखी है। तो इस सारे मामले को देखेगे और हमने भारत सरकार को लिखा है कि इसको आप चौक करें। हमने भारत सरकार को यह भी लिखा है कि इस का कन्ट्रोल स्टेट गवर्नमैंट का होना चाहिए। फिलहाल इस पर कन्ट्रोल भारत सरकार कार है। अब मौजूदा चेयरमैन की अवधि 2–3 महीने बाकी है। उसके बाद जब नया चेयरमैन लगेगा तो हम इसकी पूरी जांच करवायेंगे कि जो पैसा दिया गया उसका यूज ठीक हुआ या नही हुआ। जो भी दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ जरूर कार्यवाही करेंगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्दी महोदय से जानना चाहता हूं कि पी० ए ० सी० के जिस पैराग्राफ का जिक्र किया गया है यह कौन से साल का है और उस समय इस बोर्ड का चेयरमैन कौन था?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, इस बोर्ड की चेयरमैन श्रीमती कृष्णा गहलावत हैं।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह चौधरी साहब, मैं यह पूछ रहा हू कि पी० ए० सी० के जिस पैराक्राफ का आप जिकर कर रहे हैं वह कौन से साल का है और उस समय इस बोर्ड का चेयरमैन कौन था या श्रीमती कृष्णा गहलावत ही चेयरमैन थीं।

चौधरी भजन लाल : पी० ए० सी० ने जो ओबर्जेवेशन की है वह श्रीमती कृष्णा गहलावत के वक्त की ही है। इस बोर्ड की चार मीटिंगें हुई। पी० ए० सी० ने इस बोर्ड के काम को बिल्कुल ठीक नहीं पाया और उन्होंने भी कहा है कि इसकी जांच करवाई जानी चाहिए और जिनका कसूर है उनके खिलाफ ऐक्शन लेना चाहिए। इसलिए हमने इसको कोई ग्रान्ट नहीं दी है क्योंकि इस बोर्ड की तरफ से पैसे का ठीक तरीके से इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह मेरी इत्तलाह है कि पी० ए० सी० का यह पैरा जिसका आप जिक्र कर रहे हैं सन 1986–87 का है। मेरा ख्याल है कि मार्च 1987 से पहले इसके बाद पी० ए० सी० की कोई ओब्जर्वेशन इस बारे में नहीं है इस बारे में क्या मुख्य मन्त्री जी स्पष्ट करने का कष्ट करेंगे?

चौधरी भजन लाल आप पी० ए० सी० रिपोर्ट को देख सकते हैं। यह तो पब्लिक डौकुमैंट है। मैं पी० ए० सी० की रिपोर्ट का जिक्र कर रहा हूं वह श्रीमती कृष्णा गहलावत के वक्त से ही संबंधित है। पहले की रिपोर्ट तो मैंने नहीं देखी। मैंने तो इनके समय की पी० ए० सी० की दी गई रिपोर्ट ही देखी है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि इस बोर्ड में घपलेबाजी है। मैं पी० ए० सी० का चेयरमैन हूं। हमने इस डिपार्टमैंट को ऐग्जामिन

किया था। जितनी लापरवाही हमें इस विभाग में मिली उतनी लापरवाही हमें किसी अन्य डिपार्टमैंट में देखने को नही मिली। मुख्य मन्त्री ने इस बोर्ड के बारे में जो कुछ कहा है वह 100 प्रतिशत ठीक कहा है।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि इस बोर्ड को जो तीन करोड़ रुपये सैन्टर और स्टेट का 1963 से 1991 तक दिया गया है वह किसी भी हरिजन की वैल्फेयर पर खर्च नहीं किया गया बल्कि अपने फायदों के लिये इस पैसे का मिसयूज किया गया है। क्या मुख्य मन्त्री जी बतायेगे कि जो जिम्मेवार आफिसर्ज हैं, उनके खिलाफ कोई ऐक्शन होगा?

चौधरी भजन लाल हम इसकी जांच करवायेंगे। अब देखना यह है कि भारत सरकार इसकी जांच करेगी या हम करा सकते हैं। हम इसके लिये भारत सरकार को लिखेंगे। जो भी उचित होगा उसी हिसाब से हम कार्यवाही करेंगे और जिनका भी दोष होगा उनके खिलाफ कानून के मुताबिक ऐक्शन लेंगे।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी अध्यक्ष महोदय, इस बोर्ड की घपलेबाजी मेरे नोटिस में भी है। मुख्य मन्त्री जी ने इस बारे में जो ओब्जर्वेशन की है वह बिल्कुल ठीक की है। मेरे नोटिस में यह बात भी है कि मेरे हल्के बेरी में आर० वी० टी० आई० के नाम से जो संस्थान चल रहे हैं और जिसके 25 सेन्टर हरियाणा में दूसरी जगह चल रहे हैं, उनको भी चेयरमैन सोशल वेल्फेयर ऐडवाइजरी

बोर्ड समाप्त करना चाहती है जबकि उनका काम बहुत बढ़िया है। बोर्ड की चेयरमैन इस आर० वी० टी० आई० के स्थान पर अपने भाई को ऐडवाईजरी बोर्ड की तरफ से मदद दिला कर आर० वी० टी० आई० खुलवाना चाहती है। उन्होंने यानी बोर्ड की चेयरमैन ने आर० वी० टी० आई० बेरी के खिलाफ सेन्टर को झूठी शिकायत भी भेजी है ताकि चेयरमैन के भाई को ये इन्स्टीच्यूशंज खुलवा सकें। क्या मुख्य मन्त्री महोदय इस बात की जांच करवायेंगे?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, वह तो आपकी मार्फत मैंने पहले ही बिश्वास दिलाया है कि सारे मैटर को हम देखेगे, उसकी जांच भी हम करवायेंगे और जांच में जो भी कमी पाई जाएगी उसके खिलाफ अवश्य कार्यवाही करवाएंगे।

श्री अध्यक्ष चीफ मिनिस्टर साहब, एक बात यह भी क्लैरिफाई कर दीजिए कि क्या किसी चेयरमैन ने बहुत से सैन्टर्ज बदल कर अपने ही ऐरियाज में कर लिए क्या ऐसे सैन्टर्ज को वापिस उन्हीं जगह पर भिजवाने की कोशिश करेंगे?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, जैसे कि अभी पी० ए० सी० के चेयरमैन माननीय राजेन्द्र सिंह बिसला जी ने बताया और दूसरे मैम्बर्ज ने भी अपने विचार व्यक्त किये कि इसमें वाकई ही बहुत अनियमितताएं हुई हैं। सारी इररैगुलेरिटी की हम जांच करेगे और जहां सैन्टर होना चाहिए, जहां सैन्टर होना जरुरी है, वहां सैन्टर रखेगे जो सैन्टर गलत जगह से गए है, उनको भी

सही जगह पर लाने के बारे जरूर कोशिश करेंगे।

चौधरी फूल चन्द मुलाना अध्यक्ष महोदय, सोशल वैल्फेयर ऐडवाईजरी बोर्ड सैन्टर्ज के साथ–साथ मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करुंगा कि आज राज्य में ओल्डऐज हाउसिज और खासकर विडोज हाउसिज की बहुत जरुरत है। क्या सोशल वैल्फैयर विभाग द्वारा ऐसे नये हाउसिज खोलने का विचार है?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हाउसिंग का अलग से डिपार्टमैंट है। जहां पर हाउसिंग बोर्ड हाउस बनाता है वहां उनमे विडोज को जरूर प्राथमिकता देने की कोशिश करेंगे।

Bus StandAt Mahendergarh

***223. Prof. Ram Bilas Sharma@ :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether it isA fact that the construction work of Mahendergarh Bus Stand has been stopped;And

(b) if so, the reasons thereof togetherwith the time by whichAforesaid work is likely to be re-started/completed ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलवीर पाल शाह)

(क)जी नहीं।

(ख)अगले विल वर्ष में धनराशि उपलब्ध होने पर निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर सर, क्या मन्त्री जी बताएंगे कि इस समय हरियाणा में कितने नये बस स्टेंड निर्माणाधीन हैं, कितने सैक्शंड हैं और जो सैक्शंड हैं, उन पर कब तक काम शुरु हो जाएगा?

श्री बलबीर पाल शाह : इस समय 12 बस स्टैन्ड निर्माणाधीन हैं। बाकी जो जानकारी सदस्य महोदय चाहते हैं उसके लिए सैपरेट नोटिस दे दें, इनको जवाब दे दिया जाएगा।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह 12 बस स्टैंड के नाम ही बता दीजिए।

श्री बलबीर पाल शाह उकलाना, दादरी, इसराना, गन्नौर, रानियां, समालखा, उचाना, ऐलनाबाद, जुलाना, सतनाली, राजौन्द तथा असन्ध के बस स्टैन्ड इस समय निर्माणाधीन है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय माननीय मन्त्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि अगले वित्त वर्ष में फंड्ज मिलने पर निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने की सम्भावना है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि इस तरह के जो बस स्टैन्ड हैं, उनको किस तरह से ये फंड्ज अलौट करते हैं।

श्री बलबीर पाल शाह : जिस तरह पी ० डब्ल्यू ० डी ० अपना कार्य करता है और जिस तरह प्रोग्रैस होती जाती है, उसके हिसाब से देखते हैं, कि किस बस स्टैन्ड को कितने फैड्ज चाहिएं और बारी बारी बस स्टैन्ड का जो काम हमने अण्डरटेक किया

होता है उसको फंड्ज अलौट कर देते हैं। उसमें वर्कशाप के फंड्ज और रिपेयर के फडज भी होते हैं। क्योंकि साल में हमें करीब डेढ करोड़ रुपये के फंड्ज मिलते हैं जो कि काफी नहीं हैं इसलिये जिस तेजी से काम होना चाहिए कई बार उस तेजी से काम नहीं हो पाता।

चौधरी अजमत खान स्पीकर साहब, मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि बस स्टैन्ड बनाने का क्राइटेरिया क्या है? दूसरे एक साईड के बस स्टैन्ड इन्होंने बता दिए जिन पर काम हो रहा है क्या इनकी निगाह हमारी तरफ भी जाएगी जिस तरफ काम बिल्कुल नहीं हो रहा है जैसे कि फरीदाबाद और गुड़गांव में?

श्री बलबीर पाल शाह स्पीकर सर, ऐसा है कि जहां–जहां बस स्टैड के लिए जमीन ऐक्वायर हुई है, उनकी लिस्ट मैं पढ़ देता हूं। जहां बस स्टैड बनने की मांग उठती है हम परपोजल बनाते हैं और जनता की डिमाण्ड के अनुसार हम बस स्टैड बनाते हैं। अगर ये चाहते हैं कि मैं यह लिस्ट पढ़ मै तो मैं इनको बता देना चाहता हूं कि लगभग 20 जगह पर जमीन ऐक्वायर की जा रही है और इनके नाम इस प्रकार से है :–खरखोदा, सीवन, कलायत, साढौरा, कलावाली, तावडू, पटौदी, पुन्हाना, बाढड़ा, जूई कलां, हेली मण्डी, अटेली, ईस्माईलाबाद, बादली, नागल चौधरी, नाहड, साम्पला, भूना, रोहतक का नया बस स्टैंड तथा करनाल का नया बस स्टैंड।

चौधरी अजमत खां अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि बस स्टैण्ड बनाने का क्राईटेरिया क्या है? तहसील हैडक्वार्टर है, ब्लाक लैवल पर है या सिर्फ सडको को देखते हैं। मेरे हल्के का हमीम कस्बा चारों तरफ से सड्कों से घिरा हुआ है और वहां बस स्टैड के लिए जमीन ऐक्वायर की हुई है। तो क्या मली महोदय, यह बताएंगे कि यह कब तक बन जाएगा?

श्री बलबीर पाल शाह स्पीकर साहब, यह क्राईटेरिया मैंने पहले ही बता दिया है और हम इनकी मांग पर विचार करेंगे।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, मैं मती जी से यह जानना चाह रही हूं कि जो मौजूदा बस स्टैड है, उनको इम्प्रूव कब किया जाएगा? ज्यादातर बसें बाहर खड़ी होकर चली जाती है और यात्री कई–कई घण्टे खड़े रहते हैं। क्या मली जी यह देखेंगे कि जहां भी बस अड्डों में बसें नहीं जाती हैं, वहां की स्थिति में सुधार लाएंगे?

श्री बलबीर पाल शाह अध्यक्ष महोदय, मैं बहिन जी को बताना चाहता हूं कि आपकी बात बिछल ठीक है। बहुत सी बसें बस स्टैंड को टच किए बिना चली जाती हैं। उसके लिए हम सख्त कार्यवाही करेंगे और आग के लिए ध्यान रखेंगे। जहां तक जगह की बात है जब पंजाब से हरियाणा अलग हुआ था तो उस समय दो बस स्टैण्ड ही हमें मिले थे। एक अम्बाला कैन्ट में और दूसरा

गुड़गांव में। लेकिन डस समय 64 बस स्टैंड हरियाणा में हैं और आने वाले सालों में और भी बस स्टैंड बनवाएंगे।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि शहरों में बस स्टैंड बहुत ही कन्जैस्टिड एरिया में आ गए हैं। वहां स्कूलों के बच्चे ऐक्सीडैट में मारे जाते हैं और गांवों से जो बूढ़े, आदमी आते हैं वे मारे जाते हैं। क्या गवर्नमैंट के पास यह मामला विचाराधीन पै कि पुराने बस स्टैंडज को शहर के बाहर ले जाएंगे और इनकी जगह कामर्शियल कम्पलैक्स बना दिए जाएं? इनसे इतना पैसा आ सकता है कि नए बस स्टैंड बनाए जा सकते हैं। ये शहरों से बहुत दूर भी न ले जाएं जिससे औरतों और लडकियों को रात को आने जाने में मुश्किल हो। क्या गवर्नमैंट इस बात पर विचार करेगी?

श्री बलबीर पाल शाह स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य महोदय को बताना चाहूंगा कि करनाल में हम नया बस स्टैंड बनाने जा रहे हैं और उसकी जगह निश्चित कर दी गई है। इसी तरह से रोहतक में भी जमीन ऐक्वायर की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, जहां–जहां नया बस स्टैड बनाने की जरूरत होगी या बस स्टैंड कन्नैस्टिड एरिया में आ रहा है या बस स्टैंड में जगह कम रह गई है तो उन बस स्टैंडज को बाहर ले जाएंगे। लेकिन सब बातों में समय लगता है और, सर, आपको तो सरकारी प्रोसिजर का पता ही है।

Setting-up new sub-station in District Karnal

***227. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for IrrigationAnd Power be pleased to state—

(a) whether there isAny proposal under consideration of the Government to set-up new power sub-stations in District Karnal during the year 1992-93, if so, the number thereof;And

(b) whether there isAlsoAny proposal under consideration of the Government to upgrade the power sub-stations in District Karnal during the periodAs referred to in para (a)Above, if so, the number thereof ?

IrrigationAnd Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala)

(a) Yes, sir, it is planned to set up 5 new sub-stations in District Karnal during 1992-93.

(b) Yes, sir, it isAlso planned to upgrade the capacities of 3 existing Grid Sub-stations during 1992-93.

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो पांच नए उपकेन्द्र खोलने और 3 ग्रिड सब–स्टेशंज को अपग्रेड करने की योजना है उनके क्या–क्या नाम हैं और वे किस जगह पर हैं?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, करनाल में मधुबन में एक 132 के० वी० का सब स्टेशन है जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री जी ने किया था वहां पर हम 20 एम० वी० ए० का एक और ट्रांसफार्मर ऐड कर रहे हैं जो मौके पर पहुंच भी गया है

और आशा है कि अगले दो महीने से पहले ही यह सब स्टेशन चालू हो जाना चाहिये। इसके अलावा असंध में भी एक 132 के० वी० सब स्टेशन है इसमें चार–चार एम० वी० ए० के तीन ट्रांसफार्मर हैं। अब हम इसमें 2० एम० वी० ए० का एक ट्रांसफार्मर और लगाकर इसको बड़ा सब स्टेशन बना रहे हैं। तथा जुडला असन्ध रोड पर कन्ट्रोल रूम बन चुका है और सिविल तथा दूसरे काम कम्पलीट हो चुके हैं और ट्रांसफार्मर भी ऐलोकेट हो गये हैं। ये झांसी से ट्रांसपोर्ट किये जा रहे हैं। इस तरह से यह अगले पैडी सीजन से पहले ही चालू कर देंगे ताकि उस क्षेत्र के लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। तीसरा 33 के० वी० का सब स्टेशन इंडस्ट्रियल एरिया करनाल में है। इसमें भी सिविल वर्क्स बगैरह का काम हो चुका है। यह 33 के० वी० का सब स्टेशन एन० डी० आर० आई० में लगना है इसका टैडर इन प्रोसस है और अगर एन० डी० आर० आई० करनाल हमें जमीन दे देगी तो इस पर काम चालू कर दिया जायेगा। चौथा 33 के० वी० सब स्टेशन डाचर में है जिसके सिविल वर्क्स बगैरह ऐलोकेट कर दिये हैं और उस पर भी जल्दी काम चालू हो जायेगा। इनके अतिरिक्त जो सब स्टेशन इस साल आर्गेनाइज करने हैं उनमें से एक 220 के०वी० का सब स्टेशन करनाल का है। इसमें एडीशनल 50 एम० वी० ए० का ट्रांसफार्मर लगाने का प्रोग्राम है। इसके अलावा 132 के० वी० सब स्टेशन निसिंग में 16 एम० वी० ए० तथा 20 एम० वी० ए० के दो ट्रांसफार्मर्ज लगाने जा रहे हैं। इसके अलावा जो 33 के० वी० सब स्टेशन भादसीं में है उसमें चार और पांच एम०

वी० ए० के ट्रांसफार्मर लगाने जा रहे हैं।

श्री जय सिंह राणा अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से एक बात जानना चाहूंगा। सग्गा में जो 33 के० वी० सब स्टेशन है उसको अपग्रेड करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री हुकम सिंह ने वहां पर उसकी आधार शिला रखी थी। इन्होंने अपने जबाव में उसका कहीं भी जिक्र नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, जो पैडी का एरिया है उसमें बिजली की बहुत दिक्कत है। उसके बारे में भी मली जी ने कुछ नहीं बताया है। तो क्या मती जी इस बारे में कुछ बतायेंगे?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि करनाल जिले में जो काम हो रहा है उसमें सग्गा भी है। इसके अतिरिक्त निसिंग में भी 220 के० वी० का सब स्टेशन बनाने का सरकार का इरादा है। हम इसको 1992–93 में अन्डरटेक कर रहे हैं और इसको दो साल में पूरा कर लिये जाने की आशा है। इसके अलावा एक 132 के० वीं का सब स्टेशन अमीन में अन्डर–कन्स्ट्रक्शन है। यह 1993–94 में पूरा हो जायेगा। इसके अतिरिक्त एक और 132 के० वी० सब स्टेशन मुनक में और एक 132 के० वी० सब स्टेशन सराहा में है। इनके लिए भी सिविल वर्क्स बगैरह ऐलोकेट कर दिये हैं और इनका निर्माण जल्दी कर दिया जायेगा। इसके अलावा 33 के० वी० का एक सब स्टेशन मेरठ रोड करनाल, ओल्ड पावर हाउस करनाल, रामनगर, करनाल और नालीपुर में भी बनाने का एच० एस० ई०

बी० का प्रोग्राम है।

Creation of the posts of Hospital Engineer

***249. ChaudhriAnand Singh Dangi :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether the electrical equipments in the Hospitals/
Dispensaries in the StateAre being maintained byAnyAgency of the Health Department;

(b) if the reply to part (a)Above is in the negative, whether there isAny proposal under consideration of the Govt. to create the posts of Hospital Engineer in Health. Department for theAbove said purpose;And

(c) if so, the time by which the said proposal is likely to be materialized ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी)

(क)हां, केवल सर्वव्यापी प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत।

(ख)व (ग)यह प्रस्ताव विचाराधीन है और अन्तिम निर्णय शीघ्र ही ले लिया जायेगा।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी अध्यक्ष महोदय, हास्पिटल्ज में जितनी भी इलैक्ट्रिकल इक्वीपमैंट्स होती हैं, उनका मानव जीवन के साथ बहुत गहरा सम्बन्ध जुड़ा होता है। उनके ठीक ढंग से रख–रखाव के लिये इन्तजाम नहीं होता है। इसलिये मैं आपके

माध्यम से माननीय मंत्री महोदया को कहना चाहता हूं कि इन इक्वीपमैंट्स का उचित रख–रखाव करने के लिये जितनी जल्दी हो सके किसी न किसी कम्पीटैंट आदमी का होना लाजमी है। क्या इसके लिये सरकार जल्दी ही कोई प्रावधान कर रही है?

बहिन करतार देवी : स्पीकर साहब, यह कहना ठीक नहीं है कि हास्पिटल्ज में बिजली के उपकरण, जिनका मनुष्य के जीवन के साथ गहरा सम्बन्ध होता है, के रखरखाव के लिये कोई इन्तजाम नहीं है। स्पीकर साहब, यूनिवर्सल इम्मयूनाईजेशन प्रोग्राम के तहत हम बच्चों को जो टीके लगाते हैं, उनके लिये कोल्ड चेन बनाई हुई है। इसके लिए फ्रीजर और वाकिंग कूलर्ज आदि तीन–चार तरह के इक्वीपमैंट्स हैं। इनके रख–रखाव के लिये हमारे पास पूरा इन्तजाम है। यह बात सही है कि कुछ दूसरे उपकरण ऐसे हैं जिनके रख–रखाव के लिये हमारे पास एक एजैन्सी की जरूरत है। लेकिन फिलहाल हमारा जो हरियाणा इलैक्ट्रोनिक्स विकास निगम है, वह हमारा ऐप्रूउड सोर्स है। हम उनसे यह ठीक करवाते हैं। छोटी–मोटी रिपेयर के लिये हमने सी० एम० ओ० को आदेश दिये हुए हैं कि वे इन्हें स्थानीय तौर पर ठीक करवा लें। ऐक्स–रे मशीनों को ठीक करवाने के लिये हमारी कोशिश तो यही रहती है कि जिन कम्पनियों से हम उनको खरीदते हैं, उन्हीं के साथ अनुबन्ध किया जाये ताकि वे उन्हें ठीक कर दें। लेकिन कई बार इसमें भी दिक्कत आती है। बाकी बायो–मैडीकल इक् रीपमैंट्स के रख–रखाव के लिये हमने एक

रिपेयर वर्कशाप बनायी हुई है। हमने एक प्रस्ताव वित्त विभाग के पास भेजा भी हुआ है। आपको पता ही है कि फाइनैसिज की कमी की वजह से कई बार दिक्कत आती है। यदि वित्त विभाग ने अनुमोदन किया तो हम यह वर्कशाप चालू करेंगे।

Mr. Speaker : Question hour is over.

जनता पार्टी के सदस्यों के निलम्बन सम्बन्धी' मामला

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कल आप द्वारा यह रूलिंग देने के बावजूद कि सजपा के मैम्बर्ज हाउस और लाबी को छोड़ कर सदन के बाकी भवन के हिस्सों में आ सकते हैं, सजपा के मैम्बरों को अन्दर नहीं आने दिया गया। हमारी पार्टी के कई आनरेबल मैम्बर्ज के सामने उन्होंने अन्दर आने की कोशिश की। आपकी रूलिंग के घंटा या सवा घंटा बाद की बात है लेकिन उनको अन्दर नहीं आने दिया गया। यह बहुत ही सीरियस बात है। स्पीकर की रूलिंग आने के बाद अगर किसी मैम्बर को विधान सभा के भवन के अन्दर दाखिल न होने दिया जाये तो यह एक गम्भीर मामला है। मैं यह समझता हूं कि सरकार स्पीकर को भी कुछ नहीं समझ पी है। वह स्पीकर को भी ओवर–रूल कर रही है। इन हालात में अध्यक्ष महोदय, मैं यह चाहूंगा कि इस सदन के 10–11 या 15 मैम्बरों की एक कमेटी बना दी जाये और उस कमेटी से इन्कवायरी या जांच करायी जाये कि यह कहां तक सही और कहां तक गलत है। अध्यक्ष महोदय, यह जो मैम्बरों को सस्पैडं किया गया है, सजपा के मैम्बरों को जिस ढंग से सस्पैड किया गया है,

वह देखने वाली बात है। उसमें आपने जो चेयर की रूलिंग अनाउन्स की, वह यह अनाउन्स की कि सम्पत सिंह एंड अदर्ज। सम्पत सिंह एंड अदर्ज का मतलब यह है कि आपके सिवाये बग्की पूरा सदन। यह रूलिंग आपकी है। सम्पत सिंह एण्ड अदर्ज में तो सब के सब चले गये। आपने यह तीन–चार बार अनाउस किया है। टेप आपके पास रखा हुआ है। टेप सदन में मंगाकर सुन लिया जाये ताकि यह पता लग जाये कि यह नाम यहां पर प्रोनाउन्स किये गये हैं या नहीं। यह नाम बाद में जोड़े गये हैं जो कि सदन के प्रस्ताव में नही जोडे गये हैं। दूसरी बात यह है अध्यक्ष महोदय, कि सदन में अगर आपकी इजाजत के बाद भी किसी को नही आने दिया जाता तो इसका मतलब यह होता है कि इस सदन को सरकार ने टेक–ओवर कर लिया है। यह बहुत ही गम्भीर मामला है। यह आसानी से छोड़ने वाला मामला नहीं है। इसके लिये आप सदन के मैम्बरों की फौरी तौर पर एक कमेटी बनायें। मेरी आपसे यह प्रार्थना है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर सर, कल आपने रूलिंग तो दी कि सदन और लौबी के इलावा ससपैन्डिड मैम्बर्ज जो है, वे बाकी सभी जगहों पर आ सकते हैं परन्तु एक बात मैंने बार–बार रिपीट की थी और यह कहा भी था कि कुछ लोग वाच एण्ड यार्ड का बिल्ला लगाकर के मुख्य मन्त्री जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे। स्पीकर सर, मुख्य मन्त्री महोदय के लिये कांग्रेस के लोग या दूसरे कोई और बाहर के लोग बाहर नारा लगाएं तो किसी को कोई

आपत्ति नहीं है परन्तु जरार वाच एण्ड बाड स्टाफ जोकि विधान सभा का ऐम्पलाई हो, वह नारा लगाए तो यह बड़ा ही गम्भीर मामला है। इसके लिये मैंने आपसे बड़ी नम्रता से निवेदन किया था कि आप इस बात की जांच करवाएं कि यदि वे लोग विधानसभा के वाच एण्ड बाड स्टाफ से सम्बन्धित थे तो ऐसे लोगों के खिलाफ ऐक्शन होना चाहिये और अगर कोई बाहर के आदमी थे, जो कि इन्होंने यहां पर बुला रखे हैं, जोकि वाच एण्ड बार्ड का बिल्ला लगाये फिरते हैं तो उनको भी नारे लगाने का कोई अधिकार नही। किस ने उनको 'वाच एण्ड बाड' का बिल्ला लगवाया, इस बात की भी थोरो इंक्वायरी होनी चाहिये। यह मेरा निवेदन है। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि सजपा के मैम्बर्ज ने जो यहां किया, उनके एक्शन को भी हमने डिफेन्ड नही किया और आपने जो उनके खिलाफ रूलिंग दी, हम उस पर भी नहीं बोले। जहां तक मैम्बर्ज के राईट्स का सम्बन्ध है आप ही मैम्बर्ज के राईट्स के यहां पर प्रोटैक्टर है। आज ऐसा व्यवहार उनके साथ हुआ, कल को यही व्यवहार हमारे साथ भी हो सकता है। अगले दिन इन लोगों के साथ भी हो सकता है लेकिन यह जो प्रथा यहां पर चल पड़ी है यह बड़ी ही गल्त और असंवैधानिक है। ऐसी प्रथा को रोका जाना चाहिये ताकि आगे ऐसी बात न होने पाए। स्पीकर साहब, जिस जिस बात की मैंने मांग की है, उस बात की जांच होनी चाहिये। इन सभी बातों के लिये हम आपकी औवजर्वेशन/रूलिंग चाहते हैं। यह मेरा आपसे नम्र निवेदन है।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर सर, जैसे कि अभी चौधरी बंसी लाल जी और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने विस्तार से अपने विचार आपके सम्मुख रखे, मैं भी इस बात पर आपका ध्यान दिलाना चाहती हूं कि आपकी रूलिंग के बावजूद माननीय सदस्यों को यहां विधानसभा बिल्डिग के अन्दर आने नहीं दिया गया। यह एक बहुत ही गम्भीर मसला है और हम स्पीकर साहब, इस बारे में आपकी रूलिंग चाहते हैं कि क्यों आपके आदेशों के बावजूद उन मैम्बर्ज को अन्दर नहीं आने दिया गया? आपकी रूलिंग के बावजूद फिर किस के हुक्म से उन मैम्बर्ज को अन्दर रही आने दिया गया? यह हम एम ० एल ० एज ० का पूरा राईट बनता है कि हम हाउस में आएं लेकिन फिर भी आपके हुकम के बावजूद उनको अन्दर आने से रोका गया। तो यह बहुत गम्भीर बात है। मेरा आपसे निवेदन है कि हमें इस बारे में आपकी रूलिंग व आदेश चाहिये। जिन लोगों ने उनको अन्दर आने से रोका, इस बारे में पूरी जांच करवाई जानी चाहिये और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिये।

श्री डामर सिंह स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी, वीरेन्द्र सिंह जी व बहन चन्द्रावती जी ने अपने विचार आपके सामने सबमिट किये हैं। इस बारे में, मैं भी कहना चाहता हूं कि मैं, श्री ओम प्रकाश जी जिन्दल, प्रोफेसर छतर सिंह जी चौहान तीन चार एम ० एल ० एज ० हम बाहर खड़े देख रहे थे और हम कम से कम एक घण्टा तक बाहर खड़े रहे किसी सजपा विधायक

को अन्दर नहीं जाने दिया गया। सभी ससपैन्डिड सजपा विधायक वहां पर थे। हमने उनको कहा कि आपको हाउस व लौबी में जाने के लिये स्पीकर साहब की इजाजत नहीं है लेकिन आप स्पीकर साहब को मित्रने के लिये, सी ० ए ० टी ० ए ० ब्रांच व दूसरी जगह पर जैसे कि लाइब्रेरी बगैरह है, जा सकते हो। उन्होंने कहा कि हम तो केवल स्पीकर साहब से मिलना चाहते हैं परन्तु उन्हें अन्दर ही नहीं जाने दिया। लेकिन हमारे देखते देखते 'वाच एण्ड वार्ड' के आदमियों ने कहा कि धक्के मार मार कर बाहर निकाल देंगे, अंदर नहीं जाने देंगे। यह एक बड़ा ही गम्भीर मामला है। विधानसभा सचिवालय के अन्दर जाना मैम्बर का एक कंस्टीच्यूशनल राईट होता है। वह कहीं भी जा सकता है। अगर उसको हाउस से ससपैन्ड किया हो तो वह हाउस व लाबी में नही जा सकता। स्पीकर साहब, आप इस हाउस के सभी मैम्बर्ज के राईट्स के कस्टोडियन हैं। आपके आदेश होने के बाद किसी की यह मजाल नहीं होनी चाहिये कि वे आपके आदेशों की उल्लंघना करें। अतः मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि इस सारे मामले की जांच करवाएं कि यह सब कुछ किस के आदेश से हुआ है और दोषियों के खिलाफ ऐक्शन लें।

श्री अध्यक्ष अमर सिंह जी जो आप अब बता रहे हैं यह बात आपने कल नहीं बताई।

श्री अमर सिंह स्पीकर साहब, आपके आदेशों की कनफर्मेशन की जरूरत नहीं थी। जब इस हाउस के आनरेबल

स्पीकर साहब ने आदेश जारी कर दिए तो उसकी कनफर्मेशन क्या करनी थी।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर साहब, उनसे क्या करें वफा की उम्मीद जो नहीं जानता कि वफा क्या है? आज चौधरी बंसी लाल और इनके सदस्य उनकी बकालत कर रहे हैं जिन लोगों ने आपके आदेश को नहीं माना। कल भी मैंने यह कहा था कि अगर वे लोग पश्चाताप करना चाहें तो उनको आने देना चाहिए। लेकिन वे लोग जब नीचे खडे थे तो मैंने भी देखा था कि वे खाली अखबार वालों के घेरे में थे। वे उनसे अपनी बात कह रहे थे। प्रेस में व्यान देने के लिए और खाली अपनी पापुलैरिटी लेने के लिए खड़े थे। कल और परसों उनका मैंबर यहौ आया लेकिन उसने उनकी वकालत नहीं की कि उनको अन्दर आने दिया जाए। चीप पापुलैरिटी लेने के लिए चौधरी बंसी लाल और चौधरी वीरेन्द्र सिंह उनकी वकालत कर रहे हैं। श्री सुरजीत कुमार धीमा न स्पीकर साहब, मैं भी आपसे प्रार्थना करूंगा कि उन लोगों को अन्दर आने की इजाजत दी जाए। स्पीकर साहब, कल आपने ही कहा था कि वे हाउस के बाहर तक आ सकते हैं और सी ० ए ० टी ० ए ० ब्रांच में भी आ सकते है लेकिन उनको वहां तक आने के लिए पुलिस वालों ने रोका यह अच्छी बात नहीं है। आपको मैं फिर प्रार्थना करना चाहता हूं कि उन लोगों को अन्दर आने की इजाजत दी जाए।

श्री अध्यक्ष आनरेबल मैम्बर्ज, श्री सुरजीत कुमार ने आज

सुबह मुझे एक बर्खास्त दी है कि मेरी सीट बदल दी जाए क्योंकि वे लोग मेरे साथ जबरदस्ती करते हैं और मेरे कपड़े फाड़ते हैं। मैंने उनकी सीट बदल दी है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य चौधरी बंसी लाल जी ने और चौधरी वीरेन्द्र सिंह तथा दूसरे माननीय सदस्यों ने सजपा के मैंबरों के बारे में चर्चा की कि उनको हाउस में आने से रोका गया। अध्यक्ष महोदय, सदन जो है यह सारा आपके अन्डर है, इसमें सरकार का कोई ताल्लुक नहीं है। चण्डीगढ में भी हरियाणा सरकार की पुलिस नही है बल्कि दूसरी गवर्नमैंट की है। उनके भी मैंबर हैं और हमारे भी मैंबर हैं। किसी भी मैंबर को किसी अधिकारी या कर्मचारी ने नहीं रोका। आपके वाच एंड वार्ड के महानुभावों ने जरूर कुछ किया होगा। उन मैम्बर्ज का रवैया निन्दनीय था और उसकी जितने भी कड़े लफजों में निन्दा की जाए वह थोड़ी है। उनका एक ही मकसद है कि किसी तरह से उनका नाम अखबारों में, रेडियो पर और टी ० वी ० में आ जाए। वे सिर्फ चीप पापुलैरिटी हासिल करने के लिए ड्रामा करते रहे। क्या लोगों ने उनको इसीलिए चुन कर भेजा था? आप जानते हैं कि यह बजट सं शन है इसमें हर मौके पर मैंबर को बोलने की पूरी इजाजत है। गवर्नर ऐड्रैस पर सारे प्यांयटस टच कर सकते हैं और बजट पर भी कह सकते हैं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वे चाहते थे कि उनका नाम किसी तरह से अखबारों में आ जाए। इसी बात को ले कर उन्होंने

यह सारा ड्रामा किया। उनका एक मैंबर परसों अन्दर आया और उसने आते ही वही बात शुरू कर दी। इसका मतलब एक ही है कि विधान सभा में जो सुचारू रूप से कार्यवाही चलेगी उसको नहीं चलने देना। यह उनका एक ही मुद्दा था और यह उनका बाकायदा प्रिप्लांड प्रोग्राम था। मैं चौधरी बंसी लाल जी का और श्री वीरेन्द्र सिंह जी का बहुत आदर करता हूं। (विघ्न)आपकी भी उनके साथ दिल से हमदर्दी नही है। उनका रवैया देख कर आपने भी उनको कंडैम किया था कि उनका रबैया ठीक नहीं है।

श्री बंसी साल : आपकी 'दोस्ती उनफे साथ बहुत अच्छी है।

चौधरी भजन लाल मेरी दोस्ती तो आपके साथ भी है।

श्री बंसी लाल भीतर ही भीतर उनके साथ ज्यादा दोस्ती रखते हो।

चौधरी भजन लाल मैं तो चौधरी साहब आपको भी कहता हूं कि आपके साथ भी मेरी बहुत अच्छी दोस्ती है।

श्री बंसी लाल मेरे से आपकी जो दोस्ती है वह मैं और आप दोनों ही जानते हैं कि कैसी दोस्ती है, मगर उनके साथ आपकी पक्की दोस्ती है।

चौधरी भजन लाल मैं तो कहता हूं कि आपसे मेरी दोस्ती है आप चाहे इस बात को मानें या न मानें। यह आपकी

मर्जी है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि वहां कुछ लोग नारे लगा रहे थे और 'वाच एंड वार्ड' स्टाफ के कर्मचारी भी नारे लगा रहे थे। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आप अपना जमाना भूल गए। आपके जमाने में पुलिस की वर्दी पहन कर लोग नारे लगाते थे। आपकी सरकार में जितने भी पुलिस कर्मी भर्ती किए गए थे वे चौधरी देवी लाल और चौधरी सम्पत सिंह के नारे लगाते थे। आपको यह भी याद होगा कि मेहम में एक पुलिस कर्मी की वर्दी चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के लडके ने पहन ली और वह वहां से पुलिस की वर्दी पहन कर निकल गया। वरना लोग उसको मार देते और जिस पुलिस कर्मी की वर्दी उतरवा कर उसने पहनी थी वह पुलिस कर्मी मारा गया। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आप अपना जमाना भूल जाते हैं। कम से कम आपको अपने वक्त की बात तो याद रखनी चाहिए।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मुख्य मंत्री जी ने जो बात मेहम के बारे में कही है हम उससे डिफर नहीं कर रहे लेकिन उसकी अलग इंक्वायरी हो रही है और इस वक्त वह सब्जैक्ट अंडर डिस्कशन नहीं है। वह मामला सबजुडीस है। इसलिए उस पर डिस्कशन नहीं की जाए। इस समय विधान सभा का मामला अंडर डिस्कशन है इसलिए उसके बारे में ही बोलना चाहिए।

चौधरी भजन लाल चौधरी साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जो रनिंग कोमैटरी की है मैंने तो उसके बारे में इनका

इतिहास बताया है कि इनके जमाने में क्या क्या होता था।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। चौधरी भजन लाल जी अभी इतिहास बता रहे थे। जब कोई ऐसी बात हो जाती है तो चौधरी भजन लाल जी तड़प जाते हैं और यह भूल जाते हैं कि वह इतिहास किसका है। स्पीकर साहब, मैं तो उन लोगों में सें हू जिन्होंने मेहम इशू पर अपना इस्तीफा दिया था। जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि पुलिस की वर्दी पहन कर पुलिस कर्मी चौधरी देवी लाल और सम्पत सिंह जी के नारे लगाते थे मुझे इस बारे में बिल्कुल कुछ नहीं पता कि कौन पुलिस कर्मी उनके नारे लगाते थे। स्पीकर साहब, मैं तो आपको एक बड़ी रीजनेबल बात कह रहा हूं ताकि कल को आपके औफिस पर कोई रिफलैक्शन न आए। उन मैम्बर्ज के साथ जो बात बीती है कल को वह बात इनके साथ भी बीत सकती है। जो आपने परसों रूलिंग दी वह हमने मानी। उनके ऐक्शन को किसी भी मैम्बर ने डिफैड नहीं किया। उस ऐक्शन को न मैंने डिफैंड किया, न चौधरी बंसी लाल जी ने डिफैड किया और न ही श्री राम बिलास शर्मा ने डिफैंड किया। किसी भी मैम्बर ने उसको डिफैंड नहीं किया। स्पीकर साहब आप इस हाउस के सर्वेसर्वा हैं। अगर आप पर कोई आच आएगी तो हम उसको बर्दाश्त नहीं करेंगे क्योंकि आपकी विधान सभा के नाम के बिल्ले लगा कर चौधरी भजन लाल जी की जय बोली जा रही थी यह आपके औफिस पर रिफलैक्शन है जिसको हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। चौधरी भजन

लाल जी आप अपने कार्यकर्ताओं से नारे लगवाएं उसमें हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन अंडर दि गार्ब औफ दि स्पीकर आप नारे नहीं लगवा सकते। अगर आप ऐसा करेंगे तो हमें उससे आपलि होगी। स्पीकर साहब, इस बारे में मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं और आपकी औब्जर्वेशन चाहता हूं।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, किसी पुलिस कर्मी या 'वाच एंड वार्ड' स्टाफ के कर्मचारी ने कोई नारे नहीं लगाए। यह बिल्कुल बेबुनियाद और गलत बात है। हमारे कार्यकर्ता भी बाहर आए हुए थे इसलिए हो सकता है कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भजन लाल के नारे लगाए हों। वह उनको लगाने का पूरा अधिकार है लेकिन 'वाच एंड वार्ड' स्टाफ पर ऐसे, गलत इल्जाम लगाना कोई मुनासिब बात नहीं है। चौधरी बंसी लाल जी ने एक बात कही कि जब उनको सस्पैडं किया गया तो उस मोशन में 'सम्पत सिंह एंड अदर्ज' लिखा हुआ था उनके नाम नहीं लिखे हुए थे। अध्यक्ष महोदय उस मोशन में बाकायदा सभी मैम्बर्ज के नाम लिखे हुए थे।

श्री अध्यक्ष : इस बात का जवाब मैं दे दूंगा कि उस मोशन में उनके नाम लिखे थे या नहीं लिखे थे।

चौधरी भजन लाल हां, इस बारे में आप खुद इनको बता सकते हैं। हमारे पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला ने उस मोशन में बाकायदा उन सभी मैम्बर्ज के

नाम लिखे थे और वे लिखे हुए नाम मैंने खुद देखे थे। उन सभी के नाम लिख कर आपको दिए गए थे। पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर ने जो मोशन मूव की उस समय इन्होंने सम्पत सिंह एंड अदर्ज कहा था इन्होंने सब के नाम नहीं लिए थे लेकिन आपको जो मोशन दी उसमें बाकायदा सभी मैम्बर्ज के नाम लिखे हुए हैं।

श्री अध्यक्ष आनरेबल मैम्बर्ज, अभी चौधरी बंसी लाल जी ने जो बात कही है कि उनको हाउस से सस्पैडं किए जाने के बारे में 'श्री सम्पत सिंह एण्ड अदर्ज कहा है। इस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर ने जो मोशन मूव किया है, उसमें बाकायदा नाम दिए हैं। These names were of those members who were creating disturbance in the House और जो हाउस में मौजूद थे। दूसरी बात, जिन मैम्बर्ज को सस्पैडं किया गया है उनके विधान सभा की बिल्डिंग में आने का जहां तक सवाल है, इस बारे में मैंने कल भी यह कहा था कि lobby is very much part of the House इसके अलावा वे लाईब्रेरी और दूसरी जगह जा सकते हैं और आज भी वे आ सकते हैं। उन्हें अन्दर आने के लिए कोई रुकावट नहीं है। लेकिन अन्दर आ कर वे फिर से नारे लगाने लगें या और कोई डिस्टरबैस करना चाहें तो इसकी उन्हें इजाजत नहीं है। इस बारे में मैं क्लीयर कर दूं कि स्पीकर को यहां तक पावर्ज हैं कि उन्हें यहां विधान सभा की बिल्डिंग के अन्दर आने से ही नहीं बल्कि विधान सभा के प्रिसिंक्टस में, लाईब्रेरी में या दूसरी जगह आफिस में और जहां तक तार लगे हुए हैं वहां तक उन्हें अन्दर आने से मना कर

सकता है।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, कल सजपा के कुछ मैम्बर्ज आपसे चौम्बर में मिलने के लिए आ रहे थे। आपके अटैडैन्ट ने उन्हें अन्दर जाने के लिए आधा दरवाजा भी खोल दिया था लेकिन उसके बाद आपके 'वाच एण्ड वार्ड' स्टाफ ने उन्हें धक्के दे कर बाहर निकाल दिया। यह डिपलोरेबल बात है, यह कोई अच्छी बात नहीं है। आपने एक रूलिंग दी और कल भी दी कि आप उन्हें हाउस की दोनों लौबियो में जिन्हें सदन का आप हिस्सा मानते हैं, रोक सकते हैं। मैं आपसे जानना चाहता हू कि अगर ये लौबियां सदन का हिस्सा हैं तो क्या सदन के हिस्से में सरकारी अधिकारी बैठ सकते हैं? क्या सरकारी अधिकारियों को वहां बैठने का अधिकार है? मेरी दूसरी बात यह है कि आपने यह कहा कि स्पीकर उनको सदन में भी आने से रोक सकता है और सदन की बिल्डिंग के बाहर जहां तक तार लगे हैं रोक सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां पर सी० आई० डी० का कोई भी आदमी खड़ा नजर नहीं आता। मैं कहता हूं कि उस दिन यहां पर चार आदमी खड़े थे पर आज कोई सी० आई० डी० का आदमी नजर नहीं आ रहा। आप उन आदमियों को यहां पर लाओ जो उस दिन थे जिनका मैंने ओब्जैक्शन किया था। हम उनकी शक्ल देख लेंगे कि आया उस दिन वे यहां पर थे या नहीं। आज यहां पर एक भी सी० आई० डी० का आदमी नजर नहीं आ रहा।

चौधरी भजन लाल आज हाउस का काम अमन चैन से

चल रहा है। कोई दिक्कत नहीं है। अगर फिर उसी तरह का माहौल बना तो फिर उस दिन की तरह बजाये 4 आदमी के यहां पर ज्यादा आदमी खड़े नजर आएंगे। मैं फिर कहता हूं कि आप उनको जानते नहीं हैं, वे सी० आई० डी० के आदमी नहीं हैं बल्कि ''वाच एंड वार्ड'' स्टाफ के ही आदमी हैं।

(इस समय अध्यक्ष के सचिव ने अध्यक्ष महोदय को कोई कागज पत्र दिया।)

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, आप कृपया मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्ष आप बोलिये।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, ... उसके बाद मैं बोलूंगा।

श्री अध्यक्ष आप बोलिये, मैं आपकी बात सुन रहा हूं।

श्री बंसी लाल ..... (विघ्न)

चौधरी भजन लाल जब भी अध्यक्ष को किसी डौकुमैंट या असिस्टैस की जरूरत पड़ती है तो वे उसे ले सकते हैं। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी ही बात है तो आप हम सबको निकाल सकते हैं। इस बूट मैजोरिटी के सहारे हम को भी निकाल सकते हैं। फिर हमारे यहां पर बैठने की क्या

बात हे?

चौधरी भजन लाल आप ऐसी बातें करके वाक आउट करने के लिए पहले ही ग्राउड बना रहे हैं। आप वाक आउट करके जाओगे। इसलिए आप ऐसी बातें कह रहे हैं।

श्री बंसी लाल आपकी स्पीच के वक्त मैं यहीं मिलूंगा, चिन्ता न करो।

चौधरी भजन लाल : आप जाने की तैयारी कर रहे हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, क्या आप सभी को निकाल देंगे? ब्रूट मैजोरिटी के सहारे के बहाने अगर आप उसका गलत इस्तेमाल करना चाहते है तो मैं समझता हूं यह कोई अच्छी बात नहीं है। (विघ्न)। स्पीकर साहब, आप हम को इस सदन से बाहर निकाल सकते हैं। मगर विधान सभा के बाहर, तारों के बाहर अगर हम धरना दे कर बैठेंगे तो क्या आप हमें वहां से भी हटा देंगे। हम अगर लैजिस्लेटर होस्टल के सामने धरना दे कर बैठ जाएं तो क्या आप हमें वहां से भी हटा देंगे?

श्री अध्यक्ष : वहां से तो हमने नहीं कहा है।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी सीनियर मोस्ट सदस्य हैं। इसलिये मैं उनसे दरख्वास्त करुंगा कि न तो स्पीकर साहब की हाउस में मैजोरिटी है और न ही ऐसी

कोई बात है। हाउस में मैजोरिटी तो रूलिंग पार्टी की है। दूसरी बात यह है कि स्पीकर साहब अपने पी० ए० या सैक्रेटरी की असिस्टैंस ले सकते हैं। यह कोई आपत्तिजंनक बात नहीं है। सारे स्पीकर लेपै रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, आप आनरेबल मैम्बर्ज के राइट्स के गार्डियन हें और इन हालात में अगर हमारे राईटस की प्रोटैक्शन नहीं करेंगे तो फिर हम कहां जाएंगे? इसका दूसरा मतलब यही होगा कि हम बाहर बैठकर धरना दे दें और बताएं कि हमारे साथ क्या हो, रहा है। मुख्य मन्त्री जी ने डायरैक्टली या इनडायरैक्टली यह बात मन्जूर कर ली है कि आपकी रुलिंग देने के बाद भी अगर उन्होंने रोका तो इसलिए रोका कि भीतर जा कर वे गड़बड़ करेंगे। स्पीकर साहब, ये बड़े अन्तर्यामी हैं जो सब के मन की बात समझ गए। स्पीकर साहब, गुस्ताखी माफ करना। विद डयू रिस्पैक्ट टू दि चेयर, आप ही यह कह देते कि अगर वे अन्दर आ कर कल को गड़बड़ कर देते हैं तो उनको इजाजत नहीं दी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, यह हम लोग भी जानते हें कि अगर कोई गड़बड़ करेगा तो उसको गड़बड़ करने की मन्जूरी नहीं दी जाएगी आप बार–बार उनको या हम को यह जताने की कोशिश क्यों कर रहे हैं?

श्री अध्यक्ष हम आपको तो नहीं कह रहे हैं।

श्री बंसी लाल चाहे उनको भी कह रहे हो, थोड़ी देर में मुझे भी कह दोगे। यह धमकी न तो उनको देनी चाहिए और न ही हम को देनी चाहिए। अगर वे कल जैसा बर्ताव करें तो उनको फिर निकाल देना। जब उन्होंने यह कोशिश की कि हम हाउस की कार्यवाही को नहीं चलने देंगे तो आपके चौम्बर में आपके सामने हमने उनको कहा कि हम इस चीज को सपोर्ट नहीं करेंगे।

श्री अध्यक्ष वह तो हेंने भी कहा है।

श्री बंसी लाल मगर हम आपकी इस बात को भी सपोर्ट नहीं कर सकते कि आप कहें, उनको कहें चौलेजं करें कि अगर उन्होंने अन्दर आ कर ऐसा करने की कोशिश की तो ऐसा नहीं करने देंगे। आपके चौम्बर में हाउस के उन मैम्बरों ने आने की कोशिश की, आपके चौम्बर का आधा दरवाजा खोला गया। जब घसीट कर उनको बाहर ले गए क्या वे उस वक्त आपके दफ्तर में नारेबाजी करने आए थे या आपको यह तसल्ली थी कि वे आ कर नारेबाजी करेगे? अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने यह बात मानी है कि 'बाच एप्ड वार्ड' स्टाफ वालो ने आपके हुक्म के बाद उनको रोका है आप इनकी पांच मिनट पहले की जो स्पीच है उसको पढ़ कर देख लें। मैं समझता हूं कि यह बहुत औब्जैक्शनेबल बात है। इस बात की इन्क्वायरी करने के लिए हाउस की एक कमेटी बनानी चाहिए। उन मैम्बरों के साथ गलत व्यवहार करने के पिछले तीन दिन से मैंने या चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने या अपोजीशन वालों ने जो इल्जाम 'वाच एण्ड वार्ड' स्टाफ पर लगाए हैं वे गलत हैं या

सच्चे इस बात की इन्कवायरी करने के लिये हाउस की एक कमेटी बनाई जाए। कल आपने फरमाया था कि गवर्नमैंट की रिपोर्ट लेंगे। गवर्नमैंट ही तो ज्यादती कर रही है और गवर्नमैंट की ही आप रिपोर्ट लेगे यानि कि आप मुलजिम से यह कह रहे हैं कि फैसला भी तुम ही दे दो।

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, कब तक ये बोलेंगे? आप इनको बोलने से रोकें। मेहरबानी करके हाउस के टाईम का भी थोड़ा ध्यान रखें।

श्री रामपाल सिंह कंवर स्पीकर सर, पिछले 2 दिन से इस बात पर चर्चा चल रही है कि इस हाउस में मैम्बर्ज के ये राईट्स हैं। लेकिन दोनों ही बड़े सीनियर मैम्बर्ज रहे हैं और इनमें से एक गवर्नमैंट के हैड भी रह चुके हैं लेकिन इन्होंने इस बात की चर्चा करने की कतई जरुरत महसूस नहीं कि कि हम जो मैम्बर्ज पब्लिक द्वारा चुन कर आते हैं हमारी कुछ डयूटीज भी होती हैं। हम यह जानते हैं कि इस आगस्ट हाउस में आने के पश्चात स्पीकर साहब को जब हम सब से बडा मानते हैं तो उनके आदेश की भी पालना करनी चाहिए। उनके आदेश की भी यदि हम पालना नहीं करते तो क्या यह जो हमारी रुल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कडंक्ट आफ बिजनैस के तहत हमारी डयूटीज हैं कि हम हाउस की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने दें, उसको निभाते हैं। इन सब बातों का इन दोनों मैम्बर्ज ने कोई जिक्र नहीं किया कि हमारी कुछ डयूटीज भी हैं इस हाउस की तरफ भी और पब्लिक

की तरफ भी। जिस पब्लिक ने हमें चुन कर भेजा है उसका भी हमें ध्यान रखना चाहिए। स्पीकर सर, मैं इन दोनों से प्रार्थना करुंगा कि जहां ये मैम्बर्ज के राईट की बात कहते है वही डयूटीज की भी बात करें। वीरेन्द्र सिंह जी बार–बार हमें कह रहे हैं कि आज आप रुलिग बैचिंज पर बैठे हैं लेकिन कल को अपोजीशन में भी आ सकते हैं और आपके साथ भी ऐसा हो सकता है आपके राईटस का भी हनन हो सकता है। स्पीकर साहब, मैं इनको यह बात कह देना चाहता हूं कि इस और बैठे हुए मैम्बर्ज को अच्छी तरह से मालूम है और जानते हैं कि अगर ऐज मैम्बर्ज हमारे कुछ राईटस हैं तो हमारी कुछ डयूटीज भी हैं पब्लिक की ओर भी और इस हाउस में आने के बाद इस हाउस के स्पीकर का आदेश मानने की भी हमारी डयूटी है। सदन की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने देना भी हमारी डयूटीज में आता है। तो उन मैम्बरों से कहूंगा कि जो मैम्बर्ज यहां अपनी डयूटीज को नही समझते है उनको यह भी समझने का प्रयास करना चाहिए किं उनकी हाउस की तरफ भी कुछ डयूटीज हैं। इन सब बातों के साथ मैं आशा करुंगा कि वे मैम्बर राईटस के साथ डयूटीज की भी बात करेंगे। (शोर)एव व्यवधान)

11.00 बजे

श्रीमती चन्द्रावती अध्यक्ष महोदय, आपने फरमाया था कि लौबी हाउस का एक पार्ट है जब लौबी में एक्स एम० एल० एज० भी आ जाते हैं तो लौबी हाउस का पार्ट कैसे हो सकता है?

इसलिये उनको यह हक है और उनको यहां आने देना चाहिए। लौबी को हाउस का हिस्सा बनाना अच्छा नहीं होगा।

श्री अध्यक्ष ऐसा है चन्द्रावती जी, उन्हें जो कि सस्पैन्ड किए हुए हैं, हम लौबी में आने से इसलिए रोकते हैं क्योंकि अपोजीशन वालों की जो लौबी है उसका रास्ता तो हाउस में से होकर जाता है।

जन–स्वास्थ्य मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा)अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां दो लौबिया हैं एक पक्ष की है और दूसरी विपक्ष की है। यदि आप उन्हें लौबी में आने के लिये अलाऊ करेंगे तो वे यहां भी आ सकते हैं और वे यहां डिस्टरबैस क्रिएट कर सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : नेहरा जी इसलिये तो उन्हें रोक दिया गया है। आप कृपया बैठिए।

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग

जनता पार्टी के निलम्बित सदस्यों को विधान सभा भवन में आने से रोकने आदि सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon. members,As I said yesterday, I haveAscertained the position in the matterAnd found that no Member of my WatchAnd Ward staff either prevented the suspended Members of Janata Party from entering into theAssembly building or raisedAny slogan. I haveAlso found that the said Members raised slogans in the precincts of the

Haryana Vidhan Sabha. I may point out thatA Member cannot resort to raising slogans, hunger strike, demonstration, dharna etc., in the precincts of theAssembly buildingAnd such conduct ofA Member is unbecomingAndAgainst the Parliamentary conventionAnd etiquettes.

Hon'ble Members, IAm underAn obligation to maintain order in theAssembly buildingAnd I hope thatAll the Hon'ble Members will renderAssistance to me in the discharge of my duties in this regard so that the Legislature can function inAn orderly manner.

वाक आउट

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, हमारी एक बात आप की रुलिंग में नहीं आई है। हमारी मांग यह है कि उन मैम्बरों के साथ ज्यादती की गई है या नही की गई है, इसके साथ ही क्या उन्होंने बाहर गडबडी की है इसकी जांच के लिये सदन के मैम्बरों की एक कमेटी बनाई जाए। इसके बारे में हम आपकी रूलिंग चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष कमेटी बनाने की कोई जरूरत नहीं है।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, कमेटी बनाने की जरूरत नहीं है, यह कहकर के आप हमारी मांग मन्जूर नहीं कर रहे हैं। इसलिये हम इस रूलिंग के विरोध में सदन से वाकआउट करते हैं।

(इस समय श्री बंसी लाल हरियाणा विकास पार्टी के

उपस्थित सदस्यों सहित, श्रीमती चन्द्रावती और श्री वीरेन्द्र सिंह, जनता पार्टी के सदस्य, और श्री सुरजीत कुमार धीमान बहुजन समाज पार्टी के सदस्य, सदन से वाक आउट कर गए)

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

हरियाणा बिजली बोर्ड के दो कर्मचारियों की मृत्यु सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have receivedA notioe of. callingAttention motion No. 9 from Sathi Lehri Singh, M.L.A regarding the unfortunate death of two employees of the Haryana State Electricity Board by falling into the Western Yamuna Canal due to sudden collapse ofA bridge thereon, IAdmit it. He may read his motion.

(The motion was not read out by Shri Lehri SinghAs he was not present in the House).

घोषणा–

सचिव द्वारा राष्ट्रपति द्वारा अनुमति दिए गए बिल सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now, the Secretary will makeAnAnnounoement.

सचिव अध्यक्ष महोदय, मैं उस विधेयक को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च सव, 1991 में पारित किया था तथा जिस पर राष्ट्र–पति महोदय ने अनुमति दे दी है, प्रस्तुत करता हूं :

विवरण

हरियाणा सार्वजनिक वक्फ (परिसीमा विस्तारण)विधेयक, 1991

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker : Now,A Minister will lay the papers on the Table of the House.

IrrigationAnd Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Table :

The 17thAnnual Report for the year 1990-91 of the Haryana Seeds Development Corporation LimitedAs required under

Section 619(A)(3) of the CompaniesAct, 1956.

The 24thAnnual Report&Accounts of HaryanaAgro-Industries Corporation Limited for the year 1990-91As required under Section 619(A)(3) of the CompaniesAct, 1956.

कार्य की मदों में परिवर्तन

Mr. Speaker : Hon'ble Members,As you know that the Supplementary Estimates (Second Instalment) 1991-92 haveAlready beenApproved by the Committee on Estimates. Therefore, if the HouseAgrees the Item No. 4 regarding Supplementary Estimates (Second Instalment) 1991-92 may be taken up firstAnd Item No. 3 regarding resumption of discussion on Governor'sAddressAnd voting on motion of Thanks may be taken up thereafter to faclitate uninterrupted discussion on Governor'sAddress.

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : These items will be taken upAccordingly.

वर्ष 1991–92 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स पर चर्चा तथा मतदान

(1)राज्य के राजस्व पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा।

(2)अनुपूरक अनुमानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the discussionAnd voting on the Supplementary Estimates (Second Instalment) 1991-92 will take place.

According to the previous practiceAnd to save the time of the House, the demands on the order paper will be deemed to have been readAnd moved togetherAndA general discussion on the Supplementary Demands permitted. The Hon'ble MembersAre

requested to indicate the demand number on which they wish to raise discussion.

ThatA Supplementary sum not exceeding Rs. 11,24,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 1—Vidhan Sabha.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 2,63,59,000 for revenue expenditure be granted to the

Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st Maroh, 1992 in respect of Demand No. 2—GeneralAdministration.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,60,57,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 3—Home.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 1,62,40,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 4—Revenue.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 78,36,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 5—ExciseAnd Taxation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 2,62,93,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 6—Finance.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 11,70,42,000 for revenue expenditureAnd Rs. 5,78,30,487 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1992 in respect of Demand No. 8—

BuildingsAnd Roads.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 22,81,76,480 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 9—Education.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 87,51,600 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 10—MedicalAnd Public Health.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 89,42,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 14—FoodAnd Supplies.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,28,62,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 15—Irrigation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,25,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 16—Industries.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs.

5,04,90,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 17—Agriculture.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 1,29,88,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 20—Forest.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 37,95,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 21—Community Development.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 33,85,41,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 22—Co-operation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 4,17,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 23—Transport.

(No member rose to speak).

Mr. Speaker : Now, I put the various demands to the vote of the House.

Question is—

ThatA Supplementary sum not exceeding Rs. 11,24,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 1—Vidhan Sabha.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 2,63,59,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 2—GeneralAdministration.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,60,57,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 3—Home.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 1,62,40,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 4—Revenue.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 78,36,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 5—ExciseAnd Taxation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs.

2,62,93,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 6—Finance.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is —

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 11,70,42,000 for revenue expenditureAnd Rs, 5,78,30,487 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 8—BuildingsAnd Roads.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 22,81,76,480 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 9—Education.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 87,51,600 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in resepect of Demand No. 10—MedicalAnd Public Health.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is--

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 89,42,600 for revenue expenditure be granted to the Governor

to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992, in respect of Demand No. 14—FoodAnd Supplies.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,26,62,000 for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respeot of Demand No. 15—Irrigation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 12,25,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 15 —Industries.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 5,04,90,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 17—Agriculture.

The motion was carried. Mr. Speaker : Question is—

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 1,29,88,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 20—Forest.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 37,95,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 21—Community Development.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 33,85,41,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 22—Co-operation.

ThatA supplementary sum not exceeding Rs. 4,17.00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. 23—Transport.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Hon'ble members, now discussion on Governor'sAddress will take place

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, हमें सप्लीमेंटरी ऐस्टिमेटस की डिमांड पर बोलना है। यह हमारा राइट है। अगर एक चीज के लिये हम हाउस से बाहर चले गये तो क्या आपने हमारी पूरे हाउस से छूट्टी कर दी तथा हम और कुछ कह ही नहीं सकते? हमारी आपसे प्रार्थना है कि हमें डिमांडज पर बोलना है। अध्यक्ष महोदय, बात यह है कि हाउस का एक प्रोसीजर होता है और अगर आप ही उस प्रोसीजर को बॉयलेट करोगे तो उसकी रक्षा कौन करेगा?

श्री अध्यक्ष चौधरी साहब, आप जानते हैं कि हाउस की

लगातार कार्यवाही चलती है और क्य एज कार्यवाही खत्म हो जाती है उसके तुरुन्त बाद दूसरी कार्यवाही भूक हो जाती है।

श्री बसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हम कार्यवाही रोकने नहीं आये हैं बल्कि हम कार्यवाही में पार्टिसिपेट करने आये हैं। हमको कार्यवाही में पार्टिसिपेट करने की इजाजत दी जाये। यही हमारी मांग है कि हमें डिमांडज पर कोसना है।

श्री अध्यक्ष ऐसा है कि जो चीज पास हो चुकी है उसको अब दोबारा टेक अप नहीं किया जा सकता। इसके लिये हम आपको ऐप्रोप्रिएशन बिल पर रोलने का टाईम देंगे और अगर हाउस का टाईम बढ़ाने की जरूरत पड़ी तो हम टाइम भी बढ़ायेंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, उस समय सी० एम ० साहब कह देगे कि पजांब के जत्थेदार आ गये इसलिये अब छोडो और घर जाओ। तो फिर हम कहां जायेगें?

श्री अध्यक्ष : हम आपको बोलने का पूरा टाइम देंगे। हमने कल भी आपको बोलने का पूरा समय दिया है।

श्री बंसी लाल ठीक है, आपको हमारा पूरा टाइम देना पड़ेगा क्योंकि हमें इन डिमांडज के ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बोलना है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर सर, आपके आफिस की

तरफ से जो ऐजैन्डा बांटा गया है उसके मुताबिक क्वैश्चन आवर के बाद कार्पोरेशन्ज की रिपोर्टस ले डाउन की जानी थी और उसके पश्चात रिजमप्शन औफ डिसकशन आन गवर्नर्ज ऐड्रैस थी लेकिन इन सब चीजों को छोड्कर इन्होंने सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेटस को पास करवा लिया।

Mr. Speaker : It was done with the sense of the House.

जन–स्वास्पय मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह आप प्रवोक मत होइये। आप पहले मेरी बात तो पूरी सुनिये।

चौधरी जगदीश नेहरा आपकी बात तो मेरी समझ में आ गयी।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : क्या आपने स्पीकर साहब से बोलने के लिए परमीशन ले ली है? (शोर)

श्री अध्यक्ष नेहरा जी आप बैठिए।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश यह है कि ऐजेन्डे के हिसाब से डिस्कशन इस तरह से शुरू होनी चाहिए थी कि पहले गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कशन होती और फिर सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर। हम वाक–आउट करके बाहर चले गये।

इन्होंने वह डिस्कशन बीच में ही छोड़ कर सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पेश कर दिये और उनको पास करवा गये। मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहूंगा कि, ऐजैन्डे को डैविएट किस आधार पर किया गया व क्यों किया गया? क्या हम यह समझें कि यह इसलिये किया गया कि सरकार यह नहीं चाहती कि सप्लीमैंट्री ऐस्टिमेटस पर डिस्कशन हो? (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : ऐसी बात नहीं है।

चौधरी जगदीश नेहरा आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब माननीय सदस्य श्री वीरेन्द्र सिंह जी की यह बात दुरस्त है कि ऐजेन्डा के हिसाब से पहले मिनिस्टर ने कागज पेश करने थे, यह सुरजेवाला साहब ने कर दिये। इसके बाद रिजग्पशन आफ डिस्कशन औन गवर्नर ऐड्रैस थी और उसके बाद डिमांडज थी। आपने सदन से यह पूछा कि क्या हाउस में ये मांगें पहले ले ली जायें और गवर्नर साहब के अभिभाषण पर डिस्कशन बाद में कर ली जाये। यह विद दी कन्सैन्ट आफ दी हाउस हुआ है। इस बात का शायद इनको पता नहीं है 1 यह तो वाक–आउट करके चले गये। (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष वह मैं जवाब दे दूंगा।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, जैसे वीरेन्द्र सिंह जी ने बताया कि बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा नहीं था। मैं कमेटी मीटिंग में मौजूद था। बिजनैस ऐडवाइजरी

कमेटी ने आज का बिजनैस यह तय किया था कि कार्पोरेशन्ज की रिपोर्टस पेश करने के बाद गवर्नर के ऐड्रैस पर फरदर डिस्कशन रिज्यूम होगी। यही ऐजेन्डा कल आपने हमारे पास भेजा था। उसके बाद डिमांडज थी। अगर इस तरह से चेयर करने लगेगी कि हम अगर 5 मिनट के लिये बाहर चले गये, बाद में आपने फट्ट से हाउस की सैसं ले ली, ऐसे कैसे चलेगा। या तो आप ऐजेन्डा में भी लिख देते कि ऐसा भी कोई रैजोल्यूशन आयेगा, तब तो बात ठीक थी। इससे हमें इस बात का एक और खतरा पैदा हो गया है कि अगर हम किसी वक्त 5–10 मिनट के लिये वाक–आउट करके बाहर चले गये तो आप पूरा बजट पास करके घर चले जाओगे। फिर हम कहां जायेगे? इससे इस बात की बहुत बड़ी शंका पैदा होती है। इसमें बुरा मानने की कोई बात नही है। मैं इस बात को वायलेशन आफ दी रुल्ज, वायलेशन आफ दी लाज एंड वायलेशन आफ आल दी पार्लियामैंटरी कन्वैशन्ज इन दी वर्ल्ड मानता हूं। इनको वायलेट किया गया है। अपोजीशन वाक–आउट कर गई और पीछे से यह मौके की तलाश में रहे कि अगर ऐसा हो तो हम पीछे से ऐसा कर लें। अगर इसी तरह से आप करेंगे तो दो मिनट में बजट पार जायेगा। फिर हमारी क्या जरूरत है? पहली बात तो यह हे कि अभी मुख्य मन्त्री महोदय ने यह कहा कि यह बजट सैशन है। क्या यह बजट सैशन है? क्या इसका नाम बजट सैशन है जिस तरह से अब आपने डिमांडज पास करायी हैं? क्या इसी को बजट सैशन कहते हैं? अगर इसी का नाम बजट सैशन है तो फिर खुदा ही जाने क्या होगा? पिछले 5 साल की असैम्बलियों का

टाईम आप देख लें। किसी वक्त में भी इतनी कम मीटिंग्ज हुई हों। इससे पहले साल में 16 थीं, उससे पहले 14 थीं। कम से कम पिछले 5 साल में जितनी सिंटिंग्ज हुई हैं, उतनी सिटिंग्ज तो कर लो। आप इस तरह से रोलर चला रहे हैं, इस तरह से करने से तो बेहतर यही होगा कि आप हमसे कह दो कि आप खड़े होकर चले जाओ। हमने तो सारा काम कर लिया है। तो अध्यक्ष महोदय, इस बात को किसी कीमत पर भी हम ऐक्सैप्ट नहीं करते। कम से कम आपकी तरफ से ऐसा होना बहुत ही अफसोसजनक बात है। आपकी तरफ से इस किस्म का सुझाव आना, आपकी तरफ से इस किस्म का मोशन आना कम से कम मेरी समझ से बाहर की चीज है। हम आपसे यह उम्मीद नहीं रख सकते कि आप जैसे संजीदा आदमी ऐसा करेंगे। हम आपसे यह उम्मीद नहीं रख सकते कि आप ऐसे ही सरकार वालों के कहने पर ऐसा कर देंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, यह तो इस तरह से चेयर को बाकायदा थ्रैटन किया जा रहा है। यह थ्रैट भी है और साथ ही चेयर की तौहीन भी है। दोनों बातें अभी चौधरी बंसी लाल जी ने की हैं। बंसी लाल जी बहुत ही पुराने मैम्बर हैं। यह जो आपने बहुत भारी गल्ती कर दी, हम इसको बर्दाशत कैसे करेंगे, ऐसा इन्होंने कहा है, यह ठीक बात नहीं है। आपने तो मौका देख लिया। पीछे से एक मिनट में सब कुछ कर दिया। आप तो बहुत पुराने मैम्बर हैं। हाउस का सारा दिन का एक दिन का प्रोग्राम या ऐजेन्डा छपता है। उस ऐजेन्डे में

आईटमवाईज सब कुछ दिया होता है। क्या वे आपकी इंतजार मेँ रहें कि आप वाक–आउट करके गये हो, आप वापिस आओ तो हम हाउस की कार्यवाही चलायें और तब तक आपकी वेट करते रहें। क्या कहीं ऐसा होता है? किसी कायदे में कहीं ऐसा लिखा हुआ है? फिर ये कहते हैं कि क्या यह बजट सैशन है? (व्यवधान व शोर)एक मिनट आप मुझे अपनी बात तो पूरी कर लेने दे। (व्यवधान व शोर)

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है मैं मुख्य मन्त्री महोदय की इस बात से सहमत हू कि ऐजेन्डे के मुताबिक कार्यवाही चलनी चाहिये। अगर ऐजेन्डे के मुताबिक आप कार्यवाही चलाते हो तो हम इसके लिये बिल्कुल तैयार हैं। चेयर की बेइज्जती या चेयर के खिलाफ कोई असंवैधानिक बात कहंने का सवाल ही पैदा नहीं होता। न कभी मेरे से मेरे जीवन में ऐसी बात हुई है है और न कभी होगी।nd moreover for the gentleman who is occupying the Chair. तो स्पीकर साहब, अगर यहां हाउस की कार्यवाही ऐजेन्डे के मुताबिक चले तो हमे कोई एतराज नहीं है। ऐजेन्डे में बाद में किसी तरह की चेन्ज नहीं होनी चाहिये।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, हाउस सुप्रीम है। हाउस अगर चेन्ज करना चाहे तो किसी प्रकार की चेन्ज भी हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, साथ में बंसीलाल जी ने यह भी कह दिया कि यह कोई बजट सैशन है? बजट सैशन ऐसा होता है? क्या इस को बजट सैशन कहते हैं? मैं इनको बताना चाहता हूं कि

जब ये मुख्यमन्त्री हुआ करते थे तो उस वक्त तीन दिनों में इस हाउस का सारा काम काज निपटा कर के घर बैठ जाते थे। बंसी लाल जी यह रिकार्ड की बात है। मैं आपको रिकार्ड दिखा सकता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, जब आप डिमांड नम्बर 10 को पास करवा रहे थे तब मैं प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ी हुई थी पर आपने अनसुनी करके मुझे इग्नोर कर दिया। मेरी बात आपने सुनी नहीं और डिमांड नम्बर 10 पास करवा डाली। मैं आपको अपनी बात कहना चाह रही थी लेकिन मेरी बात सुनी नहीं गई। बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी ने जो ऐजेन्डा पास किया था, यहां हाउस उसी के मुताबिक चलना चाहिये आप इन डिमांड को टेबल औफ दी हाउस पर रख सकते थे लेकिन पास नहीं करवा सकते थे। इस तरह से मेरे विचार में जो जल्द बाजी की गई है डिमांड पास करवाने में, वह ठीक नहीं है। बस मैं इतना ही कहना चाहती थी।

श्री अध्यक्ष चन्द्रावती जी, बोलने का समय तो उससे पहले था। उस समय नहीं था। The order of business was varied with the decision of the House.

श्रीमती चन्द्रावती दूसरी बात यह है कि मेरा एक प्रस्ताव कैपीटल के बारे में भी था उसको भी आपने डिस–अलाउ कर दिया।

श्री अध्यक्ष बहिन जी, अब यह जीरो आवर नहीं है। आप कृपया बैठिए।

श्रीमती चन्द्रावती सर, हमारे पास कोई टाईप वगैरह की सुविधा तो है नहीं जोकि हम आपको टाईप करवाके दे देते। वह बड़ा जरुरी प्रस्ताव था। वह भी आपने डिस अलाऊ कर दिया। मेरी. आपसे प्रार्थना है कि आपको वह अलाऊ करना चाहिए था। एक बिल भी मैंने दिया था। उसकी तीन चार कापियां होनी चाहिये थीं, वह मैंने कम दीं, उसमें कोई टैकनीकल गल्ती रह गई होगी जिस कारण से आपने वह भी डिस–अलाउ कर दिया। फिर मैंने कहा कि चलो रेजोल्यूशन आ चुका है। वह भी आपने डिस–अलाऊ कर दिया। वह रेजोल्यूशन चण्डीगढ़ के ऊपर था कि हरियाणा के पास अपनी कोई राजधानी नहीं है। (शोर)

श्री अध्यक्ष बहिन जी, इतना लैक्चर करने की आवश्यकता नहीं है। हमने उसका जवाब आपको लिखित रूप में दे दिया है। आपने उसमें लिखा कि हरियाणा की अपनी राजधानी नहीं है। हरियाणा की बाकायदा अपनी राजधानी चण्डीगढ़

श्रीमती चन्द्रावती सर, यह तो यू० टी० है। यू० टी० में बैठे हम तो किरायेदार हैं।

श्री अध्यक्ष आपने जो रेजोल्यूशन भेजा था उसमें कुछ डिफैक्ट था। तीन चार उसमें गलतियां थीं और अन–कास्टीचयूशनल भी था। इसलिये हमने वह रिजेक्ट कर दिया।

श्रीमती चन्द्रावती उस पर आप सर दोबारा विचार कर सकते हैं।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, यह बड़ा अहम मसला है। मैडम ने यह लिखकर दिया है कि हरियाणा की अपनी कोई राजधानी नहीं है। यह बहुत बड़ा केस है, जोकि हमारी सरकार केन्द्र सरकार से लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी लड़ रही है। इनका इस बारे में इतना कहना कि हरियाणा की कोई राजधानी नहीं है, हमारी सारी कोशिश। के लिये सैट बैक शै। बहिन जी स्वयं अपोजीशन की लीडर रही हैं और फिर ये कहें कि हरियाणा की अपनी कोई राजधानी नहीं है, बड़े दुख की बात है। इनके ऐसा बार बार कहने से हमारा केस कमजोर हो सकता है। हमारे जो चार पांच प्वायंट जैसा कि चण्डीगढ़ अबोहर फाजिल्का एस० वाई० एल० का पानी और चण्डीगढ़ के बदले में केन्द्र–सरकार द्वारा वित्तीय सहायता वगैरह मांगों पर इनके कहने का असर पड़ेगा। बहिन जी इतने समय तक विपक्ष की नेता रही हैं, सीनियर मैम्बर हैं। अगर इन्होंने इस तरह की बातें करनी शुरू कर दीं या लिख कर देती रहीं तो हमारी सरकार व हमारे हरियाणावासियों के लिये घातक बात होगी।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, आपको ठीक बताया ही नहीं गया। मैं तो अब भी कहती हूं कि हरियाणा की कोई राजधानी नहीं है, हम तो यहां पर किराएदार हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठिए, we will now take up the next item.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble members, now the discussion on the Governor'sAddress will be resumed Shri Lehri Singh was on his legs on 11th March, 1992, when the HouseAdjourned. He may please resume his speech.

श्री बसी लाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या आयंदा भी इस विधान सभा में कोई बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की आवश्यकता है?

श्री अध्यक्ष आपने बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की बात कही है। यह जो चेंज की गई है यह पहली बार नहीं की गई, पहले भी कई बार की जा चुकी to keep the sancitity of the Governor'sAddress. यह हाउस की सैसं से ही किया गया है कि पहले सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर डिस्कशन कर लें और उसके बाद गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, इसको बाकायदा लिस्ट आफ बिजनैस में लाया जाता है। यह बहुत गम्भीर मामला है।

श्री अध्यक्ष इसके लिए सैसं आफ दि हाउस ली जा चुकी है। चौधरी लहरी सिंह जी आप बोलें।

साथी लहरी सिंह (रादौर अनुसूचित जाति)स्पीकर

साहब, मैं सब से पहले इरीगेशन के बारे में कहना चाहता हूं

श्री अमर सिह स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आपने 1991–92 की करोड़ों रुपए की डिमांडज को पास करवा लिया

श्री अध्यक्ष आप बैठिए, वह स्टेज अब निकल चुकी है।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, इरीगेशन डिपार्टमैंट में इस सरकार के आने के बाद इतने घपले आज तक हुए हैं जोकि पहले कमी नहीं हुए थे। मैं आपको बताना चाहता हूं कि यहां तीन चार सौ अधिकारी सस्पैन्ड हैं और जिस दिन से यह सरकार बनी है आज तक उनके बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है। सारा काम रुका हुआ है। जैसे यमुना नदी पर ठोकरें लगनी हैं जिनके न लगने की वजह से हमारी जमीन यमुना में बही जा रही है। आज सारे काम ठप्प हुए पड़े हैं। यमुना में बांध और स्पर्ज लगाने के लिए ड्रैरेज विभाग कोई काम नहीं कर रहा है। सारा काम ससेंड पड़ा है और सरकार 9 महीनों से हाथ पर हाथ रख कर बैठी है। स्पीकर साहब, मेरा हन्का और इन्दरी का हल्का जो जानकी जी का है ये यमुना से जुड़े हुए हैं और उग्र कुरूक्षेत्र जुड़ा हुआ है। लाडवा से दो बिजली कर्मचारी डियूटी से आए। जब वे दोनों कर्मचारी डब्ल्यू ० जे ० सी ० के पुल से गुजर रहे थे तो वह पुल अचानक टूट गया और वे दोनों उस कैनाल में गिर गए और डूब गए तथा उनकी मौत हो गई। वहां पर 24 घंटे आदमी ड्यूटी पर

रहते हैं उनको भी पता नहीं लगा। उसके बाद हमने उनका पता करने की कोशिश की कि जो दो आदमी उस पुल से गुजर रहे थे वे किधर गए। मालूम हुआ कि वे दोनों पुल टूटने से कैनाल में गिर कर मर गए। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)उपाध्यक्ष महोदय बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि लगातार 36 घंटे तक वहां इस सरकार के किसी अधिकारी का नामोनिशान नहीं था। न ही किसी अधिकारी ने इस बारे में कोई पता लगाने की कोशिश. की। अगर किसी के घर में कोई मौत हो जाती है तो लोग उसके घर तक जाते हैं लेकिन उपाध्यक्ष महोदय यह बडे शर्म की बात है और हमारे समाज के प्रति यह बड़ी तोहीन की बात है कि दो आदमी वहां डूब कर मर गए और 36 घंटे तक इस सरकार का कोई भी अधिकारी वहां न पहुंचे। मैंने इस मामले के बारे में डी ० सी० करनाल और डी ० सी ० यमुनानगर से भी बात की वहां नहर पर लगभग दो तीन हजार आदमी बैठे रहे और लगभग 200—300 बिजली बोर्ड के कर्मचारी वहां पर बैठे रहे कि किसी तरह से हरिराम और जियालाल कीं लाशों को निकालें। करनाल की पुलिस वहां बैठी रही। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस सरकार के अधिकारी को नहर का पानी बन्द करवाने के बारे में कहते रहे लेकिन उन्होंने पानी बन्द नहीं किया। डी० सी० करनाल और डी० सी० पानीपत को वायरलैस पर बार बार नहर का पानी बन्द करवाने के लिये कहा गया। लेकिन नहर का पानी बन्द नही किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, बड़े अफसोस की बात है कि इस सरकार के अधिकारियों को वायरलैस पर नहर का पानी

बन्द करवाने के लिये बार बार निवेदन करने पर भी नहर का पानी बन्द नहीं किया गया। फिर 36 घंटे के बाद मौके पर एक ऐक्सीयन आया और उसने भी यह कहा कि नहर का पानी बन्द नहीं कर सकते। यह बड़े शर्म की बात है। क्या सरकार ने अपने अधिकारियों को यही सिखा रखा है कि किसी की मौत हो जाए तो उसके परिवार के आसू भी न पौछें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से जानना चाहता हूं कि जो वहां पर दो कर्मचारी नहर में डूब कर मरे हैं उनके लिए क्या सहायता दी गई है और उन अधिकारियों के खिलाफ क्या एक्शन लिया गया है जिन्होंने यह लापरवाही की है। वहां पर तीन दिन तक उन दोनों कर्मचारियों की लाशें सड़ती रहीं इस सरकार का कोई अधिकारी उनका पता लगाने के लिये नही गया। इसके इलावा उपाध्यक्ष महोदय, हम आपकी सेवा में बार बार काल अटैंशन मोशन के नोटिसिज देते हैं लेकिन यह सरकार उनको स्पीकर साहब से डिसअलाउ करवा देती है। आज सारे हरियाणा प्रान्त के किसान इस बात का इन्तजार कर रहे हैं कि कब एस० वाई० एल० नहर का पानी उनके खेतों में आएगा और जब हम एस० वाई० एल० नहर के बारे में कालिंग अटैंशन मोशन का नोटिस देते हैं तो वह डिस अलाऊ हो जाता है। खैर, यह आपकी रुलिग है इसको मैं चौलेजं नहीं करता लेकिन आप सरकार से पूछे तो सही कि क्या बात है और हरियाणा के किसानों को क्यों कुचला जा रहा हए किसानों की तकलीफों की तरफ ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? उपाध्यक्ष महोदय मेरे हल्के में दादूपुर नलवी और दादूपुर लाडवा

नहरें गुजरती हैं। वे दोनों नहरें मेरे हल्के के किसानों की जान हैं। इसलिये उन दोनों नहरों से उस हल्के के किसानों की एक एक इंच भूमि को पानी देना सरकार का फर्ज है। आई० पी० एम० साहब यहां हाउस में बैठे हैं। जब पैडी का सीजन आता है और जब गन्ने में पानी देना होता है तो उस समय ये मेरे इलाके में बिजली का कट लगा कर नरवाना और दूसरी जगहों के लिये दे देते है। मैं इन पर बाकायदा इस बात का ऐलीगेशन लगाता हूं। इसी तरह से पानी के बगैर जीरी की बहुत कम पैदावार होती है। इस बारे में कल मैंने एक कालिंग अटैशन मोशन का नोटिस दिया था यह भी भवी जी ने डिसअलाऊ करवा दिया।

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला)डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। चौधरी लहरी सिंह जी आप पहली बार इस हाउस में नही आए हैं। आपको इस बात का पता होना चाहिए कि स्पीकर साहब ने वह कालिंग अटैशन मोशन डिस अलाऊ नही की थी, ऐडमिट की थी। लेकिन उस समय आप हाउस में उसको पढ्ने के लिए हाजिर नहीं थे। मैं उसका जवाब देने के लिए तैयार था। एक तरफ तो आपने अपना फर्ज निभाने में कोताही की और दूसरी तरफ आप स्पीकर साहब पर ऐसपर्शन कास्ट कर रहे हैं। आप कह रहे हैं कि मैंने वह कालिंग अटैशन मोशन डिसअलाऊ करवाई। न मैंने उसको डिसअलाऊ करवाया और न ही स्पीकर साहब ने डिसअलाऊ की।

साथी लहरी सिंह डिप्टी स्पीकर साहब, इनका प्रैजैस

औफ माईण्ड नहीं है। फार्मर्ज के बारे में मेरा कालिंग अटैशन मोशन डिसएलाऊ हुआ। इनका प्रैजैस आफ माइण्ड रहे, यह आप इनको कहें। ये चीफ मिनिस्टर की कुर्सी की तरफ देख रहे हैं। ये चीफ मिनिस्टर किसी भी हालत में नही बन सकते। इन्होंने हमें पीछे कहा था कि आप यहां पर खड़े हो कर कहो कि विधान सभा की तरफ से एक रैज्योल्यूशन पास करो कि यहां का जाट मुख्य मन्त्री हो। जाट मुख्य मन्त्री हो हमें कोई एतराज नहीं है, लेकिन मैं इनको कहता हूं कि इनका तो नम्बर चीफ मिनिस्टर बनने का पड़ता नही। अगर चौधरी भजन लाल चीफ मिनिस्टरी से हटते हैं तो मुख्य मन्त्री तो चौधरी बंसी लाल जी ही बनेंगे। आज जो हरियाणा है वह बंसी लाल की वजह से ही है।

श्री उपाध्यक्ष श्री लहरी सिंह जी, आप गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला लहरी सिंह जी, जिस आदमी का और जिस हरियाणा विकास पार्टी का जिकर आप कर रहे हैं उसको तो हरियाणा की जनता ने इग्नोर कर दिया है। अब वे चीफ मिनिस्टर नहीं बन सकते।

साथी लहरी सिंह उनको किसी ने इग्नोर नहीं किया। आज का बनाया हुआ हरियाणा चौधरी बंसी लाल जी का ही है।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला यह तो आप लोगों से पूछो कि इनको इग्नोर किया गया है या नहीं। इस बारे में तो लोग ही

बताएंगे।

साथी लहरी सिंह आपका तो चीफ मिनिस्टरी में नम्बर आता नहीं। राष्ट्रपति ने कह लिया और प्रधानमंत्री जी ने कह लिया कि मिनिस्टर कम करो लेकिन ये मिनिस्टरी छोटी करने की बजाये हरियाणा की सारी जनता को लूट कर खा रहे है। अगर आप लोगों में जरा सी भी गैरत है तो आप इस्तीफा दे कर चले जाएं।

एक आवाज किस को इस्तीफा देकर जाएं।

साथी लहरी सिंह : हमें दे कर चले जाओ। हम बंसी लाल जी को मुख्य मंत्री बनाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन है कि मैंने एक क्वैश्चन दिया था लेकिन उस मेरे क्वैश्चन को तोड़ मरोड़ दिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, ढोल माजरा में 220 के ० वी ० का सब स्टेशन बना रहे हैं। उसकी लाईन बबैन में आनी है। इस समय बवैन में 33 के ० वी ० का सब स्टेशन है जोकि 66 के ० वी ० का सब स्टेशन अपग्रेड होना है। बबैन का जो पावर हाउस है और जिसकी अपग्रेडेशन की स्कीम चल रही है उस बारे में मेरा निवेदन है कि ढोल–माजरा तक जो लाईनिग यहां से होनी है उसकी लाईनिग साथ ही साथ हो जाये ताकि बाद का समय बच सके नहीं तो अगर पहले कक्ट्रक्शन का काम होगा और फिर लाईनिंग का काम करेंगे तो उससे और ज्यादा 5–6 महीने का समय खराब होगा। मेरी बातों की तरफ आई ० पी

० एम ० साहब, ध्यान नही दे रहे। हमारे वहां पर जमीदारों का बहुत नुकसान हो रहा है। आप आज जितना किसानों की तरफ ध्यान दोगे उतना आपके आगे काम आएगा। मेरे हल्के में बसंतपुरा पावर हाउस में और बबैन पावर हाउस में जो 16–16 के ० वी ० के ट्रांस्फार्मर्ज लगने हैं उनको जल्दी से जल्दी लगाया जाये। इसी प्रकार से यमुना नगर में जठलाना और कुरुक्षेत्र जिले में बेरथला में जो सब स्टेशन बनाये जाने हैं उनको जल्दी से जल्दी बनाया जाये। इसी तरह मैं एक और निवेदन करना चाहता हूं कि डब्ल्यू ० जे ० सी ० और आगुमैन्टेशन कैनाल से जब हमारे एरिया में ओखे दिन हों यानि जीरी के वक्त में हमें ज्यादा से ज्यादा पानी मिलना चाहिए। ये कैनाल्ज हमारे एरिया की छाती को चीर कर बनाई हुई हैं। इनका पानी हमें औखे दिनों में अवश्य मिलना चाहिए लेकि न हमें पानी न देकर के उस पानी को दूसरी जगह ले जाया जाता है। मेरा निवेदन है कि मेरी इस मांग की तरफ सरकार अवश्य ध्यान देगी।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कान्फैड के बारे में और सहकारिता विभाग की दूसरी बातों के बारे में जिकर करना चाहता हूं। हमारे यहां पर दुनिया भर की कार्पोरेशन्ज बनाई हुई हैं। इन्हीं कार्पोरेशन्ज में एक हाउसिंग फैडरेशन भी है। इस फैडरेशन का काम प्लाटों पर कर्ज देने का है। इसके जो एम ० डी ० हैं वे बड़े दयालु हैं क्योंकि उनके समय में साढ़े तीन करोड़ रुपये का घपला हुआ है। वे पहले भी इस फैडरेशन ' के एम ० डी ० रह

चुके हैं। (विघ्न)यह बात मैं गारन्टी के साथ कहता हूं कि साढ़े तीन करोड़ रुपये का घपला एम ० डी ० ने किया। इस मामले की इन्क्वायरी हुई, उसको सस्पैड किया गया और 25–30 केस उसके खिलाफ दर्ज किए गए। (विघ्न)मुझे पता नहीं है कि वह कौन आदमी है। जितने मैनेजरज और ऐडीशनल मैनेजरज उसके साथ थे वे सभी उस घपले में शामिल थे और उन सभी के खिलाफ कार्यवाही हुई। कोर्ट ने उनको कन्विक्ट किया उसके बावजूद आज वे फिर वहीं लगा दिए गए हैं। इससे ज्यादा शर्म की और क्या बात हो सकती है। एक आदमी साढ़े तीन करोड़ रुपये का घपला करता है और फिर उसको वहीं लगा दिया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं कि गवर्नमैंट के इस घिनौने काम को देखा जाए और हाउस की एक कमेटी बनाई जाए जो उसकी इन्क्वायरी करे। जो दोषी है उसको बाकायदा अरैस्ट करके उसको जेल की हवा खिलाई जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही बुरी बात है। इसी तरह से शूगर मिल्ज की बात आती है। कितनी बातें आती हैं, वहां यह हो गया यहां वह हो गया। आप इन सारी चीजों के ऊपर कन्ट्रोल ' करवाओ। डिप्टी स्पीकर साहब, आप हमारे गार्डियन हैं। अगर हम आपके माध्यम से अपनी बात नहीं कहेंगे तो फिर हमारी बात कौन सुनेगा? इसी तरह से दूसरी बात आती णै ग्राम विकास की। नारा है कि गांव का विकास कर दिया लेकिन जो एयर कण्डीशंड कमरों में बैठकर प्लान बना देते हैं कि हमने प्लान बना दिया, हमने गांव का विकास कर दिया, गांव का कल्याण कर

दिया। उनको वास्तविकता का क्या पता? एक एयर कण्डीशंड कमरे में बैठने वाले अफसर को क्या पता कि हरिजनों की गलियों में क्या दिक्कत है? पानी है या नहीं, उनको खाने के लिए खाना मिलता है या नहीं उनको खाद्य पदार्थों की सप्लाई मिलती है या नहीं, पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सर्विस ठीक है कि नहीं। ये चीजें कौन देखता है? चौधरी शेर सिंह जी यहां से उठ कर चले गए। मुझे बड़ा अफसोस है इस बात का कि वे भी इस बात पर कोई ध्यान नहीं देते। वे प्लानिंग के इन्चार्ज है और उनको चाहिए कि गांव–गांव में जा कर देखें और प्लानिंग बनाएं। मैं इस सरकार से निवेदन करूंगा कि अगर इनमें थोड़ी सी भी ..... है तो इन्हें इस्तीफा दे कर चले जाना चाहिए। (घण्टी)

श्री रामपाल सिंह कंवर डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। ये बार–बार शर्म शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अभी जिस ढंग से इन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल किया है, अनपार्लियामैटरी है और इस शब्द को कार्यवाही से डिलीट कर देना चाहिए।

साथी लहरी सिंह ठीक है जी, ये जिस शब्द को कहते हैं उसको काट दिया जाए।

श्री उपाध्यक्ष ठीक है, यह रिकार्ड न किया जाए।

साथी लहरी सिंह : इण्डस्ट्रियल कम्पलैक्स स्थापित करने के बारे में मैंने रादौर का क्वैश्चन दिया। (विघ्न)उपाध्यक्ष जी

मैंने एक बहुत जरूरी बात कहनी है।

श्री उपाध्यक्ष जो जरूरी बात है वह आप कह लें और अपनी बात को खत्म करें।

साथी लहरी सिंह जरूरी बात यह है, उपाध्यक्ष महोदय, कि जब से हरियाणा बना है तब से आज तक पुराने करनाल जिले और पुराने अम्बाला जिले की तरक्की की तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया। उपाध्यक्ष महोदय, बात यह है कि चाहे कोई भी काम हो, एक चौधरी बंसी लाल जी को छोड़ कर, सभी ने इन इलाकों के साथ भेदभाव किया है। (विघ्न)बंसी लाल जी ने कुरुक्षेत्र जिला बना दिया, यह स्टेट–हाई वे जिससे आप चल कर यहां आते हैं चौधरी बंसी लाल जी ने बनाया। अगर यह न बना होता तो पंजाब के भाई आपको यहां आने नहीं देते। वह सड़क चौधरी बसी लाल जी ने नौ महीने के टाईम में तैयार करवाई थी। बंसी लाल किसी आदमी का नाम नहीं है बल्कि यह तो एक युग का नाम है, एक इन्सानियत का नाम है। (विघ्न)चौधरी बंसी लाल को छोड़ कर सब ने हमारे इलाके के साथ भेदभाव किया धोखाधड़ी की मैं यह कहे बिना रह नहीं सकता। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें आपका हल्का भी है, स्पीकर साहब का हल्का भी है। मैं तो चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल इतने दिलेर होने चाहिएं कि अगर इस इलाके का भला करना है तो खुद इस्तीफा दे कर आपको चीफ मिनिस्टर बना दें। (विघ्न)या स्पीकर साहब को चीफ मिनिस्टर बना दें ताकि इस इलाके का भला हो और इसका चहुमुखी विकास हो। आप देखेगे

कि सर किस तरह से यहां पर भर्ती हुई। चौधरी भजन लाल जी ने सिरसा और हिसार से भर्ती की और वहां से भी दिल नहीं भरा तो राजस्थान से ला कर लोगों को भर्ती किया गया। सर, आपके होते हुए भी हमारा कोई रखवाला नहीं है। हमें इस तरह से जलील तो न करो। डिप्टी स्पीकर सर, मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि इस बात पर श्वेत पल जारी करे कि अम्बाला, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, पानीपत के इलाकों से आज तक कितने इम्पलाई लिए गए हैं और इनमें से कितने शिडयूल्ड कास्ट्स लिए गए? यह इलाका जो कि मासूम है, बोलना नहीं जानता, शरीफ है, इसकी शराफत का नाजायज फायदा उठाया जा रहा है। अगर ये श्वेत पल जारी करेंगे तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि सिर्फ 2 परसैन्ट से ज्यादा कोई भी हमारा नुमायन्दा सर्विसीज में नहीं लिया गया। चाहे वह एच० सी ० एस० का अफसर हो, चाहे कलर्क है, या असिस्टैट है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक क्वैश्चन उठाया था कि जिनकी भर्ती हुई है उनके ऐड्रैस क्या हैं, कहां से उन्होंने 10वी पास की है यह हमें बताया जाए। (विघ्न)

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी)उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय सदस्य को कुछ भी बोलने का अधिकार है लेकिन भाई लहरी सिंह की जानकारी में ये सब बातें हैं और ये जान–बूझकर ऐसी स्पीच कर रहे हैं। अब जो पुलिस भर्ती हुई है, उसमें पहली बार पिछला बेकलोग पूरा करने के लिए इतने हरिजन

भाईयों की भर्ती हुई है।

साथी लहरी सिंह उपाध्यक्ष महोदय, जो स्टैप इन्होंने उठाया है और जो भर्ती की गई है उसके लिए हम सरकार के आभारी हैं और जो भी अच्छे स्टैप इन्होंने उठाए हैं उसके लिए भी आभारी हैं। जब बंसी लाल जी ने कहा कि बी० ए० तक लड़कियों की शिक्षा माफ होनी चाहिए, जब बंसी लाल जी ने यह आग्रह किया तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम करेंगे। तो जो भी अच्छा काम होगा उसकी तो सराहना होनी ही चाहिए।

Mr. Deputy Speaker : Lehri Singh Ji, you haveAlready taken 20 minutes. Please take your seat now.

साथी लहरी सिंह उपाध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि सरकार ने जो पुलिस की भर्ती की है यह बहुत ही अच्छा काम किया है और यह जो पिछले 4 साल, 5 साल या दस साल चाहे उस काल में कोई भी मुख्यमंत्री था, और आगे कोई भी भर्ती हो, उपाध्यक्ष महोदयय हमारा पुराना बैकलौग पूरा किया जाए।

इसी तरह से मैं स्वास्थ्य विभाग की मन्त्री बहिन करतार देवी जी से कहना चाहता हूं कि वे बहुत ही बढ़िया काम कर रही हैं और मुझे इस बात की खुशी भी है कि वे पब्लिक की बात मानती हैं।

श्री उपाध्यक्ष लहरी सिंह जी अच्छा होगा, if you conclude your speech with compliments to Bahin Kartar Devi.

साथी लहरी सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, कम्पलीमैंट तो कर दिया है और इनसे मेरा यह निवेदन भी है कि बबैन में और रादौर में हमारी सारी मांगे पूरी कर दें। रादौर में 30–बैड का जो अस्पताल है वह भी बनवा दें। (घंटी)सर दो मिनट और बोलूंगा प्लीज। उपाध्यक्ष महोदय एक बात और मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में कम से कम जो 50 से 80 प्रतिशत तक टीचरों की कमी है इन टीचरीं की कमी को पूरा किया जाए।

श्री उपाध्यक्ष लहरी सिंह जी अब आप बैठिए।

साथी लहरी सिंह उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मुझे बहुत सी बातें कहनी थीं लेकिन अगर आप कहते हैं तो मैं बैठ जाता हूं। धन्यवाद।

श्री के० एल० शर्मा (शाहबाद): डिप्टी स्पीकर सर, महामहिम राज्यपाल हरियाणा के 9 मार्च के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव श्री आनन्द सिंह डांगी जी ने रखा है मैं उसका समर्थन करता हूं। उन्होंने जो ''विकास के नये संकल्प'' नामक कार्यक्रम को आपसी भाईचारे और जनसहयोग द्वारा पूरा करने का जिक्र किया है उससे हरियाणा की जनता में जो विश्वास पैदा हुआ है उसके लिए मैं उनका अत्यंत कृतज्ञ हूं और राज्यपाल महोदय के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं।

डिप्टी स्पीकर सर, पैरा न ० 3 में आदरणीय राज्यपाल महोदय ने पंजाब के चुनाव का जिक्र करते हुए इसे प्रजातांत्रिक

ढंग से पूरा करवाने पर प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए यह आशा व्यक्त की है कि पंजाब के साथ हर मसला चाहे वह मसला पानी का हो या चण्डीगढ़ का हो, मैत्रीपूर्ण ढंग से सुलझा लिया जायेगा। स्पीकर सर, इसमें शक की कोई गुंजाईश नहीं है कि प्रधानमंत्री का यह कार्य पंजाब की तपती धरती पर एक रहमत की दवा के समान है। उपाध्यक्ष महोदय, उपरोक्त मुद्दों को लेकर विपक्ष के माननीय सदस्यों ने जो कोहराम मचा रखा है पिछले सैशन के दौरान भी उन्होंने इन्हीं सवालों पर सदन के नेता से स्पष्टीकरण चाहा था और कहा था कि हमें शक है कि केवल पंजाब में चुनाव जीतने के लिए केन्द्र सरकार हरियाणा के हितों की बलि दे देगी। परन्तु मैं यह बात सदन में कहते हुए गौरव महसूस कर रहा हूं कि हमारे सदन के नेता ने न केवल उन संदेहों को मिथ्या साबित कर दिया बल्कि इस हाउस में दिये गये अपने ब्यान को अमली जामा पहनाते हुए यह भी दिखा दिया कि सही मायनों में हरियाणा के हितों की लड़ाई चौधरी भजन लाल ही लड़ सकता है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे सुघड़ पक्षधर पर हरियाणा की जनता को पूर्ण विश्वास है और जनता भली प्रकार से जानती है कि सत्य के आधार पर आगे जो भी फैसला होगा उसमें प्रदेश के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इस सरकार के आने के बाद कानून एवं व्यवस्था में सुधार आया है। जाति पाति के आधार पर इस प्रान्त में कोई झगड़ा या आन्दोलन नहीं हुआ ई। पंजाब में मिलिटरी के दबाव के कारण हमारे हरियाणा में जो भी उग्रवाद की घटनाएं हुई हैं उनके लिए सारा देश चिंतित है। हरियाणा सरकार

ने उसके लिए प्रभावी कदम उठाये हैं और जिस तरह से ढो तीन दिन में ही सारी स्थिति ठीक हो गयी, उसके लिए हरियाणा सरकार बधाई की पात है। (शोर)सरकार की इस कामयाबी ने हरियाणा वासियों का मनोबल गिरने नहीं दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष कृपया इंट्रप्ट न करें और शर्मा जी, आप अपनी स्पीच जारी रखिये।

श्री के ० एल० शर्मा उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह भी है कि इस अभिभाषण में आदरणीय राज्यपाल महोदय ने पैरा नं ० 9 में सिंचाई के विकास को उच्च प्राथमिकता देने के बारे में भी कहा है कि यह सरकार प्राथमिकता देगी। डिप्टी स्पीकर साहब, बड़ी ही सही बात कही गयी है क्योंकि सिंचाई इस प्रान्त के विकास के लिये बहुत ही जरूरी है। सिंचाई हमारे प्रान्त की जीवन रेखा पैं और यह सरकार भलीभांति जानती है कि यह पानी कहां से उपलब्ध करवाया जा सकता है जो हमें एस ० बाई ० एल ० द्वारा मिलना है। पिछले सैशन में सदन के नेता ने हमें विश्वास दिलाया था कि पंजाब में चुनावों के बाद इस पर कार्य शुरू कर दिया जायेगा और चुनाव सम्पन्न हुए अभी केवल चंद दिन ही हुए हैं। प्रान्त की जनता को पूर्ण विश्वास है कि केन्द्र सरकार यह काम बहुत जल्दी पूरा करवायेगी। इसके साथ डिप्टी स्पीकर साहब, दादूपुर–नलवी–लाडवा नहर प्रोजैक्ट एस ० वाई ० एल ० के मुकुट में एक हीरे के समान है बल्कि इसकी आत्मा भी है और

धडकन भी। वास्तविकता तो यह है कि कुरूक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर एवं कैथल जिलों का सिंचाई विकास इसी पर निर्भर करता है। मेरा यह सुझाव है कि स्फ प्रोजैक्ट को जिसको कि पिछली सरकार ने ड्रौप कर दिया था तथा हमारी इस सरकार ने इसे दोबारा से टेक–अप किया है, जल्दी से जल्दी पूरा करना चाहिये।

इसके साथ–साथ, डिप्टी स्पीकर साहब, तीसरी बात मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हरियाणा में घग्गर, टांगरी और मारकंडा आदि जो बरसाती नदियां हैं, जो केवल जून मास से लेकर अक्तुबर तक बहती हैं और क्षेष समय में ड्राई रहती हैं और वर्षा ऋतु में जिनका बाढ़ का पानी करोड़ों रुपये की फसलों को हानि पहुंचाता है हमें इस पानी को सिंचाई के लिये प्रयोग में लाने हेतू कोई कारगर उपाय सोचना चाहिये। मैं आई० पी० एम० साहब का ध्यान इस ओर आकर्षित करवाना चाहूंगा कि जिस प्रकार से बुग्गां (नारायणगढ़)में फारैस्ट वालों ने छोटे–छोटे बांध बनवाकर उससे काफी लाभ लिया है, इसी प्रकार से मारकंडा नदी पर भी छोटे–छोटे बांध बनवाना बहुत लाभान्वित होगा। इससे हरियाणा की जनता को बहुत लाभ पहुंचेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, सिंचाई की भांति बिजली की समस्या भी हमारे लिए एक अहम समस्या है। पैरा नं० 10 में महामहिम राज्यपाल ने इस पर रोशनी डाली है। उन्होंने यह भी कहा है कि बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिये सरकार ने एक विशेष अभियान चलाया है और गत वर्ष के 315

लाख यूनिट की सप्लाई के मुकाबले में इस बार अगस्त मास तक 351 लाख यूनिट सप्लाई हुई है। यानि की अपेक्षाकृत 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक अधिक सप्लाई हुई जो अपने आप में एक रिकार्ड है और बिजली उत्पादन के क्षेत्र में सरकार की कार्यकुशलता का जीता–जागता सबूत है। पानीपत थर्मल प्लांट की आउट–पुट भी काफी बढ़ी है तथा आशा है कि आने वाले समय में इसमें और बढ़ौतरी आएगी। दूसरी बात डिप्टी स्पीकर सर, पावर डिस्ट्रिब्यूशन की है। जितनी बिजली हम पैदा करते हैं उतनी डिस्ट्रिब्यूट नहीं कर पाते क्योंकि एक ही समय में हमारी कई–कई लाइनें चलती हैं जिनको पावर हाउस बर्दाश्त नहीं कर पाते। अतः हमें वह लाईन ग्रुप्स में चलानी पड़ती हैं और लाइनें कुछ लम्बी भी हैं जिससे लासिज अधिक हो जाने की वजह से वोल्टेज कम हो जाती है। मेरा सुझाव यह है कि हमारे जितने भी पावर स्टेशन्ज चाहे वे 22० के० वी० के या 132 के० वी ० के या सब–स्टेशन्ज हैं, उनके निर्माण में विलम्ब नहीं होना चाहिये। शाहबाद में ढोला माजरा नामक 220 के० वी० का पावर स्टेशन निर्माणाधीन है। शाहबाद के विजिट के दौरान मुख्यमंत्री महोदय ने उसके शीघ्र कम्पलीशन पर विशेष बल दिया था और उसका टार्गेट कम्पलीशन दिसम्बर, 1992 है। मुझे उम्मीद है कि तब तक वह अवश्य ही पूरा हो जायेगा तथा इसके साथ–साथ मेरा सुझाव यह भी है कि इनके लिये ऐक्सटैंशन आफ टाईम ग्रान्ट नहीं करनी चाहिये अपितु विलम्ब के लिये कन्सर्न्ड आफिसर्ज की रिस्पौसियिलिटी फिक्स करनी चाहिये क्योंकि इनके लिये

कम्पलीशन का टाईम पइने से ही बहुत अधिक है। पैरा नं० 11 में सहकारिता विभाग का जिक्र किया गया है। डिप्टी स्पीकर सर, इस क्षेत्र में एक प्रकार से क्रांति आई है। खास करके कोआप्रेटिव शूगर इंडस्ट्री में। अब हमारा हरियाणा देश के चीनी उत्पादन के मानचित्र पर एक उभरता हुआ सबसे उज्जवल सितारा है जिसके लिये मुख्य मंत्री महोदय एवं सहकारिता मंत्री महोदया बधाई की पात्र हैं जिनके कुशल नेतृत्व में हरियाणा में आज 10 चीनी मिलें कार्यरत हैं। यही नहीं, 4 और नई मिल्ज लगाना भी सरकार के विचाराधीन है। मेरे लिये गर्व का विषय यह है कि शाहबाद शूगर मिल ने तीसरी बार समस्त भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है परन्तु शूगर टैक्नोलोजी एवं शूगर इंजीनियरिंग पर शिक्षा देने हेतु कोई अनुसंधान केन्द्र राज्य में अभी तक नहीं खोला गया है। ऐसा एक केन्द्र शूगर प्रोडक्शन की भौगोलिक स्थिति को मद्दे नजर रखते हुए मुख्य मंत्री. महोदय ने शाहबाद के छपरी गांव में खोलने की घोषणा की है जिसके लिये मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं और समस्त हरियाणा उनका इसके लिये ऋणी रहेगा। इसके साथ ही डिप्टी स्पीकर साहब, तीन रुपये प्रति क्विंटल गन्ने के रेट को बढ़ाया गया एवं सर्वश्रेष्ठ गन्ना पैदा करने वाले को 21,000 रुपये तथा द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले को क्रमशः 15 व 11 हजार रुपये का प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। डैफीनीटली इससे ग्रोअर का मनोबल बढ़ा है। इसके साथ साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि शाहबाद शूगर मिल की क्षमता इस समय केवल 1250 टी० सी० डी० प्रतिदिन की है इसे बढ़ाकर 3500 टी०

सी० डी० प्रतिदिन करने जा रही है। यह बड़ी अच्छी बात है। इसी तरह से सहकारी मिलों में डिस्टिलरी लगाने का कार्यक्रम भी शीघ्र ही पूरा किया जा रहा है।

साथी लहरी सिंह उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। शर्मा जी शाहबाद के अन्दर शूगर मिल व डिस्टिलरी की जो बात कर रहे हैं इससे वहां के लोगों को काफी दिक्कत होने का अन्देशा है जब तक कि वहां पर वाटर ट्रीटमैंट प्लांट न लगाया जावे। इन सब बातों से पहले वहां पर गन्दगी और पोल्यूशन के वातावरण को दूर करने का प्रबन्ध सरकार की ओर से होना चाहिये। ऐसा न करने से वहां लोगों की फसलों को काफी नुकसान हो सकता है और हो भी रहा है।

श्री के० एल० शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, यह दोनों प्लांट्स साथ साथ चल रहे हैं और ऐयर पोल्यूशन व वाटर पोल्यूशन का प्रबन्ध भी सरकार की ओर से किया जा रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा है कि नगर–पालिकाओं के विकास हेतु, उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चालू वर्ष में 660 लाख रुपये का प्रावधान किया है और अगले वर्ष यह राशि बढ़ा कर 980 लाख रुपये कर दी जाने वाली है। इसके लिये धन्यवाद करते हुए मैं यह अर्ज करना चाहूंगा कि शाहबाद नगर पालिका की हालत सब से नाजुक है। पिछले चार सालों से वहां पर विकास के नाम पर एक

ईंट भी नहीं लगी है।

इसके साथ–साथ, उपाध्यक्ष महोदय, मैं शाहबाद की सही तस्वीर सदन में पेश करते हुए कुछ शर्म सी महसूस करता हूं। पिछले चार वर्षो के उन व्यक्तियों की बात करता हूं जिनका यहां हरियाणा के अन्दर रिजीम था, जो हरियाणा के विकास की बात करते–करते भावुकता की धारा में इतने वह गये कि उन्हें अनुशासन का भी ध्यान नहीं रहा। उनकी कार्यकुशलता एवं अपनापन देखकर यही कह सकता हूं कि–

एक चाक हो तो सी लूं, या रब गरेवां अपना।

जालिम ने फाड़ डाला है तार तार करके।।

उपाध्यक्ष महोदय, जिस जगह की चार सालों तक रिपेयर भी न हो उसकी हालत का अन्दाजा क्या कोई लगा सकता है? गलियां व सड़कें टूटी फूटी। पानी के निकास का कोई प्रबन्ध नहीं। कुदरत की सब से बड़ी न्यामत वर्षा है परन्तु वह हमारे लिये जहमत बन जाती है। कीचड़ के अम्बार, मच्छरों की भरमार। बरसात के दिनों में भूले से भी कोई आ जाए तो उसका निकलना प्रायः असम्भव है। नगरपालिका की हालत दयनीय है क्योंकि उसका वित्तीय दामन फटा पड़ा है। शर्म से कहना पड़ता है कि नगरपालिका के विरुद्ध 11 लाख रुपये के कुर्की के आदेश जारी किये जा चुके हैं जिसका ज्यों–ज्यों ब्याज बढ़ रहा है नागरिक का दम त्यों–त्यों घुटता चला जा रहा है। हमें आशा ही नही पूर्ण

विश्वास भी है कि हमारे मुख्य मन्त्री महोदय इस नरक से शाहबाद की जनता को अवश्य छुटकारा दिलवायेगे।

अन्त में मैं कहूंगा कि इस सरकार के जेरे साया, हरियाणा की उन्नति काबिले दीद भी है और काबिले रश्क भी। इसका हर उभरता चिन्ह इसकी उन्नति का प्रतीक है। कहने का भाव यह है कि कृषि–बिजली, जल सिंचाई एवं उद्योग, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात में आश्चर्यजनक हमारी इस सरकार ने उन्नति की है जिसके लिये हरियाणा का हर हरियाणावासी सरकार का आभारी है और उससे प्यार करता है। मैं इतना ही कहता हुआ और आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)।

12.00 बजे

चौधरी जाकिर हुसैन (तावडू)अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर भाई आनन्द सिंह डांगी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है मैं उसके समर्थन मे बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इसके अलावा मैं चन्द बातें अपने इलाके के बारे मे भी कहना चाहूगा। सब से पहले अभिभाषण के अन्दर राज्यपाल महोदय ने जिक्र किया है जो हमारे प्रदेश मे पिछले दिनों आतंकवादियो ने घटनाए की उनका सब से बड़ा

कारण यह रहा है कि पंजाब में आर्मी लगाने के बाद सख्ती हुई और आतंकवादी हरियाणा में घुस आए। उन्होंने बहुत से निर्दोष पुलिस कर्मियों और अन्य नागरिकों की जान ली जिसका हमें बहुत अफसोस है। इसके अलावा ऐसी ही घटना में हमने अपने प्रदेश के एक होनहार अफसर को उसके परिवार के साथ खोया है। उनसे प्रदेश को बहुत सी आशाएं थीं। श्री एम० एल० वर्मा के गनमैन और ड्राइवर की भी उनके साथ हत्या कर दी गई उसके लिए भी हमें बहुर अफसोस है। इस बारे में मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि ऐसे लोगों को पकड़ कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। हमने आज अखबारों में पढ़ा है कि कुछ लोग ऐसे गिरफतार भी किए गए हैं। इसके लिए मैं सरकार को मुबारिकबाद देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि हमारे गुड़गांव और फरीदाबाद में भी बहुत से क्रिमिनल उत्तर प्रदेश से आ गए हैं और वे वहां पर वारदातें कर जाते हैं। पीछे भी मालब गांव में बहुत बड़ो डकैती डाली गई थी। जिन्होंने यह काम किया था उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। मेरी प्रार्थना है कि वहां भी कोई अपराधनिरोधक अभियान चलाया जाए। मैं सरकार को मुबारिक देना चाहूंगा कि सरकार ने पुलिस को नवीनतम हथियार उपलब्ध करवाए हैं। इससे पुलिस का मनोबल बढ़ा है। पुलिस लोगों को राहत पहुंचा रही है इसके लिए पुलिस के अधिकारी और नौजवान मुबारिकवाद के मुस्तैहक हैं। अध्यक्ष महोदय, आज बड़े गर्व की बात है कि आज हम अपना रजत ज्यन्ती वर्ष मना रहे हैं क्योंकि हरियाणा को बने 25 वर्ष हो

गए हैं। इन 25 सालों में हरियाणा ने बहुत तरक्की की और इस नई सरकार बनने के बाद भी तरक्की के काम बहुत तेजी से चल. रहे हैं। मैं इस बात को कहते हुए अपने हल्के के बारे में कुछ बातें बताऊं। सड्कों की मुरम्मत और दूसरे काम बहुत तेजी से चल रहे हैं। इसके लिए सारी सरकार मुबारिकबाद की मुस्तैहक है। मेरे भाई कर्ण सिंह दलाल ने एक बात का जिक्र किया कि सरकार जो ब्यूटीफिकेशन कर रही है यह गलत हे। मेरी राय उनसे भिन्न है क्योंकि जब हम अपने कपड़े और मकान सुन्दर बनाना चाहते हैं तो ऐसा करके हम अपने प्रदेश को भी सून्दर बना रहे हैं। इसमें क्या हर्ज है? किसी समय हरियाणा प्रदेश की एक पहचान होती थी

श्री कर्ण सिंह दलाल स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। अभी भाई जाकिर हुसैन ने मेरा नाम लेते हुए कहा कि मैंने ब्यूटिफिकेशन के लिए एतराज किया। मैंने यह कहा था कि जहां सरकार जगह जगह रजत जयन्ती के पत्थर लगा रही है उससे अच्छा यह रहेगा कि अगर हम उन कालोनीज इमें पानी और बिजली मुहैया करें जहां पर ये सुविधाएं नहीं है।

चौधरी जाकिर हुसैन : स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मेरी अर्ज है कि मेरे विचार में उससे हरियाणा प्रदेश की प्रशंसा ही हुई है क्योकि जिस समय शराब के ठेकों के बोर्ड शुरू हो आए और बहुत सारी लाइटें एक हो जाए तो समझो कि हरियाणा आ गया। जब हम खास तौर से गुड़गांव की तरफ से या अम्बाला की तरफ से हरियाणा में घुसते हैं तो हमें महसूस होता है कि

हरियाली, फूल और बहुत सारी लाईटों का अरेंजमैंट है यह बहुत अच्छी बात है। इसमें हरियाणा सरकार और हरियाणा प्रान्त के औफिसर्ज ने जो दिलचस्पी दिखाई है यह प्रदेश के सभी नागरिकों को बहुत अच्छी लगी है, इसमें मैं भी अपने आपको शामिल करता हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह चर्चा की गई है कि सरकार ने डाक्टर्ज का नौन–प्रैक्टिसिंग भत्ता बढाया है और डाक्टरों को प्रथम श्रेणी का दर्जा दिया है। सरकार ने यह बहुत अच्छा काम किया है। सरकार ने उनकी मांग मान ली है इसलिए उनको इस बात की खुशी हुई है और अब वे आन्दोलन की राह पर नहीं चलेगे। इसके इलावा अध्यक्ष महोदय, मैं कृषि के बारे में एक बात कहना चाहूंगा। हरियाणा सरकार कुण्डली में एक बागवानी का केन्द्र बना रही है। यह सरकार का बहुत अच्छा कदम है। मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार गुड़गांव में भी एक ऐसा केन्द्र बनाए क्योंकि गुड़गांव भी दिल्ली के उतना ही नजदीक है जितना नजदीक कुण्डली है।

श्री अध्यक्ष कुण्डली में तो मण्डी बनाई जा रही है बागवानी के सैन्टर नहीं बनाये जा रहे।

चौधरी जाकिर हुसैन नहीं जी, मण्डी नहीं बनाई जा रही। बागवानी का कैन्द्र बनाया जा रहा है। सरकार से मेरी अर्ज है कि गुड़गांव में भी बागवानी का केन्द्र बनाया जाए। इस के अलावा, अध्यक्ष महोदय, जब भी सैशन बैठता है तो उसमें एस ० वाई ० एल ० नहर के बारे में बहुत चर्चा आती है और उसको हम

अखबारों में भी पढ़ते है। जो दक्षिणी हरियाणा का हिस्सा है उसमें महेन्द्रगढ़ और फरीदाबाद के जिले आते हैं और उसमें मेवात का एरिया भी आता है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जब मेवात कैनाल निकलेगी और एस ० वाई ० एल ० नहर का पानी मेवात एरिया को मिलेगा तो सरकार से मेरी प्रार्थना है कि मेवात कैनाल का काम भी शुरू करवाया जाए। मुझे उम्मीद है कि एस ० वाई ० एल ० नहर का काम जल्दी से जल्दी पूरा किया जाएगा। इसी तरह से मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार की ओर से आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में लेने के लिए बहुत सालों से कोशिश की जा रही है। सरकार से मेरी अर्ज है कि सरकार आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में जल्दी से जल्दी ले ताकि पलवल और पुनहाना एरिया के किसानों को पानी मिल सके। अध्यक्ष महोदय, जब पहले चौधरी भजन लाल जी मुख्य मन्त्री थे, चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला आई ० पी ० एम ० थे और श्री शकरुल्ला खान स्टेट मिनिस्टर थे, उस समय मेरे हल्के में दुबालू माइनर को बनाने का काम शुरू हुआ था, उसके बाड़ 1987 में श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला उस माईनर का पत्थर रख कर आए थे। दुबालू माईनर दुबालू गांव से अडबर गांव तक बनानी है। सरकार से मेरी अर्ज है कि उस माईनर को बनाने का काम शुरू करवाया जाए। हमारे इलाके मे से साहिबी नदी गुजरती थी उससे उस एरिया का वाटर लैवल ठीक रहता था लेकिन राजस्थान सरकार ने वहां पर जगह जगह पर बांध बना कर साहिबी नदी के पानी को रोक लिया है। सरकार से

मेरी अर्ज है कि सरकार यह मामला राजस्थान सरकार के साथ टेक–अप करे और साहिबी नदी से जो पानी हमारे इलाके से आता था उसमें से पानी का कुछ हिस्सा हमारे इलाके के किसानों को मिले।

इसके इलावा स्पीकर साहब, अब मैं मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के बारे में कहना चाहूंगा। मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड 1980 में गठित हुआ था। उस समय चौधरी भजन लाल जी मुख्य मन्त्री थे। जिस समय मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड गठित हुआ उस समय यह मुद्दा था कि जो रैगुलर बजट में पैसा खर्च होगा, मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड उससे अलग पैसा अपनी स्कीमों पर खर्च करेगा लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड को रैगुलर बजट में ही पैसा खर्च करने के लि दिया जाता है, अलग से कोई पैसा नहीं दिया जाता। सरकार से मेरी अर्ज है कि मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड को रैगुलर बजट से अलग पैसा खर्च करने के लिए दिया जाए। इसके इलावा मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड का काम फिरोजपुर झिरका, तावडू और हथीन में है, नूह में उसका दफतर होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, वहां पर मेवात डिवैल्पमैंट के नाम से एक बोर्ड बनाया हुआ है। इसके तहत वहां पर जो जे ० बी ० टी ० सैन्टर खुले हुए हैं उस बारे में मेरा अनुरोध है कि वहां पर 50 प्रतिशत दाखिले के लिए रिजर्वेशन लो कल बच्चों का होना चाहिए ताकि वे कुछ करने के लायक बन सकें।

अध्यक्ष महोदय. राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में

खेलों का भी जिक्र आया है। इसके तहत मेरी सरकार से मांग है कि मेवात में भी एक खेल स्टेडियम बनाया जाना चाहिए क्योंकि इस समय वहां पर कोई भी स्टेडियम नहीं है। सरकार खेलों को जो बढ़ावा दे रही है यह एक अच्छी बात है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं पीने के पानी की बाबत जिक्र करना चाहता हूं। सरकार इस तरफ पूरा ध्यान दे रही है लेकिन इसके बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार मौके पर जा कर चौक करवाये कि कौन कौन सी स्कीमें पानी की कागजों में है और कौन कौन सी ठीक चल रही हैं। हमारे एरिया में जमीन के नीचे भी पानी नहीं है जिस कारण वहां पर लोग कुओं से भी पानी नहीं ले सकते। सरकार इस तरफ ध्यान देते हुए हमारे इलाके में पीने के पानी की तरफ विशेष ध्यान दे।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं आपका ज्यादा समय न लेते हुए वित्त मंत्री महोदय से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे बजट पेश करते समय कुछ खुला दिल रखें और हमारे मेवात एरिया की तरफ विशेष ध्यान रखें। इस उम्मीद के साथ कि वित्त मंत्री जी हमारी तरफ विशेष ध्यान देंगे, आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्रीमती जानको देवी मान (इन्दरी)अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी को और आई० पी० एम० साहब को एक बात बताना चाहती हूं। इस समय आई० पी० एम ० साहब

तो यहां पर बैठे नहीं हैं। मेरी उनसे खासतौर पर शिकायत है क्योंकि उन्होंने मेरे हल्के में कोई भी काम नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के इन्दरी के काफी गांव जमुना के किनारे लगते हैं। जब भी वर्षा होती है जमुना में पानी ज्यादा होने से बहुत से किसानों की जमीन कट कर जमुना में बह जाती है। बहुत से छोटे छोटे किसान बेजमीन हो गए हैं। जो 11–12 गांव जमुना के साथ लगते हैं उन गांवों के नाम मैं आपको बताती हूं। ये हैं चन्द्राव, गढ़ी बीरबल, गढ्पुर टापू, नबीयाबाद, जपती, रन्दौली, डबकौली, शेरगढ्टापू, चौरपुरा, चोरा। अध्यक्ष महोदय, चन्दराओ कम्पलैक्स की एक ठोकर दरिया में बह जाने से काफी जमीन कटाव में चली गई है। इसी प्रकार से नबीयाबाद में 9 ठोकरें मंजूर हुई थी जिसकी ऐस्टिमेटिड कास्ट लगभग 32 लाख रुपये थी लेकिन केवल 6 ठोकरें ही बनाई गई हैं उसमें भी दो अधूरी हैं। इस कारण से न केवल 50 एकड़ जमीन ही कटाव में आई है बल्कि आबादी तथा गुरुदवारे को भी खतरा बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, कमालपुरा के पास दो साल पहले 3 ठोकरें बह जाने से काफी कृषि भूमि कटाव में आई तथा आबादी को भी खतरा बना हुआ है। इसी प्रकार से रन्दोली से नबीयाबाद जाने वाली सड़क का पुल कई सालों से टूटा हुआ है जिसकी वजह से न केवल आने जाने की असुविधा होती है बल्कि वर्षा के दिनों में तो आने जाने वालों के लिए तथा फसल लाने वालों के वाहन नहर में गिरने का काफी खतरा होता है तया एक दो बार जान माल का नुकसान हो भी चुका है। मेरा आपके माध्यम से मुखद मंत्री महोदय से अनुरोध है

कि जो ठोकरों का काम अधूरा पड़ा है उसे पूरा करवाया जाये। जहां काम शुरू नहीं हुआ है वहां पर भी तुरन्त काम शुरू किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मत्री जी कहते हैं कि सारे हरियाणा की सड्कों की रिपेयर हो चुकी है परन्तु मैं मुख्य मंत्री जी को बताना चाहती हूं कि मेरे हल्के की सड्कों की रिपेयर नहीं हुई। कृपया वहां पर सड्कों की रिपेयर करवाई जाये। इन्दरी हल्के के सब–स्टेशन को अपग्रेड किया जाए क्योंकि लोड ज्यादा है ओर जीरी की फसल इस इलाके में ज्यादा लगती है तथा किसानों को बिजली की कमी के कारण बड़ी परेशानी होती है। घनौरा–लाडवा पुल बिल्कुल टूट गया है। मुख्य मन्त्री जी से मेरा अनुरोध है कि अगर पूरा पुल न बनवा सकें तो थोड़ा हल्का पुल ही बनवा दें ताकि लोग आ–जा सकें और अपनी फसलें ले जा सकें। इस पुल से दो गांवों का रास्ता रुकता है। दो आदमी गिर कर इसमें मर भी गए उसकी भी इन्क्वायरी करवाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं पहली बार बोली हूं और बहुत ही कम बोली हूं। लेकिन आगे के लिए काफी ज्यादा बोलूंगी। मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करूंगी कि मेरे हल्के के जो भी काम हैं वे अवश्य करवाएं जाएं। इन शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

श्री सुरजीत कुमार धीमान (नारायणगढ़)अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत

ही धन्यवाद करता हूं। मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपनी सहमति प्रकट करता हूं। मैं मानता हूं कि मौजूदा सरकार पिछली सरकार से बेहतर है। (विध्न)जो सच्चाई है उसको ब्यान करने में ऐसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। वैसे तो मैं जो कुछ भी कएंगा वह सच हो कहूंगा और गल्त बिल्कुल भी नहीं कहूंगा। (विघ्न)हम जिस वक्त इलैक्शन लड़ कर विधान सभा में आए तो हमारे इलाके में जगाधरी के पास शाहजादपुर काण्ड हुआ था। पिछली सरकार के वक्त में वहां पर हमारी माताओं–बहनों की इज्जत लूटी गई और अत्याचार भी उन पर हुए। हमारे कुछ आदमी सैंट्रल जेल में बन्द भी हुए लेकिन इस सरकार ने आते ही उनको बिना शर्त रिहा कर दिया। इस प्रकार से यह सरकार अपने आप ही हमारे काम कर रही है। इसलिए हम यह इग्नोर नहीं कर सकते कि यह सरकार काम नहीं करती। हमारे हल्के में पहले से ज्यादा काम हो रहे हैं। स्पीकर सर, कुछ बातें ऐसी हैं जो मैं कहना चाहता हू। सब से पहले तो मैं यदि इजाजत हो तो इस समाज में जो अत्याचार होते हैं वे क्यों होते हैं इस विषय पर बोलूंगा। (विघ्न)हमारे समाज में अत्याचार इसलिए होते हैं क्योंकि हमारे लोगों के पास जमीन नहीं है, किसी के पास घर नहीं है। ये लोग बाहर काम करने जाते हैं। माताओं–बहनों की इज्जत पर हाथ डलता है, वह पहले भी डलता था और अब भी डलता है। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस बात का कोई पक्का इन्तजाम किया जाए जिससे ये अत्याचार न हों। इस बारे में मैं सुझाव दूंगा कि जैसे कि सरकारी जमीन है, शामलात की जो

जमीन गांवों के अन्दर है उसको सिर्फ बैकवर्ड और शड्यूल्ड कास्ट के लोगों को ही दिया जाए। स्पीकर साहब, दूसरे लोगों के पास तो पहले ही बहुत जमीनें हैं। इसलिए मेरा सुझाव है कि जो सरकारी जमीन और शामलात जमीन है उसमें से बैकवर्ड क्लास के लोगों को और शड्यूल्ड कास्ट के लोगों को कुछ न कुछ हिस्सा जरूर डिस्ट्रीब्यूट होना चाहिए ताकि वे बाहर लोगों के खेतों में काम करने की बजाये अपनी जमीन पर काम कर सकें। स्पीकर साहब, दूसरी बात पुलिस प्रशासन के बारे में है। अमी थोड़े दिन पहले श्री एम० एल० वर्मा जी का मर्डर हुआ है वह मेरी ही कास्टिचुऐंसी में हुआ है। अब पुलिस प्रशासन ने नारायणगढ़ को चारों तरफ से घेर रखा है और वे लोग आम लोगों से पैसे लेते हें। उन लोगों ने पुलिस प्रशासन को और पुलिस की प्रैस्टिज को इतना बिगाड़ रखा है कि जिसकी कोई हद नहीं। एक दिन मेरे पास एक आदमी आया और कहने लगा कि पुलिस ने मेरा लाईसैसं ले लिया है। मैंने उससे पूछा कि इस का कारण क्या है तो उसने बताया कि मेरे कागज भी पूरे थे और सभी कुछ ठीक था। पुलिस वाले कहने लगे ''यार हमारे पास सवेरे से कोई ग्राहक नहीं फंसा हमको 100 रुपये दे दे।' मैंने थाने में टैलिफोन करके वह लाईसैस मंगवाया और उनको काफी डांटा। मेरे कहने का मतलब यह है कि थाने में आते हुए भी पैसे दो और जाते हुए भी पैसे दो। जिस साईड से पुलिस डिपार्टमैंट को पैसा मिलता है उसी तरफ को वे उनका पार्सल कर देते हैं और व लोगों के साथ इनजस्टिस करते हैं। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इस पर

पूरा कंट्रोल किया जाए। वहां जो सी० आर० पी० के नाके लगे हुए हैं उनको भी यहां की लोकल पुलिस ने पैसे लेने की आदत डाल दी है। पुलिस का रवैया ऐसा होना चाहिए कि कोई भी आदमी वहां से यदि गुजरे तो उसे जरूर चौक करो लेकिन उसके साथ मिसबिहेव मत करो। तो मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह इस ओर ध्यान दे।

इसी तरह से मैं रैवैन्यू डिपार्टमैंट की थोड़ी सी बात कहूंगा। वहां पर बहुत ही बुरी हालत है। इन्तकाल पर भी परसैन्टेज लेते हैं। 2 प्रतिशत, 3 प्रतिशत, और 5 प्रतिशत तक तहसीलदार लोग लेते हैं और सवेरे शाम तक रस बात की लोग दुहाई देते हैं। अब हमें यह नहीं पता कि वह ऊपर तक लिया जाता है या नीचे ही रह जाता है लेकिन जो सच्चाई है वह तो मैं कह ही सकता हूं।

तीसरी बात उग्रवादियों की है। उग्रवादियों का साया सबसे पहले नारायणगढ़ में ही पड़ा था। प्रौपर नारायणगढ से एक उग्रवादी पकड़ा गया। वह वहां रहता था, वहां के लोगों से मिलता जुलता था लेकिन वहां की पुलिस को यह पता ही नहीं था। यह पुलिस की लापरवाही है और इन्हीं लापरवाहियों की वजह से हमारे गरीब समाज पर अत्याचार होते हैं। (घंटी)हमारे गरीब समाज की कोई खास डिमाण्ड नहीं है हमारी डिमाण्ड यह है कि इस तरह के अत्याचारों को खत्म किया जाए और सरकार को इसके लिए कड़े कदम उठाने चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, बाकी जो उद्योगों की बात है इसके बारे में प्रार्थना है कि जो धीमान कास्ट है, जो कास्तकार हैं इनको 50 हजार तक का कर्जा सरकार की ओर से बगैर जमानत के मिलना चाहिए ताकि ये अपना कारोबार चला सकें। मण्डल रिपोर्ट के बारे में अर्ज यह है कि जो 10 प्रतिशत बैकवर्ड क्लास के लोगों के लिए हरियाणा में रिजर्वेशन है वह भी ठीक से उनको नहीं मिलता। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि मण्डल रिपोर्ट पर विचार किया जाए और 27 प्रतिशत रिजर्वेशन उनको मिलना चाहिए। धन्यवाद।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, डेढ़ घण्टा तो मुझे भी चाहिए इसलिए अब मुझे बोलने की इजाजत दीजिए।

श्री अध्यक्ष : मुख्यमंत्री जी अभी चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने भी बोलना है। उनके बाद आप बोल लीजिएगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अमर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायन्ट आफ आर्डर है। जब सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स डिमान्डज पास हो रही थी तो आपने फर्माया था कि आप मुझे टाईम देगे लेकिन अब आप बेरुखी जाहिर कर रहे है। मैं तो 5–7 मिनट लूंगा कोई ज्यादा समय नहीं लूंगा।

श्री अध्यक्ष अमर सिंह जी ऐसा है उन्हीं डिमान्डज पर

ऐप्रोप्रिएशन बिल भी आएगा। उस वक्त आप जितना चाहें उस पर बोल लेना।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद)अध्यक्ष महोदय, नौ तारीख को गवर्नर साहब यहां तशरीफ लाये थे और मौजूदा सरकार का तैयार किया हुआ अभिभाषण पढ़कर गये जिस पर चौधरी आन्नद सिंह डांगी ने मोशन मूव किया कि गवर्नर महोदय ने यहां आने का कष्ट किया और यह अभिभाषण पढ़ा, इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गवर्नर साहब का ताल्लुक है हम उनकी पूरी इज्जत करते हैं, उस आफिस का हम रिगार्ड करते हैं परन्तु मैं उन्हें किस बात के लिए धन्यवाद करूं? सारे अभिभाषण को मैंने एक बार नहीं बल्कि तीन बार पढ़कर देखा। मगर मुझे इस अभिभाषण में कोई भी अच्छी बात नहीं दिखाई दी। अगर इस अभिभाषण में किसान को, दुकानदार को, इंडस्ट्रीज को, 24 घंटे बिजली मिलने का वायदा होता तो मैं भी इस सरकार की प्रशंसा करता, धन्यवाद करता। इसके अलावा गवर्नर साहब के अभिभाषण में अगर इस बात की गारंटी दी गयी होती कि एस० वाई० एल० कैनाल फलां तारीख तक बनकर तैयार हो जायेगी और हरियाणा के प्यासे खेतों को पानी मिलेगा तो मैं भी चौधरी भजन लाल की सरकार की प्रशंसा करता। लेकिन इस अभिभाषण में कहीं भी ऐसी किसी भी नीति की तरफ संकेत नहीं किया गया है। इसके अलावा जो बढ़ती हुई बेकारी है, उस बेकारी को मौजूदा सरकार कैसे दूर करेगी, इसके बारे में भी कुछ नहीं

कहा गया है। अगर बेकारी के बारे में भी कुछ कहा गया होता तो भी हम धन्यवाद करते। इसके अलावा इंडस्ट्रीज के बारे में भी कोई संकेत नहीं दिया गया है कि कैसे हरियाणा प्रदेश को इंडस्ट्रियलाइज किया जायेगा, कैसे हरियाणा में अच्छी अच्छी इंडस्ट्री लागाई जायेंगी जिससे बेकारी दूर हो। अगर इस चीज की तरफ भी संकेत किया गया होता तो भी हम धन्यवाद करते। इस प्रकार से मुझे इस अभिभाषण में ऐसी कोई बात नजर नहीं आयी जिसके लिए मैं डांगी साहब द्वारा लाये गये धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करूं। स्पीकर सर, मुझे अर्ज करनी है कि इस प्रदेश में ला एंड आर्डर की पोजीशन क्या है? जब सरकार बदली थी तो मुख्यमंत्री जी ने इसी सदन में यह कहा था कि हरियाणा प्रान्त में आने वाले दिनों में ला एंड आर्डर की पोजीशन को इतना सुदृढ़ कर दिया जायेगा कि हमारी माताएं बहने अंधेरी रात में भी सीना तानकर चल सकेंगी। लेकिन इसके विपरीत गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में टोहाना का, नरवाना का और सिरसा का जिक्र किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री जी के स्टाफ के एक अफसर सहित उनके पूरे परिवार को, उनके गनमैन को, उनके ड्राईवर को समाप्त कर दिया गया। आज भी इस तरह की घटनाएं घटने से रुकी नहीं हैं। इसलिए सरकार को इन बातों पर पूरा गौर करना चाहिए। आज माताएं और बहनों के सीना तानकर चलने की बात तो दूर रही, आज तो प्रदेश में नौजवान भी सीना तानकर नहीं चल सकते। आज हाईवेज पर बारे छीनी जाती है, मोटर साईकिले छीनी जाती है और रौबरीज होती है इसलिए क्या मुख्य मंत्री जी

यह बतायेगे कि पिछले 9 महिनो मे उससे पहले पीरियड के मुकाबले में कितने बलात्कार के केसों में कमी आयी, कितने कत्ल के केसों में कमी आयी, कितनी रौबरीज के केसिज में कमी आयी तथा कितने किडनैप के केसिज में कमी आयी? इसके अलावा आपके समय में और आपसे पहले के समय में जो हरिजनों पर अत्याचार के केसिज हुए हैं उनमें कितना अन्तर है? अगर मुख्यमंत्री जी अपना जबाव देते समय ये सब बातें बतायेंगे तो मैं इनका बड़ा धन्यवादी होऊंगा।

स्पीकर साहब, यह हालत है आज ला एंड आर्डर की। इसके बाद अन–एम्पलायमैंट के बारे में मैं यह बताना चाहता हूं कि इस प्रदेश में बहुत बुरा हाल है। आप 10 पोस्ट्स के लिये आवेदन मागिये। 50,000 दरख्वास्तें आती हैं और उन 50,000 दरख्वास्तों में से जिस प्रकार से चयन होता है, उस बारे में मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। सुप्रीम कोर्ट का और हाई कोर्ट का इस बारे में एक फैसला है। खुद मुख्य मंत्री जी ने माना है। मैं इस बात को ऐप्रीशियेट करता हूं। 5200 टीचर्ज, लैक्चरर्ज और मास्टर्ज जो भर्ती किये गये हैं, एक–एक दिन में कई–कई हजार लोगों की इन्टरव्यू ली गयी है। खुद मुख्य मंत्री महोदय ने कहा है। हमने यह बात प्रैस में पढ़ी है कि इररैगुलैरिटीज इस बारे में हुई हैं। (विघ्न)सिलैक्शन में इन्होंने भी बहुत अच्छे आदमी लिये है लेकिन इनको इस बात को तो चौक कर लेना चाहिये कि ऐसी इररैगुलैरिटी भविष्य में न हो। मैं मुख्य मैली महोदय का छगन

एक और बात की तरफ दिलाना चाहता हूं। कुछ नियुक्तियां इनके ही आफिस से होती हैं। इतना ही नहीं ये नियुक्तियां मुख्य मंत्री जी की देख–रेख में ही होती है और हुई शी हैं। इस बारे मैं इनकी क्या हालत है? 22 ऐडीशनल अस्सिटैट और डिप्टी ऐडवोकेट जनरल की पोस्टें भरी गयीं। उनमें से 12 आदमी ऐसे हैं जो पंजाब के लोग हैं। हमारी इस बारे में आपत्ति यह नहीं है कि कौन कहां का है, किसका रिश्तेदार है, लायक है या नही लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या लायक और काबिल आदमियों की हरियाणा में कमी है और मैरिट पर आने वाले खत्म हो गये? क्या हरियाणा प्रान्त में वकील अच्छे नहीं मिलते जो आपने बाहर से लगाये हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रान्त के लोगों में बेकारी बहुत है। नौकरियों के जरूरतमन्द आदमी यहां पर बहुत हैं। हमें इस बात पर एतराज नहीं है कि फलां–फलां का रिश्तेदार है, उसको क्यों रख लिया लेकिन वह हरियाणा के बाशिन्दे तो हों। बल्कि हम तो यह कहते हैं कि जब हरियाणा के बहुत से लोग बेकार देह तो पंजाब के लोगों को नौकरियों में आप क्यों रखते हो? इसी तरह से हरियाणा में 68 कारपोरेशन्ज और बोर्डज हैं। उनमें लीगल ऐडवाईजर्ज की नियुक्तियां हुई हैं। उनमें से भी 20 से अधिक आदमी पंजाब से लिये गये हैं। अगर हमारे लोगों को नहीं लगाना चाहते तो हमें कोई आपत्ति नहीं है, आप अपने लोगों को लगाइये लेकिन आप पंजाब से लगायें, यू० पी० से लगायें या राजस्थान से लगायें, यह बात हमें सहन नहीं है। जब हमारे पास टेलैन्ट अवेलेबल है, हमारे पास अच्छे वकील साहेबान

है, हमारे पास बढ़िया मैटीरियल अवेलेबल है तब हम बाहर के लोगों को क्यो लगाये? मुख्य मंत्री जी से इस बात के लिये मैं निवेदन करुगा कि वे इस बात का स्पष्टीकरण दे कि हरियाणा में जो इतनी अनएम्पलायमैंट है और जोकि दिन–रात और बढ़ती ही जा रही उसके लिये सरकार की नीति क्या है? इस अभिभाषण में तो हमें कहीं कुछ देखने को नहीं मिला। अगर मुख्य मंत्री हमें यह बता देंगे तो ठीक रहेगा। मेरा ऐसा भी मानना है कि कल को यदि ये पोस्टों का नम्बर बढ़ा देंगे, टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रेशन कर देंगे तो बेकारी दूर नही होगी। मुख्य मंत्री जी आपको इस बेकारी को दूर करने के लिये प्रान्त को इंडस्ट्रियालाईज करना ही होगा। छोटे उद्योगों की ओर जबरदस्त ध्यान आपको देना ही पड़ेगा, तभी इस बढ़ती हुई बीमारी को आप थोड़ा–बहुत कन्टेन कर सकते हो वरना नहीं। इसलिये मैं आपके जरिये मुख्य मंत्री महोदय से गुजारिश करूंगा कि इस बारे में वे डिटेल में बतायें कि आपके अपने इस 9 महीने के शासन के दौरान में, जैसे कि जिन्दल साहब ने भी आपको फरमाया, एक करोड़ से ज्यादा को कितनी बड़ी इंडस्ट्रीज हरियाणा में आयी हैं। (व्यवधान)अगर आयी होंगी तो हमें इस बात की खुशी होगी, परन्तु वे बता दें। साथ ही मैं एक गुजारिश यह भी करूंगा कि इस अपने 9 महीने के कार्यकाल में इन्होंने कितनी कौटेज इंडस्ट्रीज लगायी हैं, कितनी स्माल स्केन इंडस्ट्रीज लगायी हैं। इस बारे में अगर वे सदन में विवरण देंगे तो हम मुख्य मंत्री जी के आभारी होंगे।

स्पीकर सर, इसके इलावा, मैं पुलिस के बारे में गुजारिश करना चाहूंगा। पुलिस की भर्ती हुई। कहां कहां से लिये, कहां से नहीं लिये गये ऐसी कोई बात मैं नहीं कहना चाहता क्योंकि सुनने में आया है कि सभी लोग हरियाणा से ही थे। हमें सुनकर बड़ी खुशी हुई कि बाहर से कोई नहीं लिया गया लेकिन और अच्छा हो अगर पुलिस की भर्ती जिला हैड क्वार्टर पर हो, पब्लिक की दृष्टि में हो, बेशक आपके इशारे पर हो परन्तु हरियाणा में जो भर्ती हो, वह यदि मैरिट पर हो तो हमें और खुशी होगी। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने पुलिस आन्दोलन के नाम से रोहतक फै अन्दर एक आन्दोलन किया। उसको इन्होंने कंटेन किया। उनमें से कुछ लोगों को इन्होंने एन ० एस ० ए ० के तहत वन्द कर दिया। 5—10, 15 आदमी एन ० एस ० ए ० के तहत नजरबन्द हैं। परसों अखबारों में हमने पढ़ा था कि उस पुलिस संगठन ने यह कहा है कि हम अपना आन्दोलन वापिस लेते है। तो मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि सभी पुलिस में भर्ती लड़के इनके अपने ही हैं कोई बाहर के नहीं हैं। वे बहुत सख्त डयूटी करते हैं। कभी कभी तो वे लोग 2 4—24 घंटे डयूटियां देते हैं। इस बात का सब को पता ही है। उन बेचारो की जो जायज मांगें हैं सरकार उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे और उनके नुमाइन्दों के साथ क्रौस दी टेबल बात करे और जो जो लोग एन ० एस० ए० के तहत काफी अर्से से बन्द है उनको सरकार बिना किसी शर्त के रिहा करे। ऐसे मोमैन्ट कई बार हो जाया करते है।

मै मुख्य मंत्री महोदय से यह क् हूंगा कि वे इस बात को दिल पर न लगाएं और नजरबन्द लोगों को बिना शर्त रिहा करें तो इनकी मेहरबानी होगी।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं पैन्शन के बारे में अपने विचार यहां सदन के अन्दर रखना कहूंगा। पैरा 6 में जिस किसी ने भी टविस्ट करके बड़ी खूबसूरती के साथ लिखा है उसका सारा क्रेडिट उन्होंने चौधरी भजन लाल जी को ही दिया है कि यह नई स्कीम चालू की गई है, न्यू स्कीम बनायी गई है। मैं मुख्य मन्त्री महोदय को यह बताना चाहता हूं कि यह स्कीम नई नहीं है। यह ओल्ड एज पैन्शन की 1987 की पुरानी स्कीम है। (शोर)जो बुजुर्ग लोगों को पैन्शन दी गई 100 रुपया माहबार वह 1987 की स्कीम थी। वड़ी अचम्भे की बात है कि या तो मुझे हिसाब किताब नहीं आता या फिर आप कही हिसाब किताब में चूक गये। आप कहते हैं कि इस पर 64 करोड़ रुपया खर्च किया जाएगा जिसके तहत 7.40 लाख बैनी फिशरीज को लाभ होगा। 100 से जर्ब देकर के आप देख लो आपको पता चल जाएगा। इसमें अध्यक्ष महोदय एक और बात लिखकर गजब ढा दिया जिसके तहत बैकबर्ड और हरिजनों का 45 परसैन्ट इजाफा हो गया है।

जन–स्वास्थय मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा)स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो इन्होंने गुणा–भाग की बात की है कि इतना पैसा होना चाहिए उसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि इनको हिसाब नहीं आता क्योंकि जाट के बारे में कहावत है

.....

चौधरी वीरेन्द्र सिंह ऐसी बात कह कर आप अपने आप को मिनिमाइज कर रहे है, मैं तो उनमें से नही हूं। तो मैं यह कहे रहा था कि 45 % बैकवर्ड और हरिजनों के लोग और बैनिफिशरीज हुए हैं।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, नेहरा जी ने जो जाट वाली बात कही है वह रिकार्ड से निकाल दी जाए।

श्री अध्यक्ष : ठीक है वह बात रिकार्ड पर ही न लाई जाए।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह तो मैं मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जब उनकी सरकार बनी उससे पहले कितने हरिजनों और बैकवर्ड क्लास के लोगों को पैन्शन मिलती थी और उसके बाद कितने को मिल रही है?

इससे आगे इस ऐडैरस में पावर के बारे में पैरा है। उसमें लिखा गया है कि मौजूदा सरकार ने 351 लाख यूनिट प्रति दिन बिजली देने का रिकार्ड रख दिया। यह बहुत खुशी की बात है कि इम्प्रूवमैंट हुई है। लेकिन यह भो बताएं कि कितनी मांग आगे बढने जा रही है और उसके लिए कौन कौन से नए प्रोजैक्टस लेकर आ रहे हैं ताकि रिक्वायरमैट मीट कर सकें। इंडस्ट्री की, खेती की, ट्यूबवैल की, घर की और दुकान की रिकवायरमैंट आप कैसे मीट करेंगे इस बारे में इस अभिभाषण में

कोई चर्चा नहीं की गई। इसमें एक वेग सी स्टेटमैंट लिखी है कि निकट भविष्य में फरीदाबाद में गैस वेस्ड थर्मल प्लांट का प्रधान मन्त्री जी उद्घाटन करेंगे। मैं जानना चाहता हूं मुख्य मन्त्री जी से या अपने दोस्त श्री शमशेर सिंह जी से कि यमुना नगर थर्मल प्लांट का क्या हुआ, उसकी चर्चा क्यों छोड़ गए? मुख्य मन्त्री जी ने मुख्य मन्त्री बनने के तीन चार महीने पश्चात कहा था कि पहली नवम्बर को हरियाणा दिवस पर प्रधान मन्त्री उसका शिलान्यास करेंगे लेकिन आज तक नहीं हुआ। फिर इन्होंने कहा कि पार्लियामैंट के बाई इलैक्शन के बाद उसका शिलान्यास होगा, वह भी आज तक नहीं हुआ। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस अभिभाषण में भी उस यमुनानगर थर्मल प्लांट का किसी प्रकार की कोई चर्चा नहीं है। ऐसा करके इन्होंने एक सन्देह पैदा कर दिया है कि शायद वह प्रोजैक्ट ड्रौप हो चुका है। जो प्रोजैक्ट एन ० टी ० पी ० सी ० ने बनाना था वह अब शायद न बने।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला स्पीकर साहब, मैं इनको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी मुख्य मन्त्री थे तो ये उनकी मिनिस्टरी में मण्डी थे। इनके पास मेरे वाला महकमा था। उस समय हरियाणा बिजली बोर्ड का जो प्रोजैक्ट था उसको इन्होंने छोड़ दिया और एन ० टी ० पी ० सी ० को दे दिया। अब उसके बारे में हमारा बड़ा पोजेटिव प्रोग्राम है जिसके बारे में मुख्यमन्त्री जी बताएगे कि इस सरकार ने कुछ नहीं छोड़ा बल्कि यह सरकार तो छोड़ काम को पूरा करने वाली है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश है कि चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला को बहुत नुक्ते याद हैं। कोई भी बात हो, इनके पास उसका एक ही जवाब होता णै कि पिछली सरकार ने अपने चार साल के समय कुछ नही किया। आज ये कहते हैं कि यह किसानों की तथाकथित सरकार है। मैं इस बात के बारे में कोई चर्चा नहीं करता। हमारे में बहुत कमियां हो सकती हैं लेकिन चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए इसलिये मैं इनको थोड़ी बहुत बात कह देता हूं। यदि चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला मेरी बात से नाराज होते हैं तो मैं उसकी चर्चा नही करुंगा। आप बिल्कुल 16 आने सही रहे इसलिये मैं आपको याद दिला देता हूं और कोई बात नहीं बै। मेरी गुजारिश यह थी कि हमने वह प्रोजैक्ट एन० टी ० पी ० सी० को इसलिये दिया था कि उस समय फाइनेंशियल कस्ट्रेंट था और वह अब भी है। उस प्रोजैक्ट को आप अब भी नहीं बना पाएंगे। हम फौरी तौर पर यह चाहते थे कि वह प्रोजैक्ट कम्पलीट हो जाए और हरियाणा प्रान्त में बिजली आए। ऐसा प्रोजैक्ट एक दिन में बनकर तैयार नहीं होता। ऐसा प्रोजैक्ट बनाने में सालों साल बीत जाते है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए हमने बहुत थौरो डैलीब्रेशन्ज के बाद वह प्रोजैक्ट एन० टी० पी० सी० को दिया था। कोई आदमी यह कह दे कि हमने यह गुनाह किया था तो हम वह कबूल करने के लिये तैयार हैं और जो सजा यह हाउस हमें देगा वह मजूंर होगी। (घंटी)स्पीकर साहब, मैं केवल 5 मिनट और बोलूंगा और अगर मैं कोई इररैलेवैट बात कहूं तो आप मुझे बैठा

दें अब मैं एस० वाई० एल० नहर के बारे में थोड़ी चर्चा करना चाहूंगा बडी बदकिस्मती है कि सरकारें आई और चली गई परन्तु एस० वाई० एल० नहर कार काम कम्पलीट होने में नहीं आ रहा है। इसी सूदन में यह भी चर्चा आ जाती है कि पिछले तीन चार साल में एस० वाई० एल० नहर का कोई कामु नहीं हुआ। स्पीकर साहब मैं पिछले तीन चार साल में से दो अढ़ाई साल का हिसाब दे सकता हूं। मेरे पास यह सरकार का ही कागज है यह कागज मैं चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला को दे दूंगा। इस कागज में जो आकड़े हैं उन्हें ये देख लें कि मई 1987 तक उस नहर का कितना काम हुआ था और मई 1987 से दिसम्बर 1989 तक कितना काम हुआ था क्योंकि दिसम्बर 1989 के बाद मैं उस सरकार से इस्तीफा देकर चला गया था। तो उस दो अढ़ाई साले के पीरियड में एस० वाई० एल० नहर का कितना क्रम हुआ था वह मैं आपको बत्रा देता हूं। जब हमने पिछली सरकार का चार्ज सम्भाला उस समय तक एस० वाई० एल० नहर का अर्थ वर्क 74 परसैन्ट हुआ था तसको हमने आ केरके दो अढ़ाई साल में 96 परसैन्ट तक किया था। जब हमने पिछली सरकार का चार्ज सम्भाला उस समय तक उसका लाइनिंग का 33 परसैन्ट काम हुआ था उसको हमने दो अढ़ाई साल के पीरियड में 93 परसैन्ट तक कम्पलीट किया था यानी 60 परसैन्ट लाइनिंग का काम हमनें किया था। जब हम सत्तार में आए तो उस समय तक 11 ड्रेनेज बननी थी उनमें से आपने कोई ड्रेन नहीं बनवाई हमने 10 ड्रेन तैयार करवाई और 76 पुल बनने थे जिनमें से आपके जमाने में नैशनल हाईवे पर 4 पुल बने थे हमने

48 पुल विलेज रोडज पर बनवाए। तीन रेलवे ब्रिजिज में से एक रेलवे ब्रिज हमने बनवाया और स्टेट हाईवे पर 4 पुल हमने बनवाए।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जो आकड़े पड़े सुनने वालों को उनसे ऐसा लगता है कि एस० वाई० एल० नहर बननी भी इनके वक्त में शुरु हुई थी और समाप्त भी इनके वक्त में हुई लेकिन यह बात सच नहीं है। इन दोनों बातों में आपकी बात का सारा सार है यह सच है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, इन्होंने उस नहर का काम शुरु करवाया था और वह बनने ही वाली थी लेकिन ये चले गए वरना यह काम भी इन्हीं के खाते में चला जाता।

श्री अध्यक्ष : आप यह भी बता दें कि उस समय उस नहर के काम के लिए पैसा कहा से आया और उसको बुनाने वाले इंजीनियर कौने थे?

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, पैसा गवर्नमैंट औफ इंडिया से आया था और उसको बनाने वाले पंजाब के इंजीनियर थे। स्पीकर साहब, हमारी बडी बदकिस्मती है कि एस० वाई० एल० नहर का पानी हरियाणा प्रान्त की भूमि में लगने में नहीं आ रहा है। मेरी अपनी इन्डिविजुअल राय यह है कि इस इशू को हम जितना उछाल रहे हैं उतना ही नुकसान हो रहा है। इस ईशू को

सही ढंग से टैकल करना चाहिए ताकि हरियाणा प्रान्त की भूमि को एस०वाई०एल० नहर का पानी मिल सके। नई नई बातें आ रही हैं। (विघ्न)सबसे पहले 78 में पानी का फैसला हुआ था। फिर बाद में 1982 में चौधरी भजन लाल ने उस फैसले को बदलवा दिया और सुप्रीम कोर्ट से पानी की अपोरशनमैंट का केस वापस ले लिया। इस मुद्दे पर तरह तरह की बातें उठ रही हैं। हमें प्रैस से अलग अलग पढ्ने को मिल रहा है कि पानी की अपोरशनमैंट के लिये सारा केस पुनः सुप्रीम कोर्ट को सौंपा जा रहा है। मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि अगर उस समय यह केस वापस लिया न गया होता तो देश की सबसे बड़ी कोर्ट से इस बारे में फैसला हो चुका होता। बाद में जैसा मैंने कहा है कि 1982 में आपने फैसला करवाया। मैंने तो उस समय भी असैम्बली में कहा था कि 31 मार्च 1981 को जो पानी 17. 17 एम० ए० एफ० था उसमें से 3.5 एम० ए० एफ० पानी दिलवाया जाए। आपने जो फैसला करवाया वह 15 एम० ए० एफ ० पानी की मात्रा में से करवाया जबकि 31 दिसम्बर 1980 को जब उस में 17.17 एम० ए० एफ० पानी था तो हमें 3.5 एम० ए० एफ० नही बल्कि ज्यादा पानी मिलना चाहिए था। इसलिए मैं कहता हूं कि उस समय आपने कम पानी लिया। 3.5 एम ० ए० एफ० पानी लेकर आपने प्रदेश में जशन मनाया, दीवाली मनाई। आप ने फिर राजीव लौंगोवाल समझौते के तहत इस पानी के फैसले को बदलवा दिया क्योंकि उस समय आपने इस केस को फिर री–ओपन कर दिया। इसके लिये इराड़ी ट्रिब्यूनल बैठाया गया। उसने फैसला दिया कि इतना पानी हरियाणा को मिलना

चाहिए। इसलिये मेरी गुजारिश है कि खुदा के लिए इराड़ी ट्रिब्यूनल का फैसला अब मत बदलवाइये। हम इस पानी को छोड़ने के लिये कतई तैयार नहीं गै। मैं यह गुजारिश करना चाहता हूं कि अगर आप यह स्टैण्ड लें कि पानी किसी भी हालत में कम नहीं होना चाहिए तो हम आपके साथ हैं। जो भी आप हमारी डयूटी इस बारे में लगाना चाहेगे उसको हम बखूबी पूरी करेंगे। जिस तरह की लड़ाई आप इस बारे में लड़ना चाहेंगे हम आपके साथ हैं।

अध्यक्ष महोदय, टैरिटरीज का सवाल भी चण्डीगढ़ और अबोहर–फाजिल्का के फैसले के साथ जुड़ा हुआ है। इस बारे में भी अलग अलग बातें हो रही हैं यह अच्छी बातें नहीं हैं। इसमें दो तरह की बातें आ गई हैं। सरकार के ही लोग कुछ कह रहे हैं। अगर इस तरह की बातें होती रहेंगी तो इससे हरियाणा प्रान्त का बेस कमजोर हो सकता है। जिन बातों के साथ हरियाणा के हित जुड़े हुए हैं उन बातों पर संयम से काम लेते हुए प्रैस में जायें तो प्रदेश के लिये अच्छा होगा। अब मैं एक छोटी सी बात और कहना चाहता हूं। यहां पर बोलते हुए श्री जिंदल जी ने छोटूराम जी का जिकर कर दिया तो इनकी तरफ से शोर मचाया गया। मैं कहना चाहता हूं कि सर छोटू राम जी न मेरे, न भाई बीरेन्द्र सिंह जी के और न ही सुरजेवाला जी के हैं वे तो 36 बिरादरी के नेता और हमदर्द रहे हैं। वे तो सभी गरीब लोगों के रहनुमा थे। जिन्दल साहब ने यदि उनकी चर्चा कर दी तो यह उनकी श्रद्धा है।

(विध्न)आप आपे से बाहर क्यों हो रहे हैं? आपकी उन पर मोनोपली नहीं है। केवल इन्हीं की मोनोपली नहीं है जो यह कह रहे थे कि जिन्दल साहब ने उनका जिक्र क्यों किया या उनकी ऐप्रिसियेशन क्यों की। सब का मन है जो भी श्रद्धा रखता है वह रख सकता है। स्पीकर साहब, उनका बुत लगना था। वहां की लौकल जाट सभा के लोग रैजोल्यूशन ले कर आए थे। दो म्यूनिसिपल कमेटी के रैजोल्यूशन हैं। चौधरी भजन लाल जी से भी वे लोग मिले तो इन्होंने हां कर दी थी। (विघ्न)जो कुछ उन लोगों ने मुझे बताया मैं उसका ही जिक्र कर रहा हूं। चौधरी साहब ने कहा कि सर छोटू राम बहुत महान आदमी थे हमारे रहबर थे, हमारे रहनुमा थे अगर यहां पर उनका बुत नहीं लगेगा तो फिर किस का बुत लगेगा। फिर पता नहीं क्या बात अचानक हुई। एक लेडी की छोटी सी तस्वीर का स्टैच्यू वहां पर लगाया हुआ है जो कि एक ओर्नामैंटल पीस है। कहने लगे कि यह कोई गुजरी का महल है, ऐसी कोई बात है। लेकिन इस का कोई रिकार्ड नहीं है और न कोई ऐसी बात है। अगर सर छोटू राम जी का स्टैच्यू वहां पर लगे तो बड़ी अच्छी बात है। माननीय मुख्य मन्त्री जी, सर छोटू राम का स्टैच्यू लगाने के लिए फव्वारा चौक से उपयुक्त कोई और स्थान नहीं है। मैं मुख्य मन्त्री जी से गुजारिश करूंगा कि वहां पर उनका स्टैच्यू लगवाए। जो जगह उसके बराबर में आप देना चाहते हैं वह सर छोटू राम की शान के मुताबिक जगह नहीं है उनके बुत के शान के साया नहीं है इसलिए उनका बुत फव्वारा चौक में ही लगवाएं। वह ओर्नामैटल

पीस भी वहां पर खड़ा रहे किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? इसलिए मैं गुजारिश करूंगा कि वह बुत वहां पर लगाया जाए।

स्पीकर साहब, एक और छोटी सी बात मैं कहूंगा। मैं अपने हल्के की बात तो क्या कहूं। जब भी चौधरी साहब मुख्य मन्त्री बन कर आते हैं मेरे हल्के के सारे सैक्शंड प्रोजैक्ट आदमपुर चले जाते हैं। (हंसी)पिछली बार हमारा अस्पताल आदमपुर ले गये। वह अस्पताल मंजूर मेरे हल्के के लिये था लेकिन उसको उठा कर आदमपुर ले गए। (विघ्न)चौधरी साहब, मैं 1977 की बात कह रहा हूं। कौम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर की बिल्डिंग रूफ तक आई हुई है और उस बिल्डिंग पर लाखों रुपया खर्च हो चुका है लेकिन उस पर अब काम बन्द पडा है। (विघ्न)चौटाला साहब ने बन्द किया था। मैं कब कहता हूं कि बन्द नहीं किया था लेकिन आपे अब उसको शुरू करवा दीजिए। मेरे ख्याल में 85–90 लाख रुपये की ग्रेन मार्किट वहां पर मंजूर हुई थी वह भी आधी बनी है और आधी की हालत बहुत ही खस्ता है और वहां पर गधे घोड़े चर रहे हैं। जितने काम वहां शुरू हुए थे वै सब बन्द पड़े हैं। मेरी एक प्रार्थना बहन श्रान्ति देवी जी से है। औप स्कूलों को जरूर अप ग्रेड करें परन्तु केवल वहीं के ही अपग्रेड न करें जहां पर कांग्रेसी उम्मीदवार जीते हैं। आप केवल कन्हीं की मन्त्री नहीं हैं जहां से कांग्रेसी एम० एल० एज० जीते हैं आप सारे हरियाणा की मन्त्री हैं और वे जो लोग वहां पर रहते हैं जरूरी नहीं है कि सदा वीरेन्द्र सिंह को ही इलैक्ट करते रहें किसी दिन कांग्रेसी को भी इलैक्ट

कर लेंगे। मेरे कहने का मतलब यह 'है कि उनके साथ भेदभाव नहीं बरतना चाहिए। जो शुगरकेन आपने मेहम और जीन्द के शूगर मिल्ज के लिये बौंड किया था मेरा 'इलाका दोनों शुगर मिल्ज से कवर होता है। लोगों को एक डेढ़ महीने से पर्चियां नहीं मिल रही हैं और वहां पर ईख सड़ रहा है। इसलिये मुख्य मन्त्री जी से गुजारिश करूंगा कि इन दोनों मिलों की तफतीश करवाएं कि क्या बात हो गई है क्यों पर्चियां नहीं दे रहे हैं ताकि यह काम ठीक हो सके और जमींदार का, किसान का गन्ना मिलों में जा सके। अन्त में, मैं आपका अत्यन्त आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया। स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री अमर सिह स्पीकर साहब, मैं भी बोलने के लिये समय चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष आप अभी बैठिए और मुख्य मन्त्री जी को बोलने दीजिए। (विघ्न)

श्री अमर सिंह स्पीकर सर–

''दस्तूरे जवाबबन्दी है कैसी तेरी महफिल में,

यहां तो बात करने को तरसती हैं जुबां मेरी।''

श्री अध्यक्ष आप बजट पर खूब बोल लेना। अभी कृपया बैठिए।

13.00 बजे

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसी महीने की 9 तारीख को महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में एक बहुत ही शानदार अभिभाषण दिया और उस अभिभाषण में हरियाणा के चहुंमुखी विकास काउन्होने वर्णन किया। मुझे बहुत ही दुख के साथ कहना पड़ता है कि सजपा के माननीय सदस्यगणों ने किस तरह से अभद्र व्यवहार दिया। यहां तक कि उन्होंने अभिभाषण की प्रतियां भी फाड़ दीं। उनका सारे का सारा रोह बहुत हो निन्दनीय रहा। उसकी जितनी भी भर्तसना की जाए कम है। अध्यक्ष महोदय, प्रजातन्त्र मैं अपोजीशन का होना उतना ही जरूरी है जितना की सरकार का है। अपोजिंशन के बगैर सरकार का बहुत बड़ा महत्व नहीं रहता। अगर सरकार में कोई कमी हो, काम ठीक नहीं करती है, कोई बुराई हो, विकास के कार्यो में कमी हो और कहीं पर जातीय जुर्म होते हों तो उनको चाहिए कि सरकार का डट 'कर विरोध करें और उन्हें यह भी चाहिए कि वे सरकार को कुछ सुझाव दें ताकि सरकार अच्छे सुझावों को मानकर अच्छा काम करे। लेकिन उनका तो एक लक्ष्य था कि किसी भी तरह से हाउस की कार्यवाही को चलने नहीं देना है। इसके साथ ही आपने कितनी ही नम्रता के साथ और सहस्वभाव के साथ उनको टैकल करने की कोशिश की लेकिन उसके बावजूद भी वे टस से मस नहीं हुए। उन्होंने जो प्लैन बना रखा था, वैसे ही वे करते रहे। आपने मजबूरी में बहुत ही भरे मन से वह फैसला

किया। अच्छा होता कि वे सदन में बैठे रहते और कुछ बातें वे कहते और कुछ बातें हम कहते और हम उनको उनका चार साल का इतिहास बताते कि उन्होंने क्या क्या किया था ताकि वे बातें सुनकर कुछ महसूस करते लेकिन ऐसा न करके वे सदन का बहिष्कार करके चले गए। अध्यक्ष महोदय, वे जनता के नुमायंदे है और जनता इसलिए नुमायदे और एम० एल० एज० चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी बातें हाउस में कहें और उनकी समस्याओं का जिक्र करें और सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करे। लेकिन उनके दिमाग में यह बात नही है उनके दिमाग में सिर्फ एक ही बात है कि इस साइड पर कांग्रेस सरकार क्यों बैठी है। वे चाहते हैं कि किसी भी तरह से यह गद्दी दोबारा से उनके हाथ में आ जाए। इसलिये उन्होंने बावेला मचाना शुरु किया जोकि बहुत ही निन्दनीय है। मैं कड़े शब्दों में इसकी निन्दा करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात शुरु करने से पहले प्रधानमन्त्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने पंजाब में चुनाव कराके एक बहुत ही शानदार काम किया है। देश की जनता समझती थी और बहुत से हमारे भाई भी यह समझते थे कि पंजाब में चुनाव नहीं होंगे और शायद चुनावों को कैसिल कर देंगे। प्रधान मन्त्री जी ने यह बात कही थी कि पंजाब में चुनी हुई सरकार बनेगी और उन्होंने इलैक्शन करवाए। मैं इस बात के लिये पंजाब की ऐडमिनिस्ट्रेशन को भी बधाई देता हू और खासतौर से भारत सरकार को भी देता हूं। पहले जब चुनाव कराने की प्रक्रिया

शुरु की थी तो वहा 27 कैडिडेट मारे गए थे। परन्तु अब एक भी कैंडिडेट नहीं मारा गया। यह बात ठीक है कि वहां वोट कम पड़े इसमें कोई दो राय नहीं है। आप तो जानते ही हैं कि वहां पर कितना भय और डर का वातावरण बना हुआ था जिसकी वजह से बहुत से लोग वोट डालने नही गए। लेकिन बहां चुनाव हुए और बहुत ही शानदार तरीके से वहा के लोगो ने पंजाब मे चुनी हुई सरकर कायम की। इस बात के लिए मैं वहा की जनता को बधाई देना चाहता हूं और भारत सरकार को भी मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि भारत सरकार ने समय पर चुनाव करवाए और ये चुनाव बहुत ही शान्ति पूर्वक हुए और पंजाब के लोगों ने बहुत ही समझदारी से काम लेकर के पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनाई। पंजाब के लोग जानते थे कि कांग्रेस के अलावा कोई पार्टी ऐसी नहीं है जो मुल्क को सही दिशा दे सके या इस मुल्क को, समूचे भारत को इकट्ठा रख सके। इसी बात को ध्यान में रखकर पंजाब के लोगों ने कांग्रेस के हाथ में पंजाब की बागडोर दी। पंजाब के मुख्य मन्त्री श्री बेअंत सिंह 'इक बहुत ही सुलझे हुए इन्सान नैं, बहुत ही नेक इन्सान हैं, सारी बातों को समझने वाले है और वे जानते हैं कि किसी तरह से इस प्रदेश के वातावरण को ठीक करना है। प्रदेश के माहौल को ठीक करने के लिए सारे देश को चाहिए कि वे सरकार की मदद करे और इस जलते हुए पंजाब को बचाए। (शोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इसमें इन्ट्रप्ट करने की कोई बात नही

है। मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि अगर मैं कोई ऐसी बात कहूं तो ये प्वायंट आफ आर्डर उठायें लेकिन वैसे ही बीच में न बोलें। हमने भी किसी को बीच में नहीं टोका है। इनको भी बोलने का मौका मिलेगा। हम कोई ऐसी बात नहीं कहेंगे जिससे किसी महानुभाव को तकलीफ हो। हमने रीजनेबल बात कही है कोई भी ऐसी बात नहीं कही है।

Mr. Speaker : It is not right to break the continuity of the speech.

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, पंजाब में चुनी हुई सरकार बनी। पंजाब और हरियाणा के बारे में यहां पर तरह तरह की चर्चाएं चलीं, कुछ शंकाएं व्यक्त की गयी। कुछ सदस्यों ने तो यहां तक कह दिया कि भजन लाल में और पंजाब के मुख्यमन्त्री में न जाने अन्दरखाने क्या क्या बातें हुई है। भजन लाल ने पंजाब के मुख्यमन्त्री को अपने घर पर नाश्ते पर क्यों बुला लिया? आप यह जानते हैं कि वहां पर नयी सरकार बनी है इसलिये मेरा कर्तव्य था कि पंजाब के मुख्यमन्त्री को अपने घर पर नाश्ते के लिए बुलाऊं। उस समय वहां पर कोई ऐसी बात नही हुई। लेकिन जब दो सियासी आदमी मिलते हैं दो मुख्यमन्त्री मिलते है तो कुछ बाते तो जरूर होती हैं। इसलिये मैं इस बात से इंकार नही करता कि कुछ बाते नही हुई। परन्तु मैं एक बात जरूर कह सकता हूं कि हम जब भी ऐसी कोई बात करेगे और हरियाणा के हितों का सवाल आयेगा तो सरकार सारे विपक्ष को विश्वास में लेकर ही बात

करेगी। हरियाणा के हितों के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होगा। पंजाब वाले भी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि हरियाणा को हर हालत में पानी मिलना चाहिए। इसके अलावा वह इस बात को भी जानते हैं कि अगर चण्डीगढ़ जायेगा तो उसके बदले में पंजाब का इलाका भी हमको यानी हरियाणा को देना पड़ेगा। सियासी आदमी वोट लेने के लिये जनता को राजी करने के लिए कुछ भी कह देते हें लेकिन असलियत में अगर चंडीगढ पंजाब को जायेगा तो क्या हरियाणा को उसके बदले में कोई इलाका नहीं मिलेगा? बाकायदा शाह कमीशन और इन्दिरा अवार्ड इस बारे में हमारे सामने हैं। मैं अगर सारी कहानी को दोबारा से दोहराऊंगा तो बहुत समय लग जायेगा। लेकिन एक बात मैं निश्चित तौर पर कह सकता एड कि हरियाणा के हित प्रधानमन्त्री के हाथों में पूरी तरह सुरक्षित हैं। अगर एक बाप के दो बेटे हों और वह कोई फैसला करे तो वह दोनों बेटों को एक समान समझकर ही फैसला करता है। (विघ्न)आप ठीक कहते हैं कि पंजाब में भी और केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है इसलिये इस बारे में केन्द्र की सरकार को भी, पंजाब की सरकार को भी और हरियाणा की सरकार को भी देखना चाहिए। इसलिये हमें पूरा विश्वास है कि हरियाणा के साथ कोई ज्यादती होने का सवाल ही पैदा नहीं होता, हरियाणा को पूरा इंसाफ मिलेगा। इस बारे में किसी को चिन्ता करने की जरूरत नही है। जहां तक पानी का सवाल है और जैसा कि चौ० बंसी लाल जी ने भी कहा कि मैंने 1976 में फैसला करवाया था। यह ठीक बात है कि 1976 में फैसला हुआ

था। जब यह फैसला हुआ था तो उस समय हम भी कांग्रेस के मन्त्री और एम० एल० ए० के रूप में ही थे। लेकिन 1976 से 1982 तक यानी 6 सालों में पंजाब के एरिये में जो एस0 वाई० एल० कैनाल बननी थी, उसके लिए अगर किसी ने एक भी कस्सी मरवायी हो तो कोई भी महानुभाव मुझे खड़ा होकर बता दें। अभी चौ० वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि हम इसके लिये 1982 में कोर्ट में गये और आपने यह केस वापस ले लिया परन्तु ऐसा करने से. केस बिगड़ा या नहीं यह मुझे नहीं मालूम क्योंकि मैं आपकी बात प्री तरह समझ नहीं पाया लेकिन आप लोग यह केस 82 में इसलिये कोर्ट में ले गये थे कि यह और उलझे तथा हरियाणा को पानी न मिले। आपको शायद यह नहीं पता कि सुप्रीम कोर्ट में ऐसे फैसले बीस बीस साल तक हल नहीं होते। जब मैं मुख्य मन्त्री बना था तो सबसे पहले 79 में मैंने इसी बात को लेकर पंजाब के मुख्य मन्त्री के साथ बीसियों मीटिंग्ज की होंगी। आज दरबारा सिंह हमारे बीच में नहीं है। वह बहुत ही बढ़िया शानदार और सैकुलर इंसान थे। उनके दिमाग में कोई प्रांत की बात नहीं थी कि पंजाब का अकेले का कुछ हो। उनके होते हुए राजस्थान के मुख्य मन्त्री, हरियाणा का मुख्य मन्त्री मैं था और पंजाब के मुख्य मन्त्री श्री दरबारा सिंह जी हुआ करते थे, हम सबने बैठकर बीसियों मीटिंगें करके फैसला लिया। तीनों के उस ऐग्रीमैंट पर साईन हैं कि कितना पानी हरियाणा को मिलेगा और वह फैसला हो गया। उसके बाद अकालियों ने कह दिया कि हम इस फैसले को नहीं मानेंगे और एक ट्रिब्यूनल बनाया जाये। उस ट्रिब्यूनल–में

सुप्रीम कोर्ट के एक सिटिंग जज और दो, हाई कोर्ट के सीटिंग जज, एक केरला हाई कोर्ट का और एक गुजरात हाई कोर्ट का था। इराड़ी ट्रिब्यूनल के बारे में आप सब को बहुत अच्छी तरह से पता है उन्होंने एक एक बात को देखा। वे एक एक बात की तह में गए। वे पंजाब में गए, हरियाणा में गये। सारे पानी का जायजा लिया कि सारा कितना पानी है और कितना पानी हरियाणा को मिलना चाहिए। एक एक बात की तद् में जाकर के हरियाणा को उन्होंने 3.5 एम० ए० एफ० की बजाये 4 x 3.85 एम० ए० एफ० पानी, यानी कि बढ़ाकर हरियाणा को दिया। यह बात भी आपके सामने है। उसी बात को सामने रखकर उस फैसले को अकालियो ने माना। इसका प्रूफ आपके सामने है कि बरनाला साहब जब मुख्य मन्त्री थे तो उन्होंने अपने जमाने में पंजाब में जमीन एक्वायर की और बरनाला साहब के वक्त में 75 प्रतिशत नहर का काम करवा दिया गया। अगर अकालियों ने यह फैसला मंजूर न किया होता तो उस नहर को बनाने की क्या आवश्यकता थी। आज किस मुहं से अकाली यह कहते हैं कि हम इस फैसले को नहीं मानते। किस मुहं से बादल कहता है कि हम नहीं मानते। किस मुहं से बरनाला साहब क्ले हैं कि हम इस फैसले को नहीं मानते। इस नहर को हम मिट्टी से भरेंगे। उनसे पूछने वाला यंदि कोई हो तो पूछे के अरे यह बनाई किसने है? 75 प्रतिशत इस नहर का काम तो इनके वक्त में पूरा हुआ है। उनको यह भी याद होगा कि जब चौधरी देवी लाल जी हरियाणा में मुख्य मंत्री थे, एक समय यह बात भी आयी थी कि चौधरी देवी लाल उस फंक्शन की

अध्यक्षता करेंगे और बादल साहब उस नहर के बनाने के लिये कस्सी मारेंगे। आपको याद होगा यह 1977 की बात है। इसके लिये कार्ड भी बंट चुके थे लेकिन पता नहीं बाद में सारा मामला हो गोल हो गया। आज किस मुंह से अकाली यह कहते हैं कि हम पानी नहीं देंगे। किस मुंह से वे यह कहते हैं कि चंडीगढ़ के बदले अबोहर फाजिल्का पर हरियाणा का हक नहीं है। आपको पता है कि चंडीगढ हरियाणा को मिलना था। शाह–कमीशन ने चण्डीगढ़ हमको दिया था। जब सत फतेह सिंह ने कहा कि मैं तो जुल कर मरूंगा उसके बाद अवार्ड आया और उस अवार्ड ने यह कहा कि चंडीगढ़ तो उनको दे दिया और चंडीगढ के बदले में अबोहर फाजिल्का हरियाणा को दिया गया है। उस समय पंजाब में दीवाली मनाई गई। यही लोग कहते थे कि चंडीगढ़ तो हमने ले लिया फाजिल्का अबोहर का तो थोड़ा सा एरिया है जो हरियाणा को दिया गया है। आज वही भाई यह कहें कि चंडीगढ़ तो पंजाब के लिये ही बना था, यह कितनी बड़ी गलत बात है। चंडीगढ़ अकेले पंजाब के लिये कभी नही बना था। उस वक्त ज्वायंट पंजाब के लिये बना था। उस वक्त के ज्वायंट पंजाब मे आज का पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश का कुछ एरिया पडता था। आप जानो हैं कि ज्वायंट पंजाब की कैपिटल चडीगढ मनायी गयी थी। यह कहना कि चंडीगढ तो पंजाब के लिये था, हरियाणा के लिये नहीं, गलत बात है। यह तो तीनों स्टेट्स के लिये चना था। हमने चंडीगढ़ पंजाब को देने की बात को देश के हित में माना था। उस समय चौधरी बसी लाल प्रदेश के मुख्य मंत्री थे। उस वक्त

कितनी ऐजीटेशन हुई। तकरीबन दस आदमी गोलियों से मारे गये और कितने ही आदमी जख्मी हुए थे। इस बात को भी हरियाणा प्रदेश के लोग जानते हैं कि देश में शान्ति रखने के लिये, देश की एकता कायम रखने के लिये और पंजाब के हालात को देखते हुए हम यह चाहते हैं कि अच्छे ढंग से आपस में बैठकर बातचीत से कोई हल हो जाये जिससे वातावरण ठीक हो और दोनों प्रदेशों में आपस में कड़वाहट दूर हो सके। हम यह नहीं चाहते कि यहां का माहौल बिगड़े। हम यह चाहते हैं कि कोई ऐसा रास्ता निकले जिससे दोनों प्रदेशों की तसल्ली भी हो जाये। उनके साथ भी ज्यादती न हो और हरियाणा के साथ भी ज्यादती न हो। सारा मामला शान्ति से बातचीत करके और बैठ करके तय कर लिया जाये। मैंने सरदार बेअंत सिंह से यह कहा भी है कि एक दफा, दो दफा, तीन दफा बैठकर अगर बातचीत से कोई मसले का हल हो जाये तो एक अच्छा माहौल वन सकेगा। इससे प्रदेश के लोगों को भी शान्ति मिलेगी और वातावरण भी शुद्ध होगा। मैंने उनको कहा कि सारा देश आज आपकी तरफ देख रहा है। आज पंजाब के मामले को लेकर अगर कोई वातावरण को बिगाड़ने की कोशिश करता है तो सबसे पहले लोग उस आदमी पर टूट पड़ते हैं कि फलां आदमी पंजाब के माहौल को बिगाड़ रहा है। इसलिये हम यह चाहते हैं कि पंजाब का वातावरण ठीक हो यहां का माहौल ठीक हो। बातचीत से मसले हल किये जायें न कि सुप्रीम कोर्ट में जायें या दूसरी जगह जायें। पंजाब कोई पाकिस्तान में नहीं है। देश का एक हिस्सा है। स्पीकर साहब, इसके साथ साथ माननीय

सदस्यों ने कुछ रातें और भी कही हैं। मैं उन पर हुई चर्चा के बारे में आपकी सेवा में अर्ज करना चाहूंगा।

अध्यक्ष महोदय, इन बातों के इलावा मैं अखबार वाले भाइयों को भी मुबारिक बाद देना चाहूंगा जिन्होंने सजपा के विधायकों के रोल को प्रैस में कंडैम किया है। आज वे हमारे सामने नहीं बैठे हैं। बहुत सारी बातें यहां पर हुई जिन के बारे में मैं विस्तार से कहूंगा। सब से पहले मैं हरियाणा प्रदेश के विकास की गति के सम्बन्ध में यहां पर बताना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आज हरियाणा बने लगभग 25 साल हो गये हैं। हरियाणा ने हर क्षेत्र में रिकार्ड तोड़ तरक्की की है जिसके आकड़े आपके सामने हैं और उनको बार बार दोहराने की आवश्यकता नहीं अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को बने अभी 9 महीने ही हुए हैं। हमने सरकार रस्ते ही सक से पइके यह कहा कि हमारे प्रदेश में अमन–शान्ति चाहिये लेकिन कुछ महानुभावों ने यहां पर कहा कि यहां पर अमनशान्ति नहीं है। मैं मानता हूं कि कुछ उग्रवादियों की गतिविधियों के कारण यहां हरियाणा में गड़बड़ अवश्य हुई है। कई जगहों पर बड़ी भयंकर घटनाएं भी हुई हैं जिसका हमें बेहद दुख है। आप जानते हैं कि पंजाब में जय आर्मी तैनात की गई तो उस आर्मी के दबाव के कारण उग्रवादियों ने हरियाणा के अन्दर गड़बड़ करनी शुरू कर दी। यह स्वाभाविक ही था क्योंकि हमारे खेत के साथ उनका खेत लगता है, बोर्डर लगता है। पंजाब के बहुत से भाईयों की रिश्तेदारियां

हरियाणा के अन्दर हैं और बहुत से लोग अमृतसर लाहौर जैसी जगहों से व रोपड़ बगैरह से आकर इधर हरियाणा के अन्दर बसे हैं। हुआ क्या कि पंजाब से उग्रवादी वारदातें करके इधर छुप जाते थे और जब इधर वारदात करते तो फिर उधर जाकर के छुप जाते थे। सिरसा और टोहाना में दो तीन बड़ी दुर्घटनाएं उग्रवादियों द्वारा की गई लेकिन जितनी भी घटनाएं यहां हुई उन सारे उग्रवादियों में से आधे से ज्यादा हमने पकड़ लिये हैं। रिकार्ड के अनुसार सिरसा में टोहाना की घटना से सम्बन्धित तीन उग्रवादियों को पकड़ा है पाच एक जगह और तीन को एक जगह आइडैन्टीफाई कर लिया है और हमारी बराबर यह कोशिश है कि हम जल्दी से जल्दी उनको पकड़ लेगे। श्री एम ० एल ० वर्मा जी के हत्यारों को भी हमने पकड़ लिया है। उनको मारने वाले चार आदमी थे। उन में से एक तो उनके गांव में ही व्याहा हुआ था। जब पुलिस ने उसको घेर लिया तो उसने साइनाईड खाकर के आत्म हत्या कर ली और दूसरा पुलिस मुकाबिले में मारा गया। एक पकड़ा नहीं गया। जो एक पकड़ा गया है उससे पूछताछ के समय ये सारी बातें सामने आई हैं और उसने बताया कि हमने यह सारा षडयन्त्र कहां कहां वैठ कर रचा था और हमारा क्या प्रोग्राम था? उनसे पूछने पर पता चला कि उनका मुझे भी मारने का षडचन्त्र था। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला के अन्दर 26 तारीख को एक फंक्शन था लेकिन 24 तारीख को हमारी कुशल पुलिस ने दो आदमियों को पकड़ लिया जोकि रिमोट कंट्रोल लेकर के आ रहे थे। जब वे पकड़े गये तो उन्होंने बताया कि हम चौधरी भजन लाल को भी

मारना चाहते थे। मैं अपनी पुलिस को दाद देता हूं कि हमारी पुलिस ने बड़ी सतर्कता से काम लिया और सभी वांछित मुलजमों को पकड़ा और कोई पुलिस मुकाबले में मर गया। सिर्फ तीन हमारे हाथ में नहीं आ पाए बाकी लोगों को हमने या तो मार दिया या पकड़ लिया है। उन लोगों के पास से हमने राईफलें भी बरामद की हैं। दो आदमी पुलिस मुकाबिले में मारे गए। लाडवा के इलाके में जो डेरे हैं उनमें आकर उग्रवादियों ने शरण ली। हमने उनसे भी जानकारी हासिल की है और जो सही मुलजिम थे उनका पता लगा कर आधों को गिरफतार कर लिया और बाकी के भी कर लेंगे। मैं अपनी पुलिस को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने बहुत शानदार काम किया है। यह तो थी हरियाणा के अन्दर ला एंड आर्डर की बात।

इसके बाद मैं विकास के बारे में कहना चाहता हूं। हरियाणा को बने हुए 25 साल हो गए हैं। इन 25 सालों में हमने हर शोबे में तरक्की की। चाहे इंडस्ट्री की बात है, चाहे बिजली की बात है, पानी की बात है या रोजगार देने की बात है। जितने भी अदारे हैं, हर अदारे में हमने वातावरण को ठीक करने की कोशिश की है। हमारा प्रयास यह है कि प्रदेश के अन्दर शान्ति के साथ विकास हो। वीरेन्द्र सिंह जी, हमने वैसे नहीं किया जैसे चौधरी देवी लाल और चौटाला के वक्त में ग्रीन ब्रिगेड के लोगों ने भय और आतंक का वातावरण बना रखा था। उन्होंने मकानों पर कब्जा कर लिया जमीनों पर कब्जा कर लिया और किसी की बहू

बेटी की इज्जत लूट ली। आपने आज कह दिया कि वहां पर यह हो गया और वह हो गया। मैं यह नहीं कहता कि कुछ नहीं हुआ, इक्का दुक्का बारदातों को कोई नहीं रोक सकता। राम के राज में भी राक्षस थे और सीता का हरण हो गया था। लेकिन हमने वातावरण को ठीक करने में भरसक प्रयत्न किया है। आज लोग महसूस करते हैं कि पहले के वातावरण में और आज के वातावरण में अन्तर आया है। अन्तर वैसे ही नहीं आया, हमने सुधार भी किया है। हमने पुलिस फोर्स और ऐडमिनिस्ट्रेशन को ठीक किया है और प्रदेश में शान्ति बनाने के लिए वातावरण को ठीक करने की कोशिश की है ताकि फिर कोई बारदात हरियाणा में न हो सके। आपने देखा होगा कि श्री एम ० एल ० बर्मा के कत्ल की वारदात के बाद कोई ऐसी वारदात नहीं हुई जो बहुत ज्यादा सीरियस हो। इक्का दुक्का घटनाएं तो होती रहती हैं।

अध्यक्ष महोदय, जो जो मुद्दे माननीय सदस्यों ने उठाए हैं मैं उनका जबाव महकमें–वाइज देना चाहूंगा। मैं इनकी चर्चा करने से पहले एक बात चौधरी बंसी लाल जी को कहना चाहता हूं। जसवंत सिंह आयोग की रिपोर्ट के बारे में मैं कल कहना चाहता था लेकिन आप वाक आउट कर गए थे। मेरे पास दिनांक 27–3–1990 को राज्य सभा में हुई कार्यवाही की सूचना है। क्वैश्चन नं ० 216 है और यह क्वैश्चन करने वाले हैं सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा और दूसरे हैं श्री राम जेठ मलानी। उन द्वारा यह सवाल प्रधान मन्त्री जी से पूछा गया है जो निम्न प्रकार है–

(क)क्या सरकार ने न्यायमूर्ति, जसवंत सिंह आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन का अध्ययन कर लिया है, जिसे 1985 में हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मन्त्री के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने के लिये नियुक्त किया गया था?

(ख)यदि हा, तो क्या सरकार उस आयोग के निष्कर्षो के अनुसार कार्यवाही करने का विचार रखती है,

(ग)यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है, और

(घ)यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

इसके जवाब में प्रधान मती श्री वी० पी० सिंह जी कहते हैं :–

'' (क)से (घ)न्यायमूर्ति श्री जसवंत सिंह को जांच आयोग अधिनियम 1952 के अन्तर्गत न्यायमूर्ति जसवंत सिंह आयोग के रूप में नियुक्त नहीं किया गया था। उन्हें तो, कई संसद सदस्यों तथा हरियाणा विधान सभा के विधायकों द्वारा 4 जुलाई, 1985 को तत्कालीन प्रधान मती को प्रस्तुत किए गए ज्ञापन में निहित मामलों, जिनमें हरियाणा के तत्कालीन मुख्य मंत्री श्री भजन लाल तथा उनके सबंधियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के कुछ आरोप लगाए गए थे, की एक प्रारम्भिक जांच करने के लिए केवल विशेष न्यायाधीश ही नियूक्त किया गया था। उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट अगस्त, 1985 में प्रस्तुत कर दी थी। अपनी रिपोर्ट में वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि श्री भजन लाल तथा उनके निकट

संबंधियों पर प्रथमदृष्टया कोई मामला नहीं बनता।'' यह सवालों और जवाबों की उस दिन की कार्यवाही है यह मैं चौधरी बंसी लाल जी, आपको भिजवा दूंगा आप इसको पढ़ लेना।''

अध्यक्ष महोदय, श्री राम विलास शर्मा जी ने हाउस में बोलते हुए यह कहा कि हरियाणा के किसानों को सूरजमुखी के बीज मुहैया करवाने में बड़ी भारी कमी रही। माननीय सदस्य इस समय हाउस में मौजूद नहीं हैं। हमने इस दफा 15 फरवरी तक सूरजमुखी का बीज पूरा बांट दिया था और किसी किसान को सूरजमुखी के बीज की कोई दिक्कत नहीं आई थी। हो सकता है किसी किसान ने किसी प्राईवेट आदमी से सूरजमुखी का बीज ले लिया हो और उसमें कोई शिकायत आई हो। सरकार जिन अदारों के माध्यम से सूरजमुखी का बीज बेचती है उसमें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आई। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल किसानों के नाम पर वोट ले जाते हैं। किसानों के नाम पर किसानों को गुमराह करने–का उनका नजरिया रहता है। मैं सभी माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि आज की सरकार ने किसानों को उनकी फसलों का जितना अच्छा भाव दिया है उतना अच्छा भाव आज से पहले जब से देश आजाद हुआ है किसी भी सरकार के समय में नहीं दिया गया। मैं आपको भाव के आकडे बताना चाहूंगा। आज की सरकार ने किसानों को गन्ने का भाव 45 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ा कर 49 रुपए प्रति क्विटल दिया है। आज से पहले किसी भी सरकार ने

गन्ने का इतना भाव किसानों को नहीं दिया। आज यू० पी० के मुख्य मंत्री का और गवर्नर साहब का हमारे पास रोज टैलीफोन आता है कि चौधरी भजन लाल जी आपके प्रान्त के साथ लगते हुए हमारे एरिया के किसानों का गन्ना भी आप ले लें। इसी तरह से हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री और गवर्नर साहब का रोज टैलीफोन आता है कि चौधरी भजन लाल जी आपके प्रदेश के साथ लगते हुए हमारे एरिया के किसानों का गन्ना भी आप ले लें। मैंने उनसे यह कहा कि हम आपसे इस भाव में गन्ना नहीं ले सकते। हमने गन्ने का जो भाव दिया है वह हरियाणा के किसानों के लिए दिया है अगर हम आपका गन्ना इस भाव पर लेंगे तो हमारे जो शूगर मिल कुछ घाटे में चल रहे हैं वे और ज्यादा घाटे में चले जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त के किसानों के लिए हम शूगर मिलों में और घाटा सहन कर लेंगे लेकिन दूसरी जगहों से इस भाव पर गन्ना नहीं लेंगे। आज की सरकार ने जितना अच्छा गन्ने का भाव किसानों को दिया है इतना अच्छा भाव आज से पहले किसी सरकार ने दिया हो तो आप मुझे बताएं। इसी तरह से आज देसी कपास और नरमा 1400–1500 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह हिसार जिले में रहते हैं और सिरसा जिले के माननीय सदस्य भी हाउस में मौजूद हैं इस बारे में इनको पता है कि देसी कपास और नरमा इसी भाव में बिक रहे हैं। इसी तरह से जीरी का भाव है। आज किसानों को जीरी के इतने अच्छे भाव के कारण प्रति एकड़ के हिसाब से 15000 से ले कर 20000 रुपए तक की कमाई हुई है।

आज की सरकार ने पिछले 6 महीने में किसानों को उनकी फसलों का ज्यादा भाव दिया है जिसके कारण किसानों को 800 करोड़ रुपए का फायदा पहुंचा है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, यहां हाउस में बिजली के बारे में भी चर्चा की गई। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आपने एक बात मेरे बारे में यह कही कि मैंने यह कहा कि पहली नवम्बर को प्रधान मंत्री जी फरीदाबाद में गैस बेस्ड थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखेगे। मैंने कैटेगोरीक्ली यह नही कहा था कि उसी दिन प्रधान मंत्री जी उसकी आधारशिला रखेंगे। मैंने तो यह कहा था कि हमारी कोशिश यह होगी कि हम प्रधान मंत्री जी से पहली नवम्बर को उस प्रोजैक्ट की आधारशिला रखवाएंगे। लेकिन आप जानते हैं भारत सरकार का ऐसा मामला है कि एक कागज एक टेबल से दूसरी टेबल पर पहुंचने में बहुत समय लग जाता है। चौधरी बंसी लाल जी भारत सरकार में रहे हैं ये इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। जब प्रधान भली जी फरीदाबाद में आए थे तो उस समय मैंने उनके सामने बाकायदा खुल कर यह कहा था कि राव साहब हमारे दो प्रोजैक्ट्स एक 840 मैगावाट का यमुनानगर में और एक 820 मैगावाट का फरीदाबाद में बनना है, फरीदाबाद में तो गैस बेस्ड थर्मल पावर प्लांट बनना है आप उनकी आधारशिला कब रखेंगे? वहां पर उस समय उन्होंने यह अनाउंसमैंट की थी कि चौधरी भजन लाल जी मैं यह सब कुछ देख दिखा कर आपको यह प्रोजैक्ट दिया है और बहुत जल्दी ही अपने हाथों से मैं फरीदाबाद गैस बैस्ड थर्मल पावर प्लांट की आधार शिखा रखूंगा। आज से एक सप्ताह पहले दिल्ली में एक

मीटिंग हुई थी उस मीटिंग में बाकायदा फाईनैसं मिनिस्टर, फाईनैस सैक्रेटरी, एनर्जी मिनिस्टर, एनर्जी सैक्रेटरी तथा मैं मौजूद थे। हम सबने एक साथ बैठ कर वह मीटिंग की थी। जो यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का मामला है वह बहुत सी जगहो से क्लीयर हो गया है लेकिन एक आध जगह से अभी, क्लीयर नही हुआ है। लेकिन उन्होने वायदा किया कि 15 दिन के अन्दर अन्दर इन प्रोजैक्टस को क्लीयर कर देंगे। इसलिए प्रधान मंत्री के हाथों से इन दोनों प्रोजैक्टस की आधारशिला निकट भविष्य में रखी जा रही

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष यदि हाउस की सहमति हो तो सदन का समय आधा घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें डाक है।

श्री अध्यक्ष हाउस का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लाल चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने यह बात भी कही कि कई नहरों में पानी टेल तक नहीं जाता। हमने सरकार बनते समय शुरु में ही कहा था कि हम टेल तक पानी पहुंचाएंगे। इसके लिए नहरों की मुरम्मत करनी पड़ेगी और सफाई

करनी पडेगी। जिन नहरों की पटरियां टूटी हुई थी उनको ठीक किया और नहरों की सफाई की। हमने 90 परसैट टेलों पर पानी पहुंचाया है 5–10 परसैटं टेल्ज की तो मैं कह नहीं सकता। इनके पिछले 4 सालों के राज में इन नहरों की कितनी बुरी हालत थी वह सभी को पता है। (विघ्न)इस सरकार ने आते ही कहा था कि हर टेल तक पानी पहुंचाया जाएगा और हमने वैसा किया भी है। हमने यह इसलिए किया ताकि किसान को पानी मिल सके और उसकी फसल की पैदावार बढ़ सके। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जब से यह सरकार आई है बिजली का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। हमने 58.6 प्रतिशत बिजली किसान को दी है ताकि किसान का टयूबवैल क काम चलता रहे। हमने किसान पर कोई बिजली का कट नही लगाया। किसी किसान की तरफ से बिजली की कोई शिकायत नही मिली। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी बात कर रहे थे कि हमने थर्मल प्लांट चालू किए। मैं पूछना चाहता हूं।कि क्या आपके समय में पि सी भी नए थर्मल प्लांट की नीव रखी गई? आप तो सिंचाई तथा बिजली मंत्री भी रह चुके है और आपको पता भी है कि एक थर्मल प्लांट 4–5 साल से पहले तैयार नही होता। जो थर्मल प्लांट आपके। समय में चालू हुए उनकी आधारीशिला हमारी रखी हुई थी आपकी नहीं। जो भी बिजली यहां पर आई है वह हम ही लाए हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं इनको एक बात और बताना चाहता हूं कि अब किसानों, की जमीन ऐक्वायर की जाती थी तो उसे उस

जमीन का पिछले पांच साल की ऐवरेज को ध्यान में रखते हुए मुआवजा दिया जाता था। देहात के लोग रजिस्टरी कम रेट की करवाते थे और जब जमीन ऐक्वायर होती थी तो उनको कम रेट मिलता था। अब इस सरकार ने फैसला लिया है कि भविष्य में जिस किसान की जमीन ऐक्वायर की जायेगी उसको मार्किट भाव दिया जायेगा। पहले किसानों को पैसा देंगे, उसके बाद जमीन का कब्जा लेंगे। अगर किसी किसान की इण्डस्ट्रीज के लिए जमीन ली जायेगी तो उसे एक इण्डस्ट्रियल प्लाट दिया जायेगा और अगर किसी की जमीन रहने के लिए ली जायेगी तो उसे रहने के लिए एक प्लाट दिया जायेगा।

स्पीकर साहब, अभी हाल ही में हमने रोहतक में एक सेमीनार किया था। वहां पर हमने नारा दिया है कि 'हर गांव का विकास हो'। हमने विकास चौपाल का आयोजन किया। हमने नारा दिया कि 'हर खेत में हरियाली और हर घर में खुशहाली। हर खेत में हरियाली तभी होगी जब हर खेत को हम बिजली देंगे और ' पानी देंगे और किसान को अच्छा भाव देंगे। हर घर में खुशहाली तभी होगी जब हर घर में सभी सुख सुविधाएं होंगी। हमने हर घर में सुख–सुविधाएं देने की कोशिश की है। हम चाहते हैं कि हर आदमी अमन–चौन की नींद सोये और उठे। इनके नेता का यदि मैं कोई और नाम लूंगा तो इन्हें एतराज होगा, इसलिए मैं कहता हूं कि इनके नेता चौटाला कहते थे कि वह इन्सान क्या जिसके नाम से रात के दो बजे हजारों आदमियों की नींद खराब

न हो जाये और वे चारपाई से नीचे न गिर जायें। लेकिन हमारे समय में ऐसी बात नहीं है। हम चाहते हैं कि हर आदमी अमन चौन की नींद सोये। सरकार की कोशिश है कि किसी को किसी प्रकार की उदासी न हो और किसी पर कोई अत्याचार न हो। किसी पर कोई जुल्म न हो। किसी बहू बेटी की इज्जत न लूटी जाये। मैं फिर से कहता हूं कि हमारी यही कोशिश है कि हर आदमी चौन की नींद सोये।

अध्यक्ष महोदय, हमने खेती को प्रोसाहन देने के लिए ईनाम भी रखे हैं जो किसान एक हैक्टेयर में उत्पादन बढ़ाएगा उसके लिए बाकायदा 10 हजार, 5 हजार और तीन हजार रुपये के ईनाम रखे हैं। ये ईनाम फलों पर भी दिए जाएंगे और सब्जियों पर भी दिए जाएंगे। इसी तरह से हम चाहते हैं कि गन्ना पैदा करने वाला या दूसरी सब्जी पैदा करने वाला जो भी है सभी के लिए ईनाम रखे हैं। चौधरी बसी लाल जी ने कहा कि 5400 टीचरों के चयन को हाई कोर्ट ने रह कर दिया। इसके साथ ही साथ एक ही सांस में ये एक और बात भी कह गए कि सुना है कि इसके लिए 20 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई। स्पीकर साहब, मैं चौधरी बंसी लाल जी से कहूंगा कि या तो गलत बात कही नहीं जानी चाहिए और यदि कही जाए तो फिर उसको साबित करना चाहिए। अगर आप एक भी बात साबित कर देंगे तो मैं इस्तीफा दे कर घर चला जाऊंगा। अगर एक पैसे की भी रिश्वत साबित हो जाए तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। ऐसा नहीं है कि जैसे

पिछली सरकार ने पुलिस की भर्ती की और एक एक सिपाही से 30–30 हजार रुपये रिश्वत के लिए गए।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, कोई कहने नहीं आता है कि मैंनें पैसे दिए हैं। लिए तो इन्होंने भी है परन्तु कहने कोई नहीं आएगा किं हमने दिए हैं। (शोर एवं निम्न)

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बंसी लाल जी की बात को चौलेंज करता हूं। इस बात के लिए हाउस की एक कमेटी बना दीजिए और वह कमेटी भी अपोजीशन के मैम्बरों की बना दीजिए। (विघ्न)अपोजीशन के रीजनेबल आदमियों के नाम हम उसमें दे देंगे लेकिन सजपा वालों को उसमें नहीं रखेंगे। यहां आपकी पार्टी में आपको छोड़ कर और भी बहुत भले आदमी हैं। (विघ्न एवं शोर)बी ० जे ० पी ० का भी एक भाई है वह भी भला आदमी है हम उनकी कमेटी बनाएंगे। अगर इन्कवायरी करने के बाद हाउस में आ कर आपकी बात को वे मान लेंगे तो जो सजा आप देंगे वह हम भुगत लेंगे। (विघ्न एवं व्यवधान)स्पीकर साहब, सारे प्रदेश के लोग जानते हैं कि आज नौकरी या तबादले में कोई पैसे लेने की बात इस सरकार के बारे में नहीं कह सकता लेकिन चौधरी साहब आपने यह बात कही है इसका हमें बड़ा दुख है। (विष्य)स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने चूंकि यह कह दिया इसलिए मैं कोई ऐसी बात नहीं कहना चाहता। ये हमारे बहुत सीनियर मैम्बर रहे हैं और हम तथा ये एक साथ रहे हैं। इसलिए इनको भी कोई गलत बात कहना शोभा नहीं देता। (विघ्न एवं

व्यवधान)पुरानी दोस्ती तो हमें निभानी ही पड़ती है। 'आप चाहे अहसान फरामोश हो जाओ लेकिन भजन लाल तो अहसान फरामोश नहीं हो सकता। (विघ्न एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष आप दोनों तो आपस की अंदर बाहर की सब बातें जानते हो। (हंसी)

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, इनकी बात बिल्कुल ठीक है कि चयन को हाईकोर्ट ने रद्द किया। मैं भी इस बात को महसूस करता हूं कि महकमें से इसमें थोड़ी भूल जरूर हुई है। एक–एक आदमी एक–एक दिन में 700 आदमी टपा दे तो यह कोई अच्छी बात नहीं है। हम यह चाहते है कि जो टीचरों की भर्ती होती है और जिन्होंने बच्चों को बाकायदा पढ़ाना है उनका इन्टरव्यू ठीक तरह से लिया जाए, मैरिट के लिहाज से उन्हें लिया जाए। सिलैक्शन तो मैरिट के आधार पर ही होना चाहिए। उन्होंने सिलैक्शन तो जरूर मैरिट से ही किया होगा लेकिन जो तरीका है कि एक आदमी एक दिन में 700 आदमियों को भुगता दे यह बात जमती नहीं है। इस बारे में बहुत से लोगों ने कहा कि अपील करनी है लेकिन मैंने कहा कि बिछल अपील नहीं करेगे और दोबारा से इस का चयन करेंगे ताकि ठीक तरीके से टीचर्ज का सिलैक्शन हो सके। एक बात और चौधरी बंसी लाल जी ने कह दी कि करैक्टर वैरिफिकेलन की चीफ सैक्रेटरी ने छूट दे दी। चौधरी साहब आप अपना जमाना भूल गए। आप याद करना मैं आपको बताना चाहता हूं कि 8 जून, 1976 को भारत सरकार की

हिदायतों के अनुसार करैक्टर वैरिफिकेशन में छूट के लिए कहा गया था। इसमें आपका भी कसूर नहीं है क्योंकि भारत सरकार ने आपको हिदायत भेजी थी। (विघ्न)

श्री बंसी लाल आपने कौन सी डेट बताई है?

चौधरी भजन लाल 8 जून, 1976।

श्री बंसी लाल 8 जून, 1976 को तो मैं मुख्य मन्त्री ही नहीं था।

चौधरी भजन लाल उस वक्त बनारसी दास गुप्ता जी चीफ मिनिस्टर थे और वे आपके ही नुमायन्दे थे। (विघ्न)वह आप का ही मन्त्री था। भारत सरकार ने कहा था कि जो बहुत जरूरी और अहम मसले हों और सरकार का काम चहने में रूकावट पड़ रही हो तो उसमें आप वैरिफिकेशन बाद में भी करवा सकते हैं और अप्वायंटमैंट पहले कर सकते हैं। आपको याद होगा कि आप लोगों ने ही इसी हाउस में कहा था कि इतने स्कूलों में टीचर नहीं हैं और जगहें खाली पड़ी हैं। हमने कहा था कि जल्दी लगाने की कोशिश करेंगे। किसी ने इस बारे में जिक्र नहीं किया। आपको याद होगा श्रीमती चन्द्रावती ने कहा, राम बिलास शर्मा जी ने कहा था कि आई० टी० आईज० के अन्दर टीचर्ज नहीं हैं। हमने कहा था कि 15 दिन के अन्दर अन्दर बाकायदा हम टीचर्ज लगा देंगे। अब 15 दिन में टीचर लगाने की बात हमने कही? अगर वैरिफिकेशन कराएं तो कम से कम तीन महीने उसमें लगते हैं और

बच्चों के इम्तिहान आने वाले हैं। हमने बाकायदा उन टीचरों से ऐफिडैविट लिए कि वे किसी केस में इन्वौल्वड नहीं हैं और उनके खिलाफ कोई केस नहीं है। उनका करैकटर ठीक है। तब जाकर हमने उनकी नियुक्ति की और वह कंडीशनल है। यह नहीं कि उनमें से कोई परमानैन्ट होगा। इसके साथ ही चौधरी साहब मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब आप दोबारा मुख्यमंत्री बने थे तो 1 लाख 349 व्यक्तियों को आपने बगैर वैरिफिकेशन के ज्वाइन करवा दिया था।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, क्या ये उनके नम्बर बता देंगे? (विज)

चौधरी भजन लाल आपको तो हम आकड़े भी बता देंगे जोकि इस प्रकार हैं। 1987 में 225, 1988 में 630, 1989 में 143, 1990 में 330 और 1991 जून तक 26 हजार 6 सौ। (विध्न)मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के वक्त की भी बात कर रहा हू। मेरे कहने का मतलब यह है कि कोई हार्ड एंड फास्ट रूल नहीं है बल्कि हालात देखने पड़ते हैं। तो यह जरूरी है कि अगर बच्चों के इम्तिहान आ रहे हो तो टीचरों को ऐफिडैविट लेकर कंडीशनल लगाना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, कुछ यहां पर शिक्षा का जिक्र आया।

श्री अमर सिंह क्या इनको ऐडहोक पर लगाया जा रहा है?

चौधरी भजन लाल : अभी जो ऐडहोक पर लगे हैं वे ऐडहोक पर ही रहेंगे क्योंकि बच्चों के इम्तिहान हैं। अगर उनको हटा देंगे तो बच्चों का क्या होगा? जैसे ही नए और अच्छे टीचर आएंगे तो वे चले जाएंगे। इसके साथ ही जहां तक ऐजुकेशन का जिक्र है हमने बी० ए० तक लड़कियों की शिक्षा फ्री कर दी है ताकि समाज लड़कियों की शिक्षा की तरफ ज्यादा ध्यान दे। चाहे वे प्राईवेट कालेज हों या सरकारी कालेज हों, चाहे प्राईवेट स्कूल हों या सरकारी स्कूल हों सब जगह लड़कियों की शिक्षा फ्री होगी। इसके साथ ही जो मां–बाप वर्दियां और किताबें भी नहीं खरीद सकेंगे तो हम वर्दियां और किताबें भी फ्री देंगे। ऐसा हमने फैसला किया है। इसके साय ही हम 6 से 11 वर्ष की उम्र की सारी लड़कियों को स्कूलों में प्रवेश दिलवाएंगे ताकि इस प्रदेश में आने वाली पीढ़ी अनपढ़ न रहे। आप जानते हैं कि 1961 की जनगणना के अनुसार हरियाणा में कुल पढ़े लिखो की संख्या 19.2 प्रतिशत थी लेकिन उसके बाद हमने बहुत तरक्की की। अब महिलाओं की संख्या 41 प्रतिशत तक पहुंची है और लड़कों की संख्या 56 प्रतिशत तक पहुंची है और हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा शिक्षा की तरफ ध्यान दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय, श्री राम भजन अग्रवाल जी ने बिजली बोर्ड के बारे में कहा कि पावर सप्लाई के कनैक्शन देने की गति धीमी है और बिजली के खम्बों का अभाव है। मैं सारे सदन को बताना चाहता हूं कि पिछले 5–5, 7–7 सालों से जिन लोगों को

कनैक्शन नहीं मिले थे अब हम 20 हजार कनैक्शन उनको देंगे और मुझे सदन में यह बताते हुए खुशी है कि 19 हजार 2 सौ को फरवरी के आखिर तक कनैक्शन मिल चुके हैं और जो हमने 31 मार्च तक 20 हजार कनैकंशन देने को कहा था वह हम 22 हजार तक कनैक्शन दे देंगे। बिजली बोर्ड ने बहुत ही शानदार काम किया है।

श्री अमर सिंह डिस्ट्रिकटवाईज ब्रेक–अप दे दें।

चौधरी भजन लाल डिस्ट्रिक्ट वाईज ब्रेकअप मेरे पास नहीं है। आप सवाल पूछ लेना तो हम आपको जवाब देंगे। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हमने कहा था कि अगर हमारा राज आ गया तो 25 प्रतिशत बिजली बढ़ाएंगे। हमने पिछले 8 महीनों में 30 प्रतिशत बिजली की बढ़ौतरी की जो कि एक रिकार्ड की बात है। उसमें से हमने ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बिजली देने की कोशिश की। चौधरी वैसी लाल और श्री ओम प्रकाश जिन्दल जी ने कहा कि वर्तमान राज में एक करोड़ से अधिक के पूंजीनिवेश के उद्योग कम लगे हैं। इसके बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा आप जरा नोट कर लीजिये। हमारे पास 70 ऐसे उद्योग हैं जिन्हें हमने लैटर आफ इन्टैन्टस दे दी है। ये उद्योग एक एक करोड रुपये से ज्यादा की पूंजी के हैं। अभी कुछ समय पहले हमने जो अपनी नयी उद्योग नीति घोषित की है उसके कारण ही सारे देश के उद्योगपति हमारे पास आये और अब से पहले हमारे पास 220 ऐप्लीकेशंज उद्योग लगाने के लिए आ चुकी हैं और कम से कम

350 करोड़ रुपये से ज्यादा के उद्योग हमारे प्रदेश में नये लगने वाले हैं। इसी तरह से हम चाहते हैं कि प्रदेश में जहां भी उद्योग लगें वहां वे बेकारी को दूर करें। इसलिए हमने फैसला लिया है कि आने वाले पांच सालों में केवल उद्योगों में ही एक लाख लड़के और लड़कियों को हम सर्विस दिलवायेगे। हमने इन उद्योगों के साथ यह कंडीशन लगायी है कि अगर वे हरियाणा में उद्योग लगायेंगे तो उनको क्लैरिकल, लेबर और टैक्नीकल स्टाफ भी हरियाणा का ही लेना पड़ेगा। अगर कोई टैक्नीकल स्टाफ हरियाणा में मिलता ही नहीं है तब भी उनको तीन दफा टैक्नीकल पोस्ट को ऐडवरटाईज करना पड़ेगा और अगर फिर भी टैक्नीकल स्टाफ न मिले तो वे बाहर का आदमी रख सकते हैं वरना सारे के सारे हरियाणा के लोग ही लेने पड़ेंगे। हमने यह भी फैसला किया है कि गुडगावां जिले में हम बिजली की कोई कमी नहीं आने देंगे और न ही वहां पर कोई कट होगा।

कंवर राम पाल जो ने भी कहा कि नयी उधोग नीति को प्रोत्साहन देने के लिए सिर्फ 6 उन्हीं ब्लाकों को शामिल किया गया जहां दिसम्बर, 1991 में कोई बड़ा या मध्यम उद्योग नहीं था। राज्य में 188 ब्लाकों में से 68 ब्लाकों को नॉन इंडस्ट्रीज ब्लाक का स्तर दे दिया है। इस बारे में हमने फैसला किया है कि जिन ब्लाकों में उद्योग नहीं हैं उन ब्लाकों को हम इस नीति में शामिल करके वहां पर उद्योग लगायेंगे। इसके अलावा हमने उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए यह भी फैसला किया है कि सौ करोड़

रुपये के पूंजी निवेश वाले उद्योग को हम 50 लाख रुपये की सबसिडी देंगे, 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये तक के पूंजी निवेश वाले उद्योग को हम 15 लाख रुपये की सबसिडी देंगे और 10 लाख से ऊपर या 50 लाख तक के पूंजी निवेश वाले उद्योगों को हम 10 लाख रुपये की सबसिडी देंगे। ऐसा हमने उनको राहत देने के लिए किया है। इसके अलावा अगर कोई देहात में ऐग्रो बेस्ड उद्योग लगायेगा तो हम उसको 30 लाख रुपये की सबसिडी देंगे ताकि किसानों को उनकी उपज का ज्यादा पैसा मिल सके और जो जिन्स किसान पैदा करता है उसका उद्योग वहां पर लग सके और किसान को अच्छा भाव मिल सके।

इसी तरह से हमने एक नयी सब्जी मंडी, कूट मंडी बनाने का फैसला कियां है। यह हम एक तो कुन्डली में बनाने जा रहे हैं ताकि किसान वहां अपना फल और सब्जी पैदा करके और बकायदा प्रोसैस करके दिल्ली में ही नहीं, हिन्दुस्तान में ही नहीं बल्कि दूसरे मुल्कों में भी ले जा सके ताकि किसान को अच्छा भाव और अच्छा फायदा मिल सके।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी ने कहा है कि उनके हल्के में कोई बड़ा अस्पताल या अच्छा प्राइमरी हैल्थ सैन्टर नहीं है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि डीगल में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चल रहा है। इसके अलावा उन्होंने 30 बिस्तरों के अस्पताल के बारे में कहा है। हम इस पर भी जरूर विचार करेंगे। इसके अलावा चन्द्रावती जी ने भिवानी में बहल की डिसपैसरी के बारे में

कहा कि वहां पर डाक्टर नहीं है या दूसरी अन्य चीजों की हालत ठीक नहीं है। हमारी कोशिश होगी कि जहां डाक्टरों की कमी है वहां हम डाक्टर भेजेंगे और जहां अस्पतालों की हालत ठीक नहीं होगी वहां हम अस्पताल भी ठीक करेंगे। इसके अलावा कर्ज सिंह दलाल ने पलवल के बारे में कहा कि वहां के अस्पतालों में दवाई नहीं बै। हम इसको दिखवायेंगे और जहां दवाई नहीं है वरदां हम दवाए भिजबायेंगे। इसके लिए हमने अगले बजट में पैसे की भी व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त चन्द्रावती जी ने कहा है कि भिवानी जिले में पीने का पानी बहुत गंदा है अगर पीने का पानी वहां गंदा है तो हम उसको ठीक करवायेंगे और वहां साफ सुथरा पानी देने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि भिवानी जिले में डाक्टरों की बहुत कमी है और इस कमी को पूरा किया जाना चाहिए। परन्तु जिला भिवानी में डाक्टरों की कहीं भी कमी नहीं है। जो पद खाली और भरे हुए हैं उनकी स्थिति इस प्रकार है।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि जिला भिवानी में डाक्टरों की कमी है। यह बात किसी दूसरे ने कही होगी। मैंने तो यह कहा था कि सारे हरियाणा के अस्पतालों में दवाइयों का बजट बढ़ा दो।

चौधरी भजन लाल आपने नहीं कहा तो श्री राम भजन जी ने कहा होगा। हो सकता है आपकी तरफ से कहा होगा। जो कुछ कमियां हैं, वह हम अगले अप्रैल में जरूर पूरी करेंगे। जहां

तक दवाइयों का सवाल है, आपको पता ही है कि हम सब को दवाइयां नहीं दे सकते क्योंकि हमारे साधन सीमित हैं। लेकिन फिर भी हम अपने सीमित साधनों के मुताबिक इस बात की पूरी–पूरी कोशिश करेंगे कि दवाइयां सब को सब जगह पहुच सकें। इसी तरह से हमारे यहां पर नये अस्पताल बनाने का प्रोग्राम है और जहां डाक्टर्ज की जगहें खाली हैं, हम उनको भी जल्दी ही भरेंगे।

डांगी साहब ने कहा कि गन्ने का मूल्य 50 रुपया या 51 रुपये मिलना चाहिये। इनकी बात तो बहुत वजनदार है लेकिन आप जानते हैं कि हमने किसान को देश में सबसे ज्यादा गन्ने का मूल्य दिया है। अभी फिलहाल गन्ने की कीमत बढ़ाने की बात जरा मुश्किल है। आपके सामने एक बात श्री राम पाल सिंह जी ने भी कही कि शूगर मिल्ज बौंडिड गन्ना नहीं लेती। मैं उनको यह कहना चाहता हूं कि शूगर मिलों ने जितने गन्ने के बौंड भरे हुए हैं, उतना गन्ना हम जरूर लेने की कोशिश करेंगे। हमारी कोशिश यह होगी कि बौंडिड गन्ना तो जरूर पीड़ा जाये। अगर इसके लिये हमें शूगर मिल की कैपेसिटी भी बढ़ानी पड़ी तो हम इसके लिये भी कोशिश करेंगे कि हमारी कैपेसिटी 1250 से 2500 की हो जाये। हम इस बात पर भी विचार करेंगे, चाहे हमें उनके लिये पिड़ाई का पीरियड बढ़ाना पड़े, हम इस पीरियड को भी बढ़ायेंगे। इसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है।

एक बात बुढ़ापा पैंशन के बारे में चौधरी वीरेन्द्र सिंह

जी ने कह दी कि यह तो हमने शुरू की थी। मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि बुढ़ापा पैंशन 1970 में शुरू हुई थी। आपके वक्त में नही। उस दौरान 60 साल की उम्र वाले को 60 रुपया महीना दिया करते थे। उसके लिये उम्र थी 60 लेकिन आप अपने आने के बाद इस उम्र को 5 साल आगे ले गये और 65 कर दिया और 100 रुपये महीने की पैंशन कर दी। लेकिन हमने अपने इलैक्शन मैनीफैस्टो में यह कहा था कि 65 साल की बजाये हम इस उन को 60 साल करेंगे और 100 रुपये महीने घर बैठे आपको मिला करेगा यानी पहुंचेगा। (व्यवधान)55 तो केवल उनके लिये थी जो बिल्कुल बेसहारा हैं। हमने इस बात पर दोबारा से विचार किया। (व्यवधान)55 साल पर तो एक आदमी रिटायर भी नहीं होता, 55 साल के आदमी को पैशन कैसे दे दें? इसके अलावा चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी की सरकार ने जिस ढंग से पैशन लोगों को बांटी, वह हरियाणा प्रदेश का बच्चा–बच्चा जानता है। 100 रुपया हरियाणा के बूढ़ों को देते थे तो 10 रुपया उनसे उल्टा मांग लेते थे। आपके लीडर चौधरी देवी लाल उन दिनों होते थे। उस आदमी का रिश्वत लेने के मामले में कोई मुकाबला नही था। अगर रिश्वत लेने के मामले में किसी आदमी को पदमश्री मिलना चाहिये तो वह चौधरी देवी लाल को मिलना चाहिये। क्यों मिलना चाहिये? इसलिये कि 100 रुपया तो खजाने से जाता था लेकिन उसमें से 10 रुपया उलटा ले लेते थे। एक साल में कितना पैसा लोगों को बुढ़ापा पैशन का देते थे? 100 करोड़ का अगर 10 परसैट के हिसाब से देखा जाये तो 10 करोड़ एक साल का और

4 साल तक रहे तो इस तरह से 40 करोड़ रुपया उन्होंने सरकारी खजाने से लिया, दूसरी बातों को तो छोडिये। खाली एक पैशन से 40 करोड़ रुपया खाया है।

राजस्व मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह)आन ए प्वायंट आफ आर्डर, स्पीकर साहब, सर इन्होंने एक बाकायदा प्रोग्राम बनाया हुआ था। कोई भी उप–चुनाव हो, पार्लियामैट के चुनाव हों या कोई और चुनाव हों, पोलिंग स्टेशन/बूथ पर इनका पोलिंग एजेंट बैठ जाता था और वह पटवारी साथ बिठा लेता था। 100 रुपया देता जाता था और वोट डलवाता जाता था। कहता था कि वोट डालो, 100 रुपया ले जाओ। राजनीति में कुरप्शन इससे बड़ी और कोई नही हो सकती जितनी इन्होंने फैला रखी थी। जबकि हमने, अध्यक्ष महोदय, अपने समय में ऐसा बिल्कुल नहीं किया और 100 रुपये महीने के हिसाब से 60 साल की आयु के हर व्यक्ति को बाकायदा पैन्शन देने जा रहे हैं। (विघ्न)

श्री बसी लाल : वैसे वे पैन्शन वाले आदमी को तब तक पैन्शन न देते जब तक कि कमीशन न मिलती। पैन्शन वाला आदमी मिले न मिले पर मौके पर तलाश करके दे देते थे नहीं तो 10 रुपये कमीशन कहां से मिलती? (हंसी)

चौधरी भजन लाल : तो स्पीकर साहब, हम यह पैन्शन चालू करके सब को देने जा रहे हैं और हमारी कोशिश होगी कि मई से हम हर महीने पैन्शन दें। हमने पहले तीन–तीन महीने की

और बाद में दो–दो महीने की इकट्ठी पैन्शन दी है। क्योंकि स्टाफ नया–नया था इसलिये हम हर महीने पैन्शन दे नहीं पाए। हम इस सच्चाई को मानेंगे लेकिन हम हर तीसरे महीने 300 रुपये के इकट्ठे नोट ताऊ और ताई के पास भेजते रहे हैं।

स्पीकर साहब श्री राम भजन जी ने कहा कि सीवरेज का पानी शहर के पीने के पानी की पाईप लाईन में मिल रहा है, यह बिल्कुल गलत बात है। हमने तो इसको देखा है और दिखवाया भी है। अगर माननीय सदस्य को इस बारे में कोई शिकायत हो तो वे मेहरबानी करके हमें लिख कर दें हम उस पर कार्यवाही करवाएंगे।

श्री बंसी लाल चौधरी साहब, आपके डी० सी० महोदय ने यह बात मानी थी कि सीवरेज का पानी पीने के पानी के नलकों में मिलता है।

चौधरी भजन लाल चौधरी बंसी लाल जी क्या बात करते हो यह सीवरेज सिस्टम आपके वक्त के ही बने हुए हैं।

श्री बंसी लाल : ठीक है। यह सभी कुछ हमारे वक्त में ही बने हुए थे, आपके वक्त में तो टूटा ही टूटा है। बनाया तो सब कुछ हमने ही था। आपके वक्त में बनना क्या है तुम तो बिगाड़ने पर लग रहे हो। (हंसी)

चौधरी भजन लाल चौधरी साहब यह सब कुछ आपके वक्त का ही बना हुआ हे। वैसे सीवरेज और पीने के पानी की

पाईप का थोड़ा वहुत आपस में अन्तर होना चाहिये। पर आपने तो एक दूसरे को साथ में ही जोड़ रखा था क्योंकि बागड़ी आदमी को पानी का बेरा कोई नहीं। (हंसी)

श्री बंसी लाल : चौधरी साहब, आपकी सूचना के लिये बता देता हूं कि हमने तो ठीक करवाई थी आपके समय में गड़बड़ हुई होगी। (हंसी)

चौधरी भजन लाल पर्यावरण का भी यहां पर जिकर किया गया। हमने बाकायदा हर नगर, शहर व गांव को सुन्दर बनाने के लिये सफाई वगैरह का प्रोग्राम बनाया है। एक सुन्दर वातावरण और साफ सुथरा पीने का पानी लोगों को देंगे। हरियाणा प्रदेश पहला प्रदेश होगा जहा 31 मार्च के बाद, आज 31 मार्च को लगभग 18 दिन बाकी हैं हरियाणा का कोई गाव ऐसा नही होगा जहां पीने के पानी की सुविधा नही होगी। मैं आपको बताता हू कि जिला करनाल, घरौंडा सर्कल के गांव बराना में आखरी पानी का नाव खोलकर मैं स्वयं उसका उद्घाटन करूंगा। (तालियां)इससे अगली बात, स्पीकर साहब, बंसी लाल जी ने नैशनल हाई–वेज की कह दी। इनको याद होगा कि पिछले चार सालों से नेशनल हाई–वे का कितना बुरा हाल था। उस पर काम कई दफा स्टार्ट हुआ। उसका काम करने वाली बाहर की कम्पनी थी। श्री ओम प्रकाश चौटाला ने उन से कह दिया कि पांच करोड़ रुपया दो। उन्होंने कहा कि हमारी बाहर की कम्पनी है एक एक पैसे का हमारा हिसाब किताब रखा जाता शै। हम नहीं दे सकते।

तो इन्होंने कहा कि नहीं दे सकते तो काम बन्द कर दो। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी इस बारे में शायद थोड़ा बहुत जरूर जानते होंगे। जब मैं मुख्य मन्त्री बना तो हमने उनको बुलवाया। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब रेट्स अब बढ़ गये हैं। हम उस पुराने रेट्स पर काम नहीं कर सकते। मैंने कहा कि यह नहीं हो सकता। उन्हीं रेट्स पर आपको काम करना पड़ेगा। आप यहां पर काम करो और अगर आपको किसी किस्म की कोई तकलीफ हो तो हम आपको पूरा सहयोग देंगे। किसी किस्म की कोई तकलीफ नहीं होने देंगे। इस तरह से हमें थोडा बहुत उनको कहना पड़ा कि अगर आप यहां पर काम नहीं करोगे तो हम आप को ब्लैक लिस्ट कर देंगे और सारे वर्ल्ड में आपकी बदनामी करेंगे वरना काम करो। जब इस तरह से थोड़ा उनको कहा तो वे फिर रास्ते पर आ गये और अब काम तेजी से चालू है और मुझे खुशी है कि बहुत जल्द ही फोर लेनिग बन कर तैयार हो जाएगी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं एक कलैरीफिकेशन चाहूगा कि हरियाणा की हद्द में फोर लेनिग कब तक पूरी होने की उम्मीद है?

चौधरी भजन लाल चौधरी साहब, फेजिज में होगी, एक साथ तो नहीं होगी। पहले बल्लभगढ़ से पलवल तक मन्जूर की गई और फिर दिल्ली से रोहतक तक पहले फेज में और अब इस साईड में पहले करनाल तक फिर उसके बाद अम्बाला तक।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मैं सैन्टर में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर था। जो रोड्ज ये बता रहे हैं, ये मेरी सैक्शन की हुई हैं। मैंने दिल्ली से लेकर अमृतसर व बाधा बौर्डर तक नेशनल हाई–वे की सैन्कशन कर दी थी। इसलिये जब तक अम्बाला तक यह काम नहीं होगा तब तक हमारा ट्रेफिक ठीक नहीं होगा।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष चौधरी भजन लाल जी, आप और कितना समय बोलना चाहेंगे?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, अम्बा घण्टा और हाउस का समय बढ़ा दीजियेगा।

श्री अध्यक्ष यदि हाउस की सैन्स हो तो सदन का समय आधा घण्टा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष हाउस का समय आधा घण्टा और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लाल चौधरी बंसी लाल जी का कहना था कि जब मैं सैन्टर में था तब मैंने यह सब कुछ किया था। हमें तो पता नहीं उन्होंने किया होगा। कोशिश उन्होंने जरूर की होगी पर

हमें तो वह रिकार्ड नहीं मिला। रिकार्ड की बात यह है कि अभी फोर–लेन सड़क का काम करनाल तक ही हो रहा है। लेकिन इस बारे में मैंने लिखा भी है। बातचीत भी की है। तथा मीटिंग भी की है ओर कहा है कि यह अम्बाला तक ही नही बल्कि चण्डीगढ तक किया जाए। दूसरी तरफ मैंने कहा है डबवाली से आगे पंजाब के बौर्डर तक हो, उधर होडल के बौर्डर तक हो और इधर राजस्थान के बौर्डर तक हो।

श्री बंसी लाल वह तो मैंने पहले ही सैंक्शन कर दिया था।

चौधरी भजन लाल हम तो कहते हैं कि ताज महल भी आपने बनाया था। जहां तक सड्कों की मुरम्मत की बात है सारी सड्कों की मुरम्मत 31 मार्च तक करने का प्रोग्राम था लेकिन बीच में 15 दिन बरसात की वजह से लेट हो गए। हमारी कोशिश होगी कि 30 अप्रैल के बाद कोई भी सड़क टूटी हुई नहीं मिलेगी। एक बात चौधरी बंसी लाल जी ने कही कि संजय गांधी के नाम पर भिखारी में कोई टैक्नीकल संस्था है जिसमें छात्रों से कैपिटेशन फीस लेकर दाखिला किया गया। आप जानते हैं कि उसमें स्टेट का तो कोई ताल्लुक नहों है। ऐसा करने की उनको हमने तो कोई मंजूरी नहीं दी फिर भी हम दिखवा लेंगे और कायदे कानून के मुताबिक कार्यवाही करेंगे। एक चौधरी साहब आपने जिक्र किया कि एस ० एस० एस ० बोर्ड द्वारा जो विज्ञापन दिए जाते हैं वे गलत दिए जाते हैं। आपने कहा कि पहले अखबार में कुछ कह

दिया और बाद में कुछ कह दिया। आपने यह भी कह दिया कि चेयरमैन कागज लेकर कहीं पर पहुंच गया।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, मैंने यह कहा था कि ऐसा हुआ है कि गवर्नमैंट के डिपार्टमैंट ने क्वालिफिकेशन कुछ और लिखी और एस० एस० एस० बोर्ड ने कुछ और क्वालिफिकेशन ऐडवर्टाइज कर दी। गवर्नमैंट डिपार्टमैंट ने बोर्ड को लिखा कि आपने ऐडवरटाइजमैंट में जो क्वालिफिकेशन लिखी है यह गलत है आप इसको ठीक करवाएं। उसके बाद भी एस० एस० एस० बोर्ड ने क्वालिफिकेशन ठीक नहीं की। दूसरी बात मैंने यह नहीं कही थी कि एस० एस० एस० बोर्ड के चेयरमैन कागज लेकर घूमते हैं। मैंने यह कहा था कि वे सिलैक्शन करके गवर्नमैंट के आर्डर्ज से पहले सरकारी दफतरों में पहुंच जाते हैं और कहते हैं कि ये अप्वांयटमैंट लैटर्ज जारी करो।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, चेयरमैन को किसी दफतर में जाने की क्या जरूरत है? जिसकी सिलैक्शन हो गई है वह तो जा सकता है लेकिन मैं इतना कह सकता हू कि उसमें जरा मिस्टेक हुई थी। जब हम लिखते हैं कि क्वालिफिकेशंज तो एंड सो और सो एंड सो। तो उसमें 'ओर' का लफज मिस हो गया ऐडवरटाइजमैंट करते समय। फिर भी हमने चीफ सैक्रेटरी को केस भेजा है। सरकार उसे ऐग्जामिन कर रही है उसके बाद ऐडवरटाइजमैंट के मुताबिक फैसला करेंगे। इसी तरह से गरीबी दूर करने के लिए पूछा गया कि कितने व्यक्तियों को रोजगार

देंगे। मैंने पहले भी बताया कि हम आने वाले पांच सालों में हर परिवार में से एक–एक व्यक्ति, नौजवान लड़के या लड़की, को काम देंगे या सरकारी नौकरी देंगे। इस तरह से हम कुल पांच लाख लड़के, लड़कियों को काम देंगे। एक बात श्री राम बिलास शर्मा जी ने कही कि गर्मी के मौसम में किसानों की पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी और भिवानी के इलाकों में कम से कम एक ब्लाक में 10 रिंग मशीनें लगाई जाएं। इसके लिए हम कोशिश करेंगे कि इन जिलों में जहां पानी गहरा है वहां रिंग मशीनें भेज कर इस समस्या को दूर किया जा सकें।

अध्यक्ष महोदय, हमने रैवैन्यू रिकार्ड रखने के लिए कम्प्यूटरीकरण करने का फैसला किया है। यह पद्धति सबसे पहले रिवाड़ी जिले से शुरू की है। इसके अलावा माननीय सदस्य श्री राम भजन ने एक बात यह कही कि सरकार भिवानी मिल्क प्लांट की मशीनरी वहां से उठा कर कहीं और ले जा रही है। अध्यक्ष महोदय, हम उस मिल्क प्लांट की मशीनरी को उठा कर कहीं पर भी नहीं ले जा रहे हैं। वह मिल्क प्लांट बहुत घाटे में चल रहा था। इसलिये उसको बन्द करना पड़ा। अब हम उसको दोबारा से चौक करवा पे हैं और हमारी पूरी कोशिश होगी कि वह मिल्क प्लांट चालू हो जाए।

श्री राम भजन अग्रवाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मुख्य मन्त्री जी से मेरी प्रार्थना है कि उस मिल्क प्लांट

की तरफ किसानों का छ लाख रुपया बकाया पड़ा है वह उनको दिलाया जाए। मैं मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि वह पैसा किसानों को कब तक दे दिया जाएगा?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, हम उस मिल्क प्लांट को रक्षा मंत्रालय के साथ मिल कर चलाएंगे ताकि आर्मी को भी यदि दूध की या मक्खन की जरूरत हो तो वह वहां से ले सके।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है मिल्क प्लांट भिवानी की तरफ किसानों का छ लाख रुपया बकाया पड़ा है वह उनको कब तक दे दिया जाएगा? (विघ्न)

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, यह बात मुख्य मन्त्री जी ने ठीक कर दी कि रक्षा मंत्रालय के साथ मिल कर उस मिल्क प्लांट को चलाएंगे ताकि आर्मी वाले अपनी जरूरत के मुताबिक उस मिल्क प्लांट से दूध ले सकें। वह मिल्क प्लांट भी इसी किस्म का है कि वह आर्मी वालों के ज्यादा काम आएगा। लेकिन जैसे चौधरी अमर सिंह और श्री राम भजन जी ने कहा कि उस मिल्क प्लांट की तरफ वहां के किसानों का यानी मिल्क कोआप्रेटिव सोसाइटीज का 8 लाख रुपया बकाया पड़ा है वह उनको दिया जाए। मैं भी कहता हूं कि वह 8 लाख रुपया उन मिल्क कोआप्रेटिव सोसाइटीज को दिया जाए उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, इस बात को हम जरूर देखेगे कि उस मिल्क प्लांट की तरफ किसी का कोई पैसा बकाया है या नहीं है। अगर किसी का पैसा बकाया है तो उनको जरूर मिलना चाहिए। हमने उस मिल्क प्लांट के बारे में भारत सरकार के डिफैस मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी थी और उनका यह जवाब आया है कि वह इस बारे में कार्यवाही कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने स्वर्गीय श्री एम ० एल ० वर्मा के भाई को एच ० सी ० एस ० बनाने के बारे में एतराज किया है और कहा है कि क्या उसका भाई कानून की दृष्टि से उस कैटेगरी में आता है जिसके तहत मरने वाले के अगेंस्ट किसी परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाती है? अध्यक्ष महोदय, चौधरी साहब की यह बात ठीक है कि कानून की दृष्टि से वह इसमें नहीं आता लेकिन वह परिवार के सदस्य की दृष्टि से उस कैटेगरी में आता है। आप जानते हैं कि जिस व्यक्ति का सारा परिवार ही खत्म हो गया हो और कोई बचा ही न हो, उसके बूढ़े मां बाप हों और उनका बेटा क्वालिफिकेशन पूरी करता हो तो उसको एच ० सी ० एस ० बनाने में कोई परेशानी नही होनी चाहिए।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उनके मां बाप बूढे हैं तो उनकी 500–500 रुपया महीना पैशन कर दो हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन आप इस तरह से फ्लड–गेट न खोलो।

चौधरी भजन लाल चौधरी साहब, यह फ्लड–गेट नहीं है। पहले ऐसा कोई वाक्या नहीं हुआ ऐसे वाक्या बहुत कम होते हैं। यह बड़ी दर्दनाक बात हुई थी। इसमें आपको हमदर्दी दिखानी चाहिए लेकिन मुश्किल यह है कि चौधरी साहब में हमदर्दी नहीं है क्योंकि इनकी खुद की लाइकिंग और डिसलाइकिंग अध्यक्ष महोदय, श्री राम बिलास शर्मा जी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अरावली में वृक्षारोपण की योजना लागू को है और वह योजना महेन्द्रगढ़ में लागू नहीं है। महेन्द्रगढ़, गुड़गांव और रिवाड़ी जिलों में यह स्कीम पहले ही लागू है। यह योजना 1991 में चालू की गई थी इस स्कीम को हम गुड़गांव, महेन्द्रगढ और रिवाड़ी जिलों में भी चलाएंगे।

चौधरी बंसी लाल जी ने बोलते हुए एच० सी० एस० की पोस्टों के बारे में जिकर किया था। मैं इनको बताना चाहूंगा कि एच० सी० एस० केडर की कुल पोस्टें 218 निश्चित की हुई हैं और आई० ए० एस० केडर की 233 पोस्टें निश्चित की हुई हैं। लेकिन यह बात ध्यान में रखते हुए कि हरियाणा एक छोटा प्रान्त है हमने भारत सरकार से यह अनुरोध किया है कि जैसे भारत सरकार ने पोस्टों मे 10 परसैन्ट की कटौती की है हम भी यह चाहेंगे कि 10 परसैन्ट की कटौती आई० ए०एस० अधिकारियों की पोस्टों में हमारे यहां भी होनी चाहिए। अब आई० ए० एस० अधिकारियों की जितनी पोस्टें फिल–अप हैं उनको तो कम नहीं किया जा सकता। आगे के लिये हम भारत सरकार को लिखने जा

रहे हैं कि आगे से हरियाणा के लिये आई० ए० एस० अधिकारियों की अलाटमैंट न करें। यदि आपको कोई बहुत ही ज्यादा मजबूरी हो जाए तो एक या दो अधिकारी बेशक अलाट कर दें वरना हरियाणा को और आई० ए० एस० अधिकारी देने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसी तरह से एच० सी० एस० का 216 का कोटा निश्चित किया हुआ है लेकिन इस वक्त 126 एच० सी० एस० अधिकारी हैं। इसलिये हमने 30 एच० सी० एस० की पोस्टें फिलअप करने का फैसला किया है। चौधरी बंसी लाल जी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि सरकार ने एच० सी० एस० की 30 पोस्टें फिलअप करने का फैसला किया है और उसके लिए सरकार के पास 275 नाम आए हैं। अध्यक्ष महोदय मैं चौधरी साहब को बताना चाहूंगा कि 275 नाम नहीं आए, केवल 75 नाम आए हैं।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जो एच० सी० एस० की 30 पोस्टें भरी जाएंगी उनमें रिजर्वेशन कितनी दी जाएगी?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, रिजर्वेशन भी कायदे कानून के हिसाब से देने की कोशिश की जाएगी। इस एच० सी० एस० की भर्ती के लिये जो नौर्म्ज फिक्स किए गए हैं वे मैं आपको बताना चाहता हूं। (विज)पहले मैं आपको यह बता देता हूं कि ऐसी भर्ती करते समय 1971 में 12, 1973 में 20, 1975 में 15, 1976 में 10 और 1984 में 7 एच० सी० एस० भर्ती किए गए थे।

मैं आपको बताना चाहता हूं कि ये 30 पोस्टें भरी जानी हैं और इन 30 पोस्टों के लिये 60 आदमियों के नाम जाएंगे। जो हमने नौर्म रखा है वह यह है कि जिसका बहुत शानदार रिकार्ड होगा वही इसके लिये योग्य होगा। जिस किसी की 7 साल की सर्विस होगी और उस 7 साल में से जिनकी 5 साल की रिपोटें वैरी गुड होंगी केवल उसी के नाम पर विचार किया जायेगा। पहले यह होता था कि 5 साल की सर्विस हो और उस में से 3 साल की रिपोर्टस ठीक हों। ये योग्यताएं हमने इसलिये रखी हैं ताकि हमें अच्छे लैवल के अधिकारी मिल सकें। हमारी पूरी कोशिश यही होगी कि रिकार्ड के आधार पर अच्छे एच० सी० एस० आफिसर आएं। पहली सरकारों के समय में ठीक काम नहीं होता था। जो नौर्म्ज पहली सरकार के वक्त के थे वे अब हमने बदले हैं ताकि हमें योग्य अधिकारी मिल सकें।

श्री बंसी लाल आप कह रहे हैं कि पिछली सरकारों में काम ठीक नहीं था और इस भरती के लिए नौर्म्ज ठीक नहीं थे। मैं पूछना चाहता हूं कि जब आप पीछे 7 साल तक मुख्य मन्त्री रहे क्या उस समय यह भरती ठीक थी? क्या उस समय ये नौर्म्ज गलत नहीं थे।

चौधरी भजन लाल चौधरी साहब, हम तो आपके दिखाये हुए रास्ते पर चल रहे थे। अब हमने उस गलती को सुधारा है। अब हमने जो पहले 48 साल की आयु इसके लिए रखी हुई थी उसको घटा कर 45 साल कर दिया है। इसके लिए कम

से कम 7 साल की सरकार की सेवा होनी चाहिए और इन 7 सालों की रिपोर्टों में से कम से कम 5 सालों की रिपोर्टस वैरी गुड होनी चाहिए। जिनका ऐसा रिकार्ड होगा, उनको ही एच० सी० एस० के लिये लिया जायेगा।

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, मैंने एक बात यह पूछी थी कि जो एच० सी० एस० की ये स्पेशल रिक्रूटमैंट करने जा रहे हैं इसमें किस किस डिपार्टमैंट से किस तरह के लोग लिए जाएंगे यानि उनकी कैटेगराइजेशन किस तरीके से होगी? दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं जैसा कि इन्होंने अभी बताया है कि 200 या इससे कुछ अधिक एच० सी० एस० अधिकारी इनके पास हैं तो फिर जब इन अधिकारियों से काम चल रहा है तो फिर यह 30 और एच० सी० एस० की भर्ती क्यों की जा रही है? यह एच ० सी० एस० की भर्ती तो हरियाणा सरकार की अपनी बात है। इसको घटाया भी जा सकता है।

चौधरी भजन लाल : मैंने बताया है कि हमारे पास एच० सी० एस० बहुत कम हैं और इनकी हमें बहुत सख्त जरूरत है इसलिये इनकी भर्ती करना जरुरी हे। मैंने बताया हे कि जिन का अच्छा रिकार्ड होगा केवल उन्हीं को लिया जायेगा। हम आपकी तरह से चलते फिरते लोग नहीं लेंगे।

श्री पीर चन्द : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी को बताना चाहता हूं कि हरिजन कर्मचारियों की

रिपोर्टस खराब कर देते हैं। अब उनकी कांफीडैशंल रिपोर्टस ठीक न होने की वजह से यदि पूरे हरिजन कर्मचारी इस एच ० सी ० एस० की भर्ती मे नहीं आए तो फिर उनकी परसैस्टेज का जो कोटा है उसका क्या करेंगे। मैं जानना चाहता हूं कि क्या उस कोटे को खाली रखा जायेगा या दूसरी जातियों के कोटे से भर लिया जायेगा।

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, जहां तक हरिजनों का ताल्लुक है उनका कानून के हिसाब से जो कोटा या हक बनता है वह उनको जरूर मिलेगा। इस राज के अन्दर किसी के साथ कोई ज्यादती नही होगी। ज्यादती तो चोधरी बीरेन्द्र सिंह और चौधरी देवी लाल जी के समय में होती थी। अब किसी के साथ ज्यादती का कोई सवाल ही नही है। अध्यक्ष महोदय यहां पर एक बात पूछी गयी कि उस समय कितने परसैन्ट हरिजनों को, बी० सी० के लोगों को पैन्शन मिलती थी? मैं बताना चाहता हू कि उस समय 12–15 परसैन्ट पैन्शन इन लोगों को मिलती थी और अब 35 से 45 परसैन्ट लोगों को पैन्शन मिल रही है, यह रिकार्ड की बात है।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, एक ईशू का जवाब मुख्य मन्त्री जी ने नही दिया। मैं इनसे जानना चाहता था कि किस किस डिपार्टमैंट से कैटेगराईजेशन करके कितने कितने आदमी लिए जाएंगे और किस किस सर्विस से आदमियों को लेंगे। दूसरी बात यह है कि पहले चीफ सैक्रेटरी के कोटे में कितने आदमी रखते थे

और इस बार कितने रखेंगे?

चौधरी भजन लाल मैं अभी आपके इस प्रश्न का जवाब ही देने वाला था। किस किस डिपार्टमेंट से आदमी लिए जाएंगे यह तो बहुत लम्बी लिस्ट शै। अध्यक्ष महोदय, लगभग सभी डिपार्टमैंट इसमें हैं। 62 डिपार्टमैंट के आदमी इसमें हैं। अगर मैं इन सब के नाम पढूंगा तो बहुत टाईम लग जाएगा। मैं एक कापी इस लिस्ट की आपको दे देता हूं। आप जब पढ़ेंगे तो आपकी तसल्ली हो जाएगी।

श्री अमर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि शिड्यूल्ड कास्ट के इस में कितने आदमी लिए जाएंगे और क्या ये इसकी रिजर्वेशन का कुछ नार्म भी रखेगे?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कितनी बार बताया है कि रूल्ज के मुताबिक ही लिए जाएंगे बल्कि ज्यादा ही लिए जाएंगे। हमारी तो कोशिश यह भी है कि जो पिछला बैकलौग है वह भी पूरा हो।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, मैं एक बात जानना चाहता हूं

श्री अध्यक्ष : लहरी सिंह जी, यह क्वैश्चन आवर नहीं है इसलिए आप अभी बैठिए। (विघ्न)लहरी सिँह जी कोई और बात रैफर न करें। (विघ्न)

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, सोशल वैल्फेयर डिपार्टमैंट की 60 लेडीज सुपरवाईजरर्ज की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं और जो निकाली गई हैं वे सारी हरिजन जाति से सम्बन्ध रखती हैं। इन के 10 और ब्लाकस खुल सकते हैं ये उनमें भी ऐडजस्ट हो सकती थीं। क्या यह ज्यादती नहीं है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या उनको वापिस लेंगे और उसमें उसी तरह से रिजर्वेशन रखेगे?

चौधरी भजन लाल स्पीकर सर, ऐसी कोई बात नहीं है। किसी को इस वजह से नौकरी से नही निकाला जा सकता चाहे वह हरिजन है या दूसरा है। (विघ्न)

श्री अमर सिंह अभी मार्च, 1992 में नायब तहसीलदार से तहसीलदार प्रमोट किए गए उसमें मुख्य मन्त्री जी रोशनी डालें कि जो 18 नायब तहसीलदार से तहसीलदार प्रमोट किए गए उनमें बैकवर्ड और हरिजन कितने आदमी हें?

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, यह कोई क्वैश्चन आवर नही है?

श्री अध्यक्ष : अमर सिंह जी यह क्वैश्चन आवर नहीं है, आप बैठिए।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, जहां तक महिलाओं का ताल्लुक है, महिलाओं के उत्थान के लिए अभी इसी महीने की 8 तारीख को करनाल में एक बहुत बड़ा सम्मेलन आयोजित किया

गया था जिसमें आप भी गए थे। हमने खासतौर पर महिलाओं के उत्थान के लिये कई कदम उठाए हैं। (विघ्न)महिलाओं के लिए बी० ए० तक की शिक्षा फ्री की है और आप जानते हैं कि साथ ही साथ प्रसूति अवकाश पहले तीन महीने का होता था अब उसको छः महीने कर दिया गया हे। फरीदाबाद मे एक नया महिला बहु–तकनीकी संस्थान खोला जाएगा। महिलाओं के लिये टयूशन फीस की करने की बात हमने की है। कुरुक्षेत्र, हिसार तथा रोहतक स्थानों पर जहां विश्वविद्यालय है वहां महिलाओं के लिए अलग से विशेष बस सेवा हम शुरू करेंगे। इसके अलावा फरीदाबाद तथा अम्बाला जहां काम काजी महिलाएं काफी संख्या में हैं और सवेरे शाम बसों में बहुत रश होता है वहां महिलाओं के लिये हम विशेष बसें चलाएंगे। हर बस में महिलाओं के लिये 10 सीटें आरक्षित करने का भी हमने फैसला किया है। इसी तरह से महिला होस्टल की सुविधा देने की बात हमने की है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ हमने राज्य के सभी ब्लाकों में समेकित बाल विकास योजनाएं भी समाज कल्याण विभाग की तरफ से शुरू की हैं। महिलाओं के लिए, दस्तकारों के लिए प्रोत्साहन देने का प्रोग्राम हमने बनाया है और आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को हम प्रोत्साहन देंगे। इसी तरह से 1–2 बातें और हैं। जैसे हमने बी ० ए ० तक शिक्षा की फीस माफ की है वैसे ही आई० टी० आई० में भी महिलाओं की फीस हमने माफ कर दी है। अगले साल से हम महिलाओं से कोई फीस नहीं लेंगे। इसी तरह से हमने 4 महिला बैक भी अलग से खोलने का फैसला किया है ताकि महिलाएं जो कांटी–छांटी रखती हैं वह

अलग से उस बैक में जमा करवा सकें ताकि उनको पैसे निकलवाने और जमा करवाने में कोई दिक्कत न हो।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि कुरुक्षेत्र एक बहुत ही पवित्र स्थान है और इसका विकास होना चाहिए। इसके विकास के लिये आप जानते हैं हमने बहुत से प्रोग्राम बनाए हैं और हम इसको एक बहुत ही शानदार स्थान बनाएंगे क्योंकि यह बहुत ही बड़ी ऐतिहासिक जगह है। भगवान कृष्ण ने यहां गीता का पाठ पढ़ा, वेदों की रचना यहां पर हुई है। जिस तरह से ए० आई० आर० जालन्धर से गुरुवाणी का प्रसारण होता है वैसा ही प्रसारण हमने कुरुक्षेत्र से भी शुरू करवाया है। इसके साय ही हम कुरुझेत्र को बहुत बढ़िया बनाएंगे और जो यहां सड़कें हैं उनको भी चौड़ी करवाएंगे ताकि बाहर से और भी लोग यहां आएं।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मेरी एक प्रार्थना है कि कुरुक्षेत्र की हिस्टरी की रिसर्च करने के लिए 20–30 लाख का प्रोजैक्ट बनाकर के यूनिवर्सिटी या किसी और को यह काम सौंप दें।

चौधरी भजन लाल ऐसा भी कर रहे हैं चौधरी साहब। अध्यक्ष महोदय, हमने अलग से एक स्कीम बनाई है और भारत सरकार से भी बात की है। इसी के साथ हमने अर्जुन सिंह जी से, सिंधिया जी से भी बात की है और उन्होंने वायदा भी किया है।

इसके लिए भारत सरकार ने कुछ पैसा भी दिया है। हम कुरुक्षेत्र को बहुत ही शानदार तरीके का बनाएंगे।

श्री अध्यक्ष : हवाई अड्डे के बारे मे भी बताएं, वह भी तो जरूरी है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि कुरुक्षेत्र में हवाई अड्डे को भी बनाना चाहिए ताकि यहां आने जाने वालों को सुविधा रहे और इस पर हम विचार करेंगे।

हमने ग्रामीण विकास के लिये कई योजनाएं बनाई हैं, ग्रामीण शौचालय के लिए भी स्कीम बनाई है और जो गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले 15 लाख 520 परिवारों को सहायता दी उसने 7 हजार 116 अनुसूचित जाति के और 5 हजार 900 महिलाएं हैं। इसी तरह से ग्रामीण युवाओं को भी हमने सहायता दी है। इसके साथ ही जो कमजोर वर्ग के लोग हैं जिनके पास 5 एकड से 10 एकड़ तक जमीन है उनको हमने हर गांव में भेड बकरी चराने के लिये पंचायत की जमीन देने का फैसला किया है। हमने 25 सूत्री कार्यक्रम में इस तरह का प्रोग्राम बनाया है कि मछली पालन विभाग, कृषि विभाग और दूसरे जो विभाग हैं उनमें सरकारी कर्जों पर सूद माफ करने की बात कही है। पिछली सरकार ने किसानों को बड़ा भारी गुमराह किया था। उन्होंने किसानों को गुमराह करके बर्बाद कर दिया था। उन्होंने उनको बताया कि वे उनके पिछले सात साल के कर्जे माफ कर देंगे और

कर्जे माफ हुए नहीं जिससे उन पर ब्याज इतना चढ़ गया कि किसानों को अपनी जमीन बेचनी पड़ती। अध्यक्ष महोदय, हमने उनसे वायदा किया था कि अगर आप हमारी सरकार–बना देंगे तो हम आपके ब्याज की राशि माफ कर देंगे। हमने कहा कि जो 31 दिसम्बर तक सारा पैसा जमा करवा देगा उसका सारा ब्याज माफ हो जाएगा। उसके बाद कुछ लोगों से और एम ० एल ० एज ० की मांग आई कि अभी गन्ने का पैसा, जीरी का पैसा और कपास का पैसा नहीं आया है इसलिये हमें एक महीने की मियाद और मिलनी चाहिए। हमने 31 जनवरी तक की मियाद दी और 31 जनवरी तक हमने 50 करोड़ 46 लाख रुपये का सूद माफ किया जिससे 3 लाल 20 हजार किसान लोगों का भला हुआ।

श्री अध्यक्ष अजमत खां जी ने तो अप्रैल तक मियाद बढ़ाने की मांग की थी क्योंकि उनके इलाके में पैडी नहीं होती।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, अब मुश्किल हो जाएगा। हमने पहले ही बहुत मुश्किल से वर्ल्ड बैक से और नाबार्ड से 31 जनवरी की तारीख करवाई थी। इसमें हमें यूनियन फाइनेंस मिनिस्टर को इन्वाल्व करना पड़ा था और हमने हाथ भी जोडे तब जाकर यह टाईम बढ़ा था। लेकिन मुझे खुशी है कि इस दफा बहुत शानदार वसूली है और यह एक रिकार्ड हो गया है। 73 प्रतिशत वसूली हरियाणा के बैकों में हुई है आने वाले जून तक 90 प्रतिशत हो जाएगी और वह भी एक रिकार्ड हो जाएगा। यह जो लेने देने की प्रथा खत्म हो गई थी उसे भी हमने दोबारा

चलाया क्रश। अगर देश में लेन देन ही खत्म हो जाएगा तो सारे देश की और प्रदेश की इकौनोमी बर्बाद हो जाएगी। इसी तरह से खेल–कूद के लिये भी हमने पैसा रखा है (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं कि वे एक टीम की तरह काम करते हैं और उन्होंने इस प्रदेश का नाम ऊंचा करने की कोशिश की है। इसी तरह से मैं कहना चाहता हूं कि सारे ऐडमिनिस्ट्रेशन, जेलों के ऐडमिनिस्ट्रेशन, हमारी पुलिस और जो जो भी महकमों के कर्मचारी हैं उन्होंने बहुत अच्छे ढंग से काम किया है। मैं उनका भी धन्यवाद करता हूं और उम्मीद करता हू कि आगे भी वे इस तरह से ज्यादा निष्ठा के साथ काम करेंगे और आप सभी विधायकों के सहयोग से हम इस प्रदेश को आगे ले जायेंगे। इसके अलावा राज्यपाल महोदय ने जो बडा शानदार अभिभाषण दिया मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं और जो धन्यवाद प्रस्ताव श्री आनन्द सिंह डांगी ने रखा है, उसका समर्थन करता हूं तथा साथ ही सारे हाउस से प्रार्थना करता हूं कि यूनानीमसली राज्यपाल महोदय के धन्यवाद प्रस्ताव को पारित करें।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमन्त्री जी ने कहा शै कि मेरे वक्त में 1200 या 1300 अप्वायंटमैंट्स हुई थीं और जिनको क्रैक्टर वेरीफिकेशन में ऐग्जंपशन दी गयी थी तो मैं आपसे निवेदन करूंगा कि ये अपने दफ्तर से कह दें कि मेरे समय में किस किस डिपार्टमेंट ने किन किन तारीख को ऐग्जम्ग्शन दी

थी, उनकी पूरी डिटेल मुझे दें। चौधरी भजन लाल : चौधरी साहब, एक डिटेल तो आपने पहले मांगी थी कि मेरे वक्त में कितने कालोनाइजर्ज को लाईसैन्स दिये गये थे। शायद वह आपको कल मिल भी गयी होगी।

श्री बंसी लाल : हां वह मुझे मिल गयी है लेकिन उस डिटेल में बाकी कई जवाब रह गये हैं। इसलिये मैं दूसरी चिट्ठी आपको लिख रहा हूं। लेकिन मेरे वक्त में 1986 में जो ऐग्जम्पशन देने के बारे में आपने कहा है, उसके बारे में शी सूचना भेज दें कि वह किस डिपार्टमैंट में, किस तारीख को, कितनी ऐग्जम्पशन दी गयी थी।

चौधरी भजन लाल : ठीक है, हम इसकी पूरी डिटेल आप के पास भेज देंगे यह तो सरकारी आकड़ों की बात है इसमें हमें कोई दिक्कत नहीं है। अंत में मैं इन्हीं शब्दों के साथ सभी महानुभावों का बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने बड़े अच्छे सुझाव दिये और बड़ी अच्छी बातें कहीं। अगर मुझसे थोड़ी बहुत कुच ऐसी वैसी बातें कही गयी हों तो मैं उसके लिए क्षमा चाहूंगा। साथ ही सारे सदन से प्रार्थना करूंगा कि इसे यूनानीमसली पास किया जाये।

राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

Mr. Speaker : Hon. members, now I put the motion to the vote of the House.

Question is—

"ThatAnAddress be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haiyana Vidhan SabhaAssembled in this SessionAre deeply grateful to the Governor for theAddress which he has been pleased to deliver to the House on the 9th March, 1992."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House standsAdjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 16th March, 1992.

***14.27 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 16th March, 1992.)